आज़ादी का अमृत महोत्सव

एसटीपीआई
STPI

वार्षिक रिपोर्ट
2020-21

सॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजी पार्क्स ऑफ इंडिया

सॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजी पार्क्स ऑफ इंडिया

वार्षिक रिपोर्ट

2020-2021

विषय सूची

शासी परिषद	1
सामान्य निकाय	2
एसटीपीआई की प्रबंधन संरचना	3
भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी परिदृश्य	4
एसटीपीआई–एक अवलोकन	6
एसटीपीआई की पंजीकृत इकाइयों का प्रदर्शन	7
एसटीपीआई में पंजीकृत आईटी/आईटीईएस इकाइयों द्वारा निर्यात	8
आईटी ग्रेड इंफ्रास्ट्रक्चर का प्रावधान	10
डेटा संचार सेवाएं और अन्य मूल्य वर्धित सेवाएं	11
डेटा केंद्र सेवाएं	12
परियोजना प्रबंधन और परामर्श (पीएमसी) सेवाएं	13
बीपीओ संवर्धन योजनाएँ–आईटी नौकरियों का सृजन	18
संशोधित इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण क्लस्टर योजना/ईएमसी 2.0	19
सेंटर ऑफ एन्टरप्रेन्योरशिप (सीओई)	20
नेक्स्ट जेनरेशन इन्क्यूबेशन स्कीम (एनजीआईएस)	27
संवर्धनात्मक कार्यकलाप	28
एसटीपीआई का वित्तीय विश्लेषण	31
लेखा विवरण	32
स्वतंत्र लेखा परीक्षक रिपोर्ट	34
लेखा परीक्षक	37
अनुसूची –22	53
अनुसूची–22 क	56
सूचना का अधिकार	64
एसटीपीआई के केन्द्र	65

शासी परिषद*

अध्यक्ष

श्री अश्विनी वैष्णव
माननीय रेल, संचार तथा इलेक्ट्रॉनिकी
और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री,
भारत सरकार

उपाध्यक्ष

श्री राजीव चंद्रशेखर
माननीय कौशल विकास और
उद्यमिता तथा इलेक्ट्रॉनिकी
और सूचना प्रौद्योगिकी राज्यमंत्री,
भारत सरकार

कार्यकारी उपाध्यक्ष

श्री अलकेश कुमार शर्मा
सचिव,
इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय,
भारत सरकार

सदस्य

श्री भुवनेश कुमार
संयुक्त सचिव (सोसाइटी) तथा एसटीपीआई के समूह समन्वयक,
इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय,
भारत सरकार

श्री राजेश सिंह
संयुक्त सचिव और वित्तीय सलाहकार
इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय,
भारत सरकार

श्री विवेक नारायण
उप महानिदेशक (डी एस),
दूर संचार विभाग, संचार मंत्रालय,
भारत सरकार

श्री आशुतोष अग्निहोत्री
संयुक्त सचिव (सीआईएस),
गृह मंत्रालय, भारत सरकार

श्री जनार्दन सिंह
संयुक्त निदेशक, आसूचना ब्यूरो,
गृह मंत्रालय, भारत सरकार

श्री एस.आर.बरुआ
प्रधान महानिदेशक,
प्रणाली एवं डेटा प्रबंधन,
केन्द्रीय अप्रत्यक्ष कर एवं सीमा शुल्क बोर्ड,
राजस्व विभाग, वित्त मंत्रालय, भारत सरकार

श्री संतोष कुमार सारंगी
विदेश व्यापार महानिदेशक,
वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय, भारत सरकार

श्री संदीप नरूला
अध्यक्ष,
इलेक्ट्रॉनिक्स और कंप्यूटर सॉफ्टवेयर
निर्यात संवर्धन परिषद

श्री एन. चन्द्रशेखरन
अध्यक्ष,
मै. टाटा कंसलटेंसी सर्विसेज लिमिटेड

श्री जसविंदर एस. अहूजा
कॉर्पोरेट उपाध्यक्ष और प्रबंध निदेशक
मै. कैडंस डिजाइन सिस्टम्स (इंडिया) प्राइवेट लिमिटेड

श्री अरूण जैन
अध्यक्ष,
मै. इन्टेलेक्ट डिजाइन एरेना लिमिटेड

सुश्री देबजानी घोष
अध्यक्ष, नैसकॉम

डॉ. देवेश त्यागी
वरिष्ठ निदेशक,
एसटीपीआई

सदस्य सचिव

श्री अरविन्द कुमार
महानिदेशक,
एसटीपीआई

*मई, 2022 की स्थिति के अनुसार

सामान्य निकाय*

अध्यक्ष

श्री अश्विनी वैष्णव
माननीय रेल, संचार तथा इलेक्ट्रॉनिकी
और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री,
भारत सरकार

उपाध्यक्ष

श्री राजीव चंद्रशेखर
माननीय कौशल विकास और
उद्यमिता तथा इलेक्ट्रॉनिकी और
सूचना प्रौद्योगिकी राज्यमंत्री,
भारत सरकार

कार्यकारी उपाध्यक्ष

श्री अलकेश कुमार शर्मा
सचिव,
इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय,
भारत सरकार

सदस्य

श्री भुवनेश कुमार
संयुक्त सचिव (सोसाइटी) तथा एसटीपीआई के समूह समन्वयक
इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय,
भारत सरकार

श्री राजेश सिंह
संयुक्त सचिव और वित्तीय सलाहकार
इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय,
भारत सरकार

श्री विवेक नारायण
उप महानिदेशक (डी एस),
दूर संचार विभाग, संचार मंत्रालय,
भारत सरकार

श्री आशुतोष अग्निहोत्री
संयुक्त सचिव (सीआईएस),
गृह मंत्रालय, भारत सरकार

श्री जनार्दन सिंह
संयुक्त निदेशक, आसूचना ब्यूरो,
गृह मंत्रालय, भारत सरकार

श्री एस.आर. बरुआ
प्रधान महानिदेशक,
प्रणाली एवं डेटा प्रबंधन,
केन्द्रीय अप्रत्यक्ष कर एवं सीमा शुल्क बोर्ड,
राजस्व विभाग, वित्त मंत्रालय, भारत सरकार

श्री संतोष कुमार सारंगी
विदेश व्यापार महानिदेशक,
वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय, भारत सरकार

डॉ. देवेश त्यागी
वरिष्ठ निदेशक,
एसटीपीआई

सदस्य सचिव

श्री अरविन्द कुमार
महानिदेशक,
एसटीपीआई

*मई, 2022 की स्थिति के अनुसार

एसटीपीआई की प्रबंधन संरचना

शासी परिषद

शासी परिषद, सॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजी पार्क्स ऑफ इंडिया (एसटीपीआई) का शीर्ष प्रबंधन निकाय है, जो एसटीपीआई की समग्र कार्यप्रणाली का निर्देशन और देखरेख करती है तथा नीतिगत निर्देश प्रदान करती है। माननीय इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री, भारत सरकार, शासी परिषद के **'अध्यक्ष'** हैं। माननीय इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी राज्यमंत्री, भारत सरकार, शासी परिषद के **'उपाध्यक्ष'** हैं। सचिव, इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय, भारत सरकार, शासी परिषद के **'कार्यकारी उपाध्यक्ष'** हैं। वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय, वित्त मंत्रालय, गृह मंत्रालय, संचार मंत्रालय, इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय, सूचना प्रौद्योगिकी उद्योग एवं उद्योग संघों के प्रतिनिधि शासी परिषद के सदस्य हैं ।

महानिदेशक

महानिदेशक (डीजी), एसटीपीआई शासी परिषद के सदस्य–सचिव हैं तथा शासी परिषद के मार्गदर्शन के अंतर्गत एसटीपीआई के प्रबंधन तथा संचालन के लिए उत्तरदायी हैं। संस्था के कुशल संचालन के लिए महानिदेशक को आवश्यक कार्यकारी शक्तियां तथा प्राधिकार प्रत्यायोजित किए गए हैं।

निदेशकों की कार्यकारी समिति (ईकॉड)

संस्था के संस्थापना प्रलेख के अनुसार, निदेशकों की कार्यकारी समिति (ईकॉड), जो संस्था का एक अंग है, शासी परिषद एवं प्रशासनिक मंत्रालय की ओर से प्रशासनिक, वित्तीय, संचालन और इस तरह के नीतिगत मामलों की समीक्षा एवं मंजूरी प्रदान करने जैसे कार्य करती है। ई–कॉड की अध्यक्षता सचिव, इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय तथा कार्यकारी उपाध्यक्ष, शासी परिषद, एसटीपीआई द्वारा की जाती है।

स्थायी कार्यकारी बोर्ड (एसईबी)

ऐसे प्रत्येक राज्य में जहाँ एसटीपीआई का केन्द्र है, नीतिगत और संचालन संबंधी मामलों में उद्योग और सरकार के बीच मध्यस्थ की भूमिका निभाने के लिए एक स्थायी कार्यकारी बोर्ड (एसईबी) का गठन किया जाता है। स्थायी कार्यकारी बोर्ड, एसटीपीआई केन्द्रों/उप केन्द्रों की भावी विस्तार योजनाएं तैयार करने, सुविधाओं का दर्जा बढ़ाने, प्रत्येक एसटीपीआई केंद्र की वार्षिक योजना एवं बजट तैयार करने और महानिदेशक, एसटीपीआई को परामर्श देने का कार्य करता है।

वरिष्ठ निदेशक

वरिष्ठ निदेशक, एसटीपीआई मुख्यालय के प्रमुख हैं। वरिष्ठ निदेशक, एसटीपी और ईएचटीपी योजनाओं के प्रशासन के लिए क्षेत्राधिकार निदेशक के रूप में कार्य करते हैं।

निदेशक

निदेशक, एसटीपीआई केन्द्र के तकनीकी एवं प्रशासनिक प्रमुख होते हैं। निदेशक, एसटीपी और ईएचटीपी योजनाओं के प्रशासन के लिए सबंधित अधिकार क्षेत्र में क्षेत्राधिकार निदेशक के रूप में कार्य करते हैं।

भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी परिदृश्य

कोविड–19 महामारी जैसी वैश्विक आपदा के दौरान 194 बिलियन डॉलर के भारतीय आईटी उद्योग के लिए बेहतर रूप से उभरने और स्थिरता प्रदर्शित करने के लिए वर्ष 2020 एक चुनौतीपूर्ण समय था। जब वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला महामारी के प्रभाव से बाधित हुई, तो आईटी उद्योग ने चुनौतियों का सामना किया और वैश्विक ग्राहकों के लिए व्यापार को निर्बाध बनाये रखा।

महामारी ने दुनिया भर में क्लाउड टेक्नोलॉजी की मांग को बढ़ाने में एक क्रान्तिकारी भूमिका निभाई है, ताकि उद्योग को डिजिटलीकरण की अपार क्षमता का लाभ उठाने में सक्षम बनाया जा सके। फलस्वरूप, क्लाउड को अपनाने से हाइपरस्केल डेटा केंद्रों में निवेश को और बढ़ावा मिला है, जिससे अनुमान है कि वर्ष 2025 तक वैश्विक डेटा केंद्र में निवेश 200 बिलियन डॉलर प्रति वर्ष तक पहुंच जाएगा। भारत की डेटा सेंटर निवेश में हिस्सेदारी वर्ष 2025 तक प्रति वर्ष $ 5 बिलियन तक पहुंच सकती है। इसके अलावा, कार्यबल और ग्राहकों को निर्बाध तरीके से काम करने में सक्षम बनने के लिए भारतीय उद्यम क्लाउड टेक्नोलॉजी और वितरित डिजिटल इकोसिस्टम की शक्ति का लाभ उठा सकते हैं। क्लाउड–आधारित सोल्यूशन व्यावसायिक डेटा और सूचनाओं का बचाव और सुरक्षा सुनिश्चित कर सकता है, जो उद्योग को क्लाउड टेक्नोलॉजी पर केंद्रित एक इकोसिस्टम विकसित करने के लिए प्रोत्साहित कर सकता है। चूँकि उद्यम और एमएसएमई समान रूप से तेजी से क्लाउड में आगे बढ़ रहे हैं, भारत में क्लाउड सेवा बाजार में आने वाले समय में महत्वपूर्ण वृद्धि देखी जा सकती है। इसके अलावा, ओपन–सोर्स आर्किटेक्चर प्रौद्योगिकी क्रांति का केंद्र बन रहा है, जो नवाचार को और बढ़ावा दे सकती है और सभी क्षेत्रों में प्रौद्योगिकी को अपनाने को और प्रोत्साहित कर सकती है।

महामारी के बाद, भारतीय आईटी कंपनियां क्लाउड इन्फ्रास्ट्रक्चर को मजबूत करने पर विचार कर रही हैं, ताकि व्यापार निरंतरता और नए कार्यक्रमों की तेजी से शुरुआत सुनिश्चित हो। सभी सेवा उद्योगों में वर्क फ्रॉम होम एक आम बात हो गयी है। एक रिपोर्ट बताती है कि डिजिटल रूप से कुशल आईटी कार्यबल में तीन साल पहले 8% की तुलना में वर्तमान परिदृश्य में 26% की वृद्धि देखी गई है। अब जबकि डिजिटलीकरण अभियान वैश्विक उद्यमों के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण हो गया है, क्लाउड कंप्यूटिंग और डेटा एनालिटिक्स को बड़े पैमाने पर अपनाया जा सकता है।

भारत नें फिनटेक क्षेत्र में एक बदलाव की शुरुआत की है। वर्ष 2020 के दौरान फिनटेक कंपनियों की संख्या में भारी वृद्धि यह दर्शाती है कि कैसे सभी क्षेत्रों में फिनटेक को एक समान रूप से अपनाना भारत में एक आम बात हो गयी है। भारतीय फिनटेक स्टार्टअप भी महत्वपूर्ण तरीके से वेंचर कैपिटल और प्राइवेट इक्विटी फर्मों को आकर्षित करने में एक नया मानक स्थापित कर रहे हैं। भारत में 2020 में फिनटेक में $ 2.7 बिलियन का निवेश हुआ है।

भारतीय आईटी–बीपीएम उद्योग ने वित्त वर्ष 2019–20 के 190 बिलियन डॉलर की तुलना में वित्त वर्ष 2020–21 में 194 बिलियन डॉलर राजस्व के साथ 2.3% की वृद्धि दर्ज की है । इस उद्योग का निर्यात वित्त वर्ष 2019–20 के 147 बिलियन डॉलर से बढ़ कर वित्त वर्ष 2020–21 में 150 बिलियन डॉलर हो गया है, जबकि इसी अवधि में घरेलू राजस्व (हार्डवेयर सहित) बढ़ कर 45 बिलियन डॉलर हो गया है । आईटी सेवा निर्यात 2019–20 के 79 बिलियन डॉलर की तुलना में बढ़ कर 2020–21 में 81 बिलियन डॉलर हो गया है और इसने 2.53% की वृद्धि दर्ज की है । आईटीईएस/बीपीएम निर्यात वर्ष 2019–20 के 33 बिलियन डॉलर की तुलना में वर्ष 2020–21 में बढ़ कर 34 बिलियन डॉलर हो गया है और इसने प्रति वर्ष 3.03% की वृद्धि दर्ज की है। इंजीनियरिंग, अनुसंधान एवं विकास (ईआर&डी) में –0.32% की गिरावट दर्ज हुई है जो वर्ष 2019–20 के 31.2 बिलियन डॉलर की तुलना में 2020–21 में गिर कर 31.1 बिलियन डॉलर हो गया है।

वर्ष 2020–21 में, आईटी सॉफ्टवेयर और सेवाओं ने लगभग 1,38,000 नौकरियों का सृजन किया है, जिससे प्रत्यक्ष रोजगार की संख्या 4.47 मिलियन व अप्रत्यक्ष रोजगार की संख्या लगभग 10 मिलियन हो गयी है। यह अनुमान है कि आईटी–बीपीएम क्षेत्र का बाज़ार 2025 तक बढ़ कर 350 बिलियन डॉलर हो जायेगा और कुल राजस्व में बीपीएम का हिस्सा 50–55 बिलियन डॉलर होगा । कुल भारतीय सेवा निर्यात में आईटी–बीपीएम क्षेत्र का योगदान 52% है । आईटी–बीपीएम क्षेत्र (हार्डवेयर सहित) का सकल घरेलू उत्पाद में योगदान वर्ष 1998–99 के 1.2% की तुलना में 2020–21 में बढ़ कर लगभग 8% हो गया है।

अमेरिका ने अपनी सबसे बड़ी बाजार हिस्सेदारी 62% पर बरकरार रखते हुये, आईटी–बीपीएम निर्यात वृद्धि को जारी रखा है, इसके बाद यूके का 17%, यूरोप महाद्वीप का 11%, एशिया–प्रशांत क्षेत्र का 8% और शेष विश्व का हिस्सा 2% है। कुल निर्यात में शीर्ष पांच वर्टिकल्स का हिस्सा 90% से अधिक है, जिसमे बीएफएसआई का योगदान 41%, हाई–टेक/टेलकॉम का 18%, विनिर्माण का 16%, खुदरा का 10% और स्वास्थ्य देखभाल का योगदान 5% है।

एसटीपीआई पंजीकृत आईटी/आईटीईएस इकाइयों के निर्यात में 9.20 % की वृद्धि दर्ज की गयी है और यह वित्त वर्ष 2019–20 के 4,68,276 करोड़ रुपये से बढ़ कर वित्त वर्ष 2020–21 में 5,08,820 करोड़ रुपये हो गया है।

टेक स्टार्टअप के मोर्चे पर भी भारत का प्रदर्शन उल्लेखनीय है। देश में लगभग 1600 स्टार्टअप्स जुड़े हैं, जिससे इनकी संख्या बढ़कर 12500 से अधिक हो गयी है। देश में लगभग 12 यूनिकॉर्न बने हैं, जिससे भारत में वित्त वर्ष 2020–21 में 38 यूनिकॉर्न हो गए हैं ।

जिस प्रकार कोविड–19 महामारी ने वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला और विश्व अर्थव्यवस्था को बाधित किया है, सभी संबंधित हितधारकों के लिए यह महत्वपूर्ण है कि वे स्वदेशी तौर पर विश्व स्तरीय सॉफ्टवेयर उत्पादों और प्लेटफार्मों के निर्माण के लिए नवाचार प्रक्रियाओं में क्रांतिकारी बदलाव लाएं, जो डेटा संप्रभुता और गोपनीयता की रक्षा करने में मदद करेगा। निरंतर बढती वैश्विक प्रतिस्पर्धी परिदृश्य में भारत खुद को एक सॉफ्टवेयर उत्पाद राष्ट्र में बदल सकता है और आत्मनिर्भरता के लक्ष्यों को प्राप्त कर सकता है। कोविड–19 महामारी के दौरान भारतीय आईटी क्षेत्र का लचीलापन, उद्योग व इसके व्यवसायों को विश्व के लिये एक डिजिटल भविष्य की तैयारी हेतु एक व्यापक रूपरेखा को रेखांकित करता है।

सॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजी पार्क्स ऑफ़ इंडिया (एसटीपीआई)—एक अवलोकन

सॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजी पार्क्स ऑफ इंडिया (एसटीपीआई) की स्थापना और पंजीकरण, संस्था पंजीकरण अधिनियम, 1860 के अधीन एक स्वायत्त संस्था के रूप में तत्कालीन इलेक्ट्रॉनिकी विभाग (अब इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय) भारत सरकार के अंतर्गत 5 जून, 1991, को की गई थी, जिसका उद्देश्य सॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजी पार्क्स (एसटीपी) तथा इलेक्ट्रॉनिक्स हार्डवेयर टेक्नोलॉजी पार्क्स (ईएचटीपी) योजनाओं के कार्यान्वयन, आधारभूत सुविधाओं की स्थापना और उनका प्रबंधन तथा प्रौद्योगिकी मूल्यांकन एवं व्यावसायिक प्रशिक्षण जैसी अन्य सेवाएं उपलब्ध कराना है।

संस्था के उद्देश्य

सॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजी पार्क्स ऑफ इंडिया के उद्देश्य हैं:

क) सूचना प्रौद्योगिकी समर्थित सेवाएं/जैव—आईटी सहित सॉफ्टवेयर और सॉफ्टवेयर सेवाओं के विकास और निर्यात को बढ़ावा देना।

ख) एसटीपी/ईएचटीपी तथा ऐसी अन्य योजनाओं को, जोकि सरकार द्वारा समय—समय पर तैयार करके सौंपी जाती हैं, कार्यान्वित करके निर्यातकों को सांविधिक तथा अन्य संवर्धनात्मक सेवाएं उपलब्ध कराना।

ग) सूचना प्रौद्योगिकी/सूचना प्रौद्योगिकी समर्थित सेवाएं उद्योगों को मूल्य संवर्धित सेवाओं सहित डेटा संचार सुविधाएं उपलब्ध कराना।

घ) सूचना प्रौद्योगिकी/सूचना प्रौद्योगिकी समर्थित सेवाओं के क्षेत्र में उद्यमशीलता के लिये अनुकूल वातावरण सृजित करके छोटे, लघु व मझौले उद्यमियों को बढ़ावा देना।

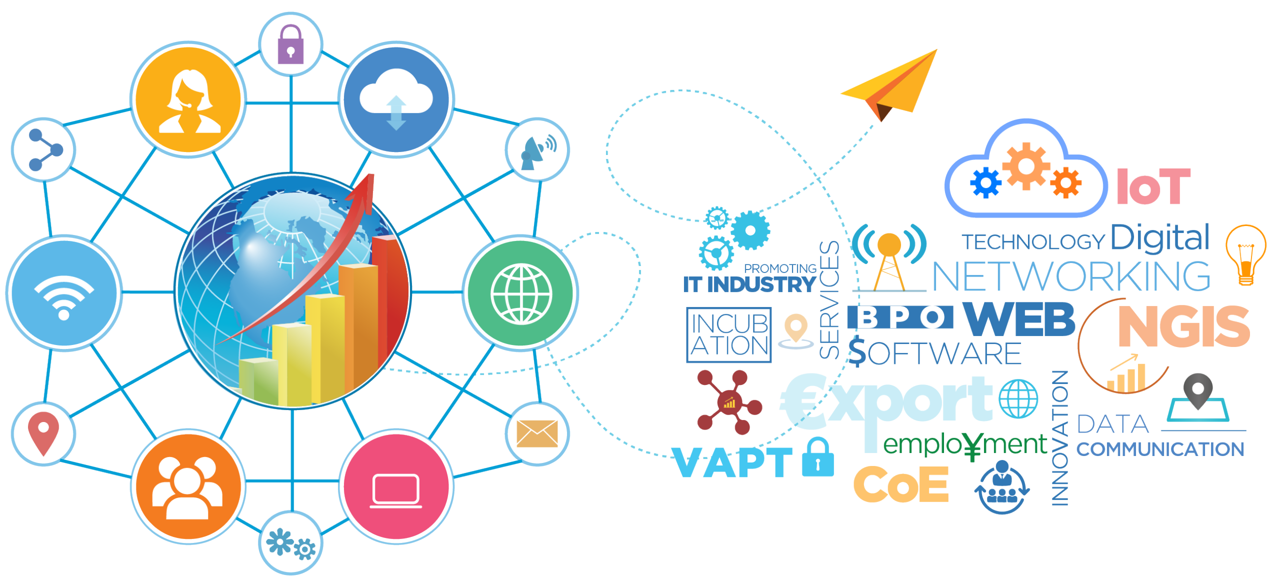

एसटीपीआई की पंजीकृत इकाइयों का प्रदर्शन

संस्था के उद्देश्यों को प्राप्त करने की दृष्टि से वित्त वर्ष 2020–21 के दौरान हासिल की गई मुख्य उपलब्धियां तथा निष्पादित कार्यों का विवरण नीचे दिया गया है:

सांविधिक सेवाओं का प्रावधान

एसटीपीआई प्रारंभ से ही निम्नलिखित योजनाओं के अंतर्गत पूरे देश में फैले विभिन्न एसटीपीआई केन्द्रों से सिंगल विन्डो क्लीयरेंस मैकेनिज्म द्वारा सांविधिक सेवाएं प्रदान कर रहा है:

(क) सॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजी पार्क (एसटीपी) योजना

(ख) इलेक्ट्रॉनिक्स हार्डवेयर टेक्नोलॉजी पार्क (ईएचटीपी) योजना

एसटीपीआई की पंजीकृत इकाइयों का विवरण

वित्त वर्ष 2020–21 के दौरान एसटीपी योजना में 70 नयी इकाइयां और केवल साफ्टेक्स अनुप्रमाणन सेवाऐं प्राप्त करने वाली 569 इकाइयां पंजीकृत की गयी। इस प्रकार, वित्त वर्ष 2020–21 में कुल 639 इकाइयां पंजीकृत की गई। पिछले 3 वर्षों के दौरान, एसटीपीआई के साथ पंजीकृत इकाइयों की कुल संख्या का ग्राफ नीचे दर्शाया गया है:

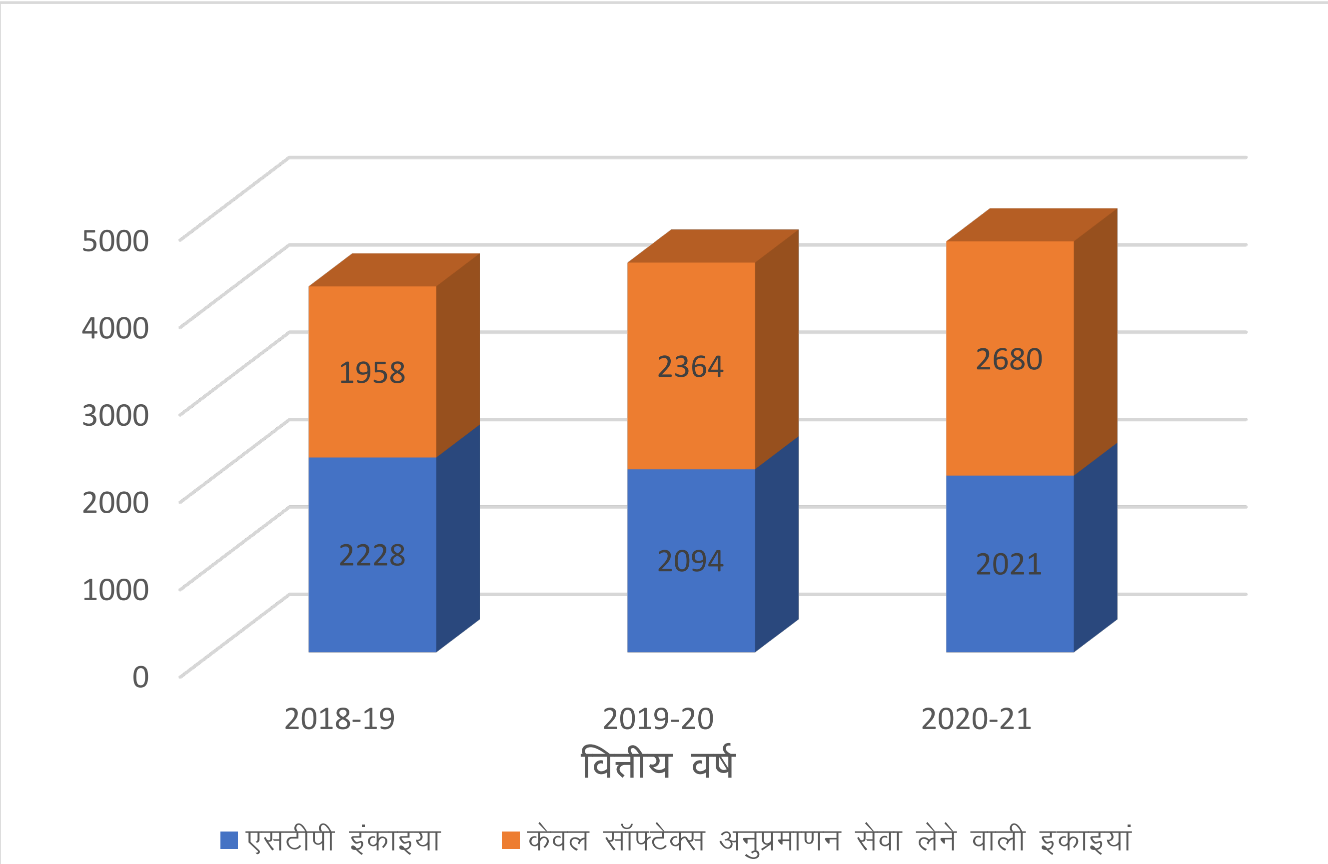

एसटीपीआई में पंजीकृत आईटी/आईटीईएस इकाइयों द्वारा निर्यात

एसटीपीआई पंजीकृत आईटी/आईटीईएस इकाइयों द्वारा वर्ष 2019–20 के ₹4,68,276 करोड़ की तुलना में वर्ष 2020–21 में निर्यात बढ़कर ₹ 5,08,820 करोड़ हो गया और यह वृद्धि 8.66 प्रतिशत है। वर्ष 2020–21 के दौरान किए गए निर्यात का विवरण निम्नानुसार है:

(क) एसटीपी योजना (एफटीडीआर अधिनियम 1992 के अंतर्गत) के अंतर्गत सेवाऐं प्राप्त करने वाली इकाइयों ने ₹4,20,933.17 करोड़ का निर्यात किया ।

(ख) केवल सॉफ्टेक्स अनुप्रमाणन सेवाऐं प्राप्त करने वाली इकाइयों ने ₹ 87,887.01 करोड़ का निर्यात किया ।

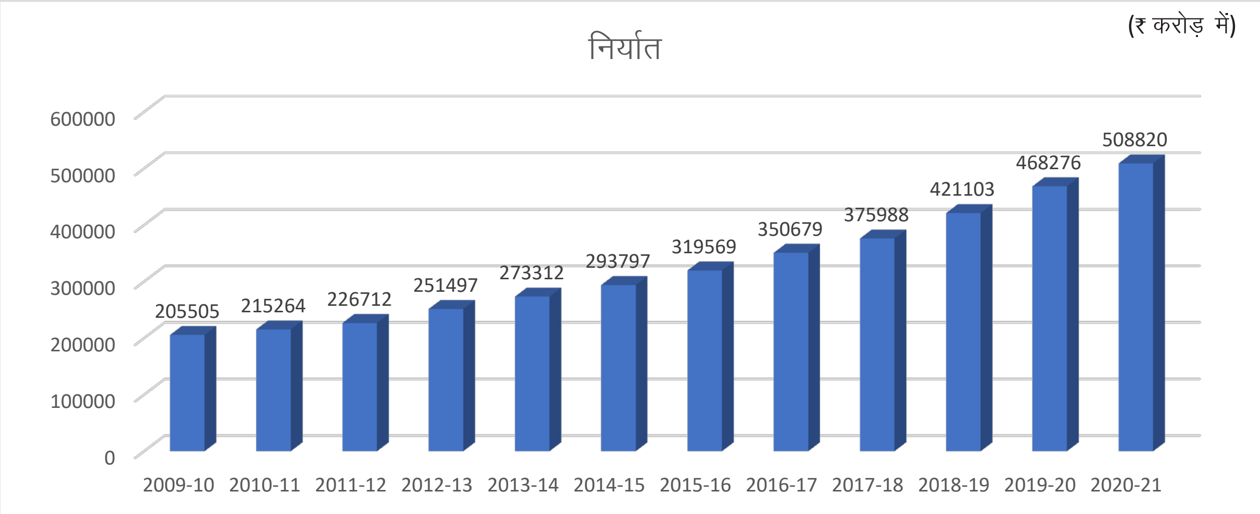

एसटीपीआई पंजीकृत इकाइयों द्वारा सॉफ्टवेयर निर्यात का राज्यवार ब्यौरा नीचे दी गई। तालिका के अनुसार है।

(₹ करोड़ में)

क्र.सं.	राज्य/केंद्र शासित प्रदेश का नाम	वित्त वर्ष 2020–21
1	आंध्र प्रदेश	883.02
2	असम	20.66
3	चंडीगढ़	771.41
4	छत्तीसगढ़	124.91
5	दिल्ली	2,130.00
6	गोवा	139.10
7	गुजरात	4,016.21
8	हरियाणा	24,140.46
9	हिमाचल प्रदेश	3.66
10	जम्मू और कश्मीर	6.81
11	झारखंड	29.57
12	कर्नाटक	2,12,085.00

13	केरल	3,825.74
14	मध्य प्रदेश	886.49
15	महाराष्ट्र	1,01,581.40
16	मेघालय	23.25
17	ओडिसा	2,401.32
18	पुदुचेरी	294.73
19	पंजाब	813.28
20	राजस्थान	1,498.50
21	सिक्किम	18.19
22	तमिलनाडु	48,353.19
23	तेलंगाना	71,574.19
24	उत्तर प्रदेश	25,642.29
25	उत्तराखंड	165.95
26	पश्चिम बंगाल	7,391.05
	कुल	**5,08,820.38**

ईएचटीपी इकाइयों द्वारा निर्यात

ईएचटीपी इकाइयों द्वारा किया गया निर्यात वर्ष 2019–20 के ₹ 7,257 करोड़ की तुलना में, वर्ष 2020–21 में घट कर ₹ 7,222 करोड़ हो गया है और यह कमी 0.48% है।

(₹ करोड़ में)

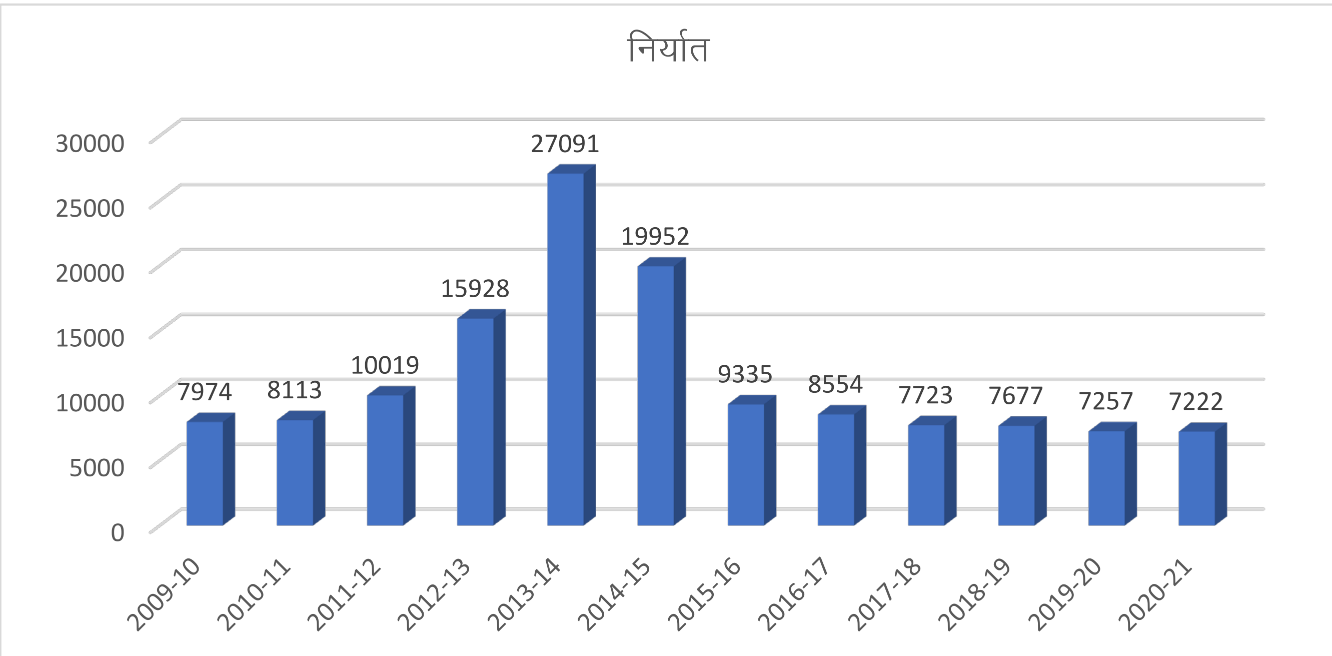

आईटी ग्रेड इंफ्रास्ट्रक्चर का प्रावधान

आईटी उद्योगों को सेवा प्रदान करने के लिए केन्द्रों/सुविधाओं की स्थापना और विस्तार

आईटी/आईटीईएस/ईएसडीएम उद्योग के संवर्धन और विकास के अपने मुख्य उद्देश्य को प्राप्त करने के प्रयास में एसटीपीआई के नये केन्द्रों की स्थापना की दिशा में प्रमुख जोर दिया गया और मौजूदा केन्द्रों में सुविधाओं का सुधार और विस्तार किया गया । नए केंद्र और सुविधाओं का उद्देश्य उद्योग को सांविधिक, इन्क्यूबेशन, डेटाकॉम और स्टार्टअप्स संवर्धन सेवाएं प्रदान करना है, ताकि सॉफ्टवेयर और सॉफ्टवेयर सेवाओं, के यथा संभव उच्चतम निर्यात के लक्ष्य को प्राप्त किया जा सकें। इस समय पूरे देश में एसटीपीआई के 60 केंद्र परिचालन में हैं, जिनमें से 52 टियर II और टियर III शहरों में हैं ।

वित्तीय वर्ष 2020–21 के दौरान एसटीपीआई की निम्नलिखित इन्फ्रास्ट्रक्चर सुविधाओं का परिचालन शुरू हो गया:

- एसटीपीआई–विजयवाडा में निर्मित 50,000 वर्ग फीट की अतिरिक्त इन्क्यूबेशन सुविधा का परिचालन किया गया।
- एसटीपीआई–रांची में निर्मित 22,000 वर्ग फीट की अतिरिक्त इन्क्यूबेशन सुविधा का परिचालन किया गया।

शिलान्यास:

- 27 नवम्बर 2020 को एसटीपीआई देहरादून में इन्क्यूबेशन सेंटर का शिलान्यास किया गया।

निम्न नये केन्द्रों में बुनियादी ढांचे की स्थापना कार्यान्वयन के विभिन्न चरणो में है :

1. कोचि
2. मेरठ
3. आगरा
4. गोरखपुर
5. ईटानगर
6. अमृतसर
7. बालासोर
8. धनबाद
9. जमशेदपुर
10. भागलपुर
11. दरभंगा
12. कोरापुट

डेटा संचार और अन्य मूल्य वर्धित सेवाएं

डेटा संचार सेवाओं का प्रावधान

एसटीपीआई का सॉफ्टवेयर निर्यात क्षेत्र में एक उल्लेखनीय योगदान उच्च गति की डेटा (एचएसडीसी) सेवाएं उपलब्ध कराना है। एसटीपीआई वर्ष 1993 से ही भारत में डेटा संचार सेवा प्रदाता के रूप में अग्रणी रहा है। एसटीपीआई को श्रेणी–क इन्टरनेट सेवा प्रदाता (आईएसपी) का लाइसेंस प्राप्त है।

एसटीपीआई गुणवत्ता के प्रति जागरूक भारतीय आईटी उद्योग, शिक्षा संस्थाओ, सरकारी संगठनों आदि को एसटीपीआई द्वारा डिजाइन और विकसित किये गए सॉफ्टनेट, अत्याधुनिक एचएसडीसी नेटवर्क के माध्यम से सॉफ्टलिंक सेवाएं प्रदान करके डेटा संचार जरूरतों को पूरा करता है। यह सेवा सभी उद्योगों, शिक्षा संस्थाओ, सरकारी संगठनों आदि के लिए पूरे भारत में प्रतिस्पर्धात्मक मूल्य पर उपलब्ध है।

सॉफ्टलिंक

सॉफ्टलिंक एक ऐसी सेवा है जो साझेदारी और विश्वसनीयता के आधार पर इंटरनेट एक्सेस उपलब्ध करा रही है। उद्योगों की बढ़ती हुई माँग को पूरा करने की दृष्टि से बेहतर गुणवत्ता और प्रतिबद्धता के लिए यह सेवा शुरू की गयी थी। आज काफी संख्या में ग्राहकों द्वारा सॉफ्टलिंक सेवा का लाभ उठाया जा रहा है। एसटीपीआई वर्ष 2020–21 में, पूरे देश में लगभग 19,000 एमबीपीएस इंटरनेट बैंडविड्थ की सुविधा दे रहा है, जिनमें अधिकतर एसटीपीआई पंजीकृत इकाईयां हैं।

ऐक्सेस नेटवर्क/लास्ट मील कनेक्टिविटी

विश्वसनीय लास्ट मील कनेक्टिविटी उपलब्ध कराने की दृष्टि से, एसटीपीआई ने पॉइंट–टू–पॉइंट और पॉइंट–टू–मल्टी पॉइंट वायरलेस नेटवर्क का प्रयोग करते हुए स्वयं का माइक्रोवेव नेटवर्क स्थापित किया है, जिससे एसटीपी इकाइयों की मूल आवश्यकताएं पूरी होती हैं। माइक्रोवेव ईथरनेट रेडियो के इस्तेमाल से नेटवर्क और अधिक सुदृढ़ हुआ है तथा एसटीपीआई के कुल नियंत्रण में लास्ट मील की लंबी दूरी तक बड़ी बैंडविड्थ की डिलीवरी कर सका है। जहाँ कहीं भी संभव है वहाँ स्थलीय केबल (फाइबर/कॉपर) भी इस्तेमाल किये जाते हैं। माइक्रोवेव/फाइबर लास्ट मील कनेक्टिविटी के माध्यम से एसटीपीआई लगभग 99.9 प्रतिशत का उच्च अप–टाईम कायम रखने में सक्षम हुआ है।

ये संचार सुविधाएं अपतटीय सॉफ्टवेयर कार्यकलापों के विकास में महत्वपूर्ण योगदान देती हैं और कई आईटी/आईटीईएस उद्यमों की सफलता के लिए आधार के रूप में कार्य करती हैं।

वल्नरेबिलिटी अस्सेस्मेंट एंड पेनेट्रेशन टेस्टिंग (वीएपीटी):

भारत सरकार की एजेंसी होने के नाते, एसटीपीआई का एक प्रमुख उद्देश्य उद्योग को सक्षम बनाने में सहायता प्रदान करना है, ताकि वे अपने व्यवसाय को अधिक सुरक्षित तरीके से संचालित कर सकें, मूल्यवान डेटा की गोपनीयता, वफादारी और उपलब्धता बनाए रखें और विभिन्न सूचनाओं, खतरे और हमले के कारण हुई व्यावसायिक हानि को कम कर सकें। इस उद्देश्य से एसटीपीआई ने विभिन्न सरकारों और अन्य संगठनों की सूचना सुरक्षा, लेखा परीक्षा जरूरतों को पूरा करने के उद्देश्य से वीएपीटी सेवाएं प्रारंभ की है। इसे आगे बढ़ाने के लिए, एसटीपीआई को वीएपीटी सेवाओं के लिए सर्ट–इन में सूचना सुरक्षा लेखा परीक्षक (आईएसए) के रूप में पैनलबद्ध भी किया गया है ।

डेटा केंद्र सेवाएं

ऑनलाइन सेवाओं के लिए नागरिकों की बढ़ती अपेक्षाओं और सरकारी और निजी और साथ ही कॉर्पोरेट ग्राहकों द्वारा शुरू की जा रही स्वचालन परियोजनाओं की संख्या के साथ, डेटा सेंटर की आवश्यकताएं तेजी से बढ़ रही हैं। उद्योग की जरूरत को पूरा करने के लिए, एसटीपीआई उच्च उपलब्धता, त्वरित मापनीयता, कुशल प्रबंधन और संसाधनों के इष्टतम उपयोग की सुविधा के लिए महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचे का निर्माण कर रहा है।

एसटीपीआई ने चेन्नई, बेंगलुरु, मोहाली, भुवनेश्वर और विजयवाड़ा में लगभग कुल 50,000 वर्ग फुट के क्षेत्रफल और 550 की रैक क्षमता के साथ पांच अत्याधुनिक टियर III अनुपालन डेटा केंद्र स्थापित किये हैं। ये डेटा केंद्र सरकारी संगठनों/संस्थानों/उद्योगों और ऐसी अन्य एजेंसियों की आवश्यकता को पूरा कर रहे हैं। एसटीपीआई डेटा केंद्र का विवरण इस प्रकार हैं:

1. चेन्नई डेटा केंद्र:

एमटीएनएल–एसटीपीआई आईटी सर्विसेज लिमिटेड, जोकि एमटीएनएल और एसटीपीआई की एक संयुक्त उद्यम कंपनी है, ने चेन्नई में 3500 वर्ग फुट के टियर III डेटा केन्द्र तथा उसके सहायक कार्यालय (5,000 वर्ग फुट से अधिक) वाले एक अत्याधुनिक विश्वस्तरीय डेटा केन्द्र की स्थापना की है।

2. मोहाली डेटा केंद्र:

यह डेटा केंद्र चंडीगढ़ के ट्राईसिटी में स्थित है, जो चंडीगढ़ के अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे से 8 किमी दूर स्थित है। एसटीपीआई–मोहाली डेटा केंद्र 6500 वर्ग फुट के समर्पित सर्वर फार्म क्षेत्र के साथ लगभग 15,000 वर्ग फुट माप वाले भवन की पहली मंजिल पर स्थित है।

3. बेंगलुरु डेटा केंद्र:

यह डेटा केन्द्र 7,000 वर्ग फुट के सर्वर फार्म क्षेत्र के साथ लगभग 15,000 वर्ग फुट का है। यह सुविधा सरकार, उद्योग और शिक्षा संस्थानों को सर्वर को–लोकेशन, क्लाउड सेवाएं और प्रबंधित आईटी सेवाएं प्रदान करती है और बेंगलुरु, इलेक्ट्रॉनिक सिटी में एसटीपीआई परिसर में स्थित है।

4. भुवनेश्वर डेटा केंद्र :

यह डेटा केन्द्र सरकार/उद्योग और अन्य एजेंसियों की जरूरतों को पूरा करने के लिए 2,500 वर्ग फुट के सर्वर फार्म क्षेत्र के साथ लगभग 7,500 वर्ग फुट में स्थित है।

5. विजयवाड़ा डेटा केंद्र:

यह डेटा केन्द्र अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से 22 किमी दूर आंध्र प्रदेश में स्थित है। यह डेटा केन्द्र लगभग 2,500 वर्ग फुट का है, जिसमें सर्वर फार्म क्षेत्र लगभग 700 वर्ग फुट है।

व्यवसाय और तकनीकी आवश्यकताओं के आधार पर, ग्राहक विभिन्न प्रकार की सेवाओं जैसे को–लोकेशन सेवाएं, प्रबंधित सेवाओं साथ ही क्लाउड और डीआर सेवाएं चुन सकते हैं, जो ग्राहकों की आवश्यकता पर आधारित हैं।

परियोजना प्रबंधन और परामर्श (पीएमसी) सेवाएं

पिछले कई वर्षों में, एसटीपीआई प्रौद्योगिकी सेवाओं ने विस्तार और सेवा दोनों पोर्टफोलियो में बहुत विकास किया है। आज, एसटीपीआई के पोर्टफोलियो में संचार एवं आईटी, परियोजना प्रबंधन और परामर्श सेवाऐं और आईटी सुरक्षा लेखा परीक्षा सेवाएं शामिल हैं और यह सरकारी विभागों, आईटी उद्योग, शिक्षा जगत के साथ–साथ विदेशी सरकारी संगठनों सहित ग्राहकों की सेवा में कार्यरत है।

एसटीपीआई अपने गहन डोमेन ज्ञान, तकनीकी क्षमता तथा प्रक्रिया ज्ञान के जरिए अपने उपभोक्ताओं की आवश्यकता को पूरा करने के लिए तदनुकूल समाधान हेतु बेहतर नीति बनाने में सक्षम हुआ है। इन समाधानों के परिणामस्वरूप संस्थागत संसाधनों का उचित उपयोग हुआ है और अपेक्षाऐं पूरी हुई हैं। दशकों से एसटीपीआई ने परियोजना प्रबंधन और परामर्श सेवाएं प्रदान करके कई सरकारी संगठनों की सहायता की है।

कर्नाटक वन विभाग (केएफडी), कर्नाटक सरकार के लिए आईटी अवसंरचना उन्नयन हेतु पीएमसी सेवाएं

कर्नाटक वन विभाग (केएफडी), कर्नाटक सरकार बेंगलुरु स्थित अरण्य भवन कार्यालय के मौजूदा आईटी बुनियादी ढांचे का उन्नयन करना चाहता है। इस संबंध में केएफडी ने आईटी अवसंरचना की खरीद और परिचालन और रखरखाव के लिए तकनीकी सहायता प्रदान करने हेतु बेंगलुरु स्थित अरण्य भवन कार्यालय में मौजूदा आईटी बुनियादी ढांचे का उन्नयन करने के लिए एसटीपीआई को परियोजना प्रबंधन सलाहकार नियुक्त किया है।

परियोजना स्कोप:

- मौजूदा नेटवर्क आर्किटेक्चर की वर्तमान स्थिति का अध्ययन, ईपीएबीएक्स, ऑडियो–विजुअल सौल्यूशन, सर्वर रूम कंसोलिडेशन, सीसीटीवी, मौजूदा बैंडविड्थ, यूपीएस का आकलन आदि।
- लैन और वैन को डिजाइन करना, जिसमें वायरलेस सुविधाओं के साथ लैन और वैन, मापनीयता, अतिरेक, नेटवर्क की सुरक्षा और आईटी अवसंरचना के अनुकूलन और बेहतर रखरखाव के लिए नेटवर्क/सर्वर कक्ष का निर्माण शामिल है ।
- निष्क्रिय और सक्रिय नेटवर्क कॉम्पोनेन्ट की खरीद के लिए विनिर्देशो के साथ विस्तृत सामग्री बिल (बीओएम) तैयार करना।
- सिस्टम इंटीग्रेटर के चयन के लिए सामग्री के बिल के विस्तृत विनिर्देश (बीओएम) के साथ आरएफपी (निविदा दस्तावेज) तैयार करना ।
- सिस्टम इंटीग्रेटर के चयन के लिए बोलियों के मूल्यांकन के दौरान सहायता ।
- सिस्टम इंटीग्रेटर द्वारा नेटवर्किंग इन्फ्रास्ट्रक्चर के कार्यान्वयन की निगरानी ।
- नेटवर्क कार्यान्वयन का सत्यापन और साइन ऑफ।
- रिपोर्ट प्रस्तुत करना और प्रमाणन।

आईटी उपकरणों की खरीद हो चुकी है और अधिष्ठापन कार्य प्रगति पर है।

खजाने–II परियोजना के लिए परामर्श सेवाएं

एसटीपीआई ने खजाने–II डेटा सेंटर, डीआर/बीसीपी स्थापित करने के लिए परामर्श सेवाएं प्रदान की हैं और खजाने–II परियोजना के संचालन में मदद की है।

परियोजना स्कोप:

- खाजाने–II के डीसी, डीआर और आईसीटी अवसंरचना की जरूरतों को अंतिम रूप देने में सहायता ।
- ट्रेजरी कार्यालय के लिए अनेक आईटी/नॉन–आईटी अवसंरचना की खरीद के लिए निविदा प्रक्रिया में सहायता।
- पूरे 218 ट्रेजरी कार्यालयों में लैन स्थापित करने के दौरान और डेटा सेंटर में नॉन–आईटी अवसंरचना स्थापित करने में सिस्टम इंटेग्रेटर के साथ समन्वय।
- मासिक आधार पर परियोजना स्थिति रिपोर्ट प्रस्तुत करना ।

ट्रेजरी कार्यालयों के लिए विभिन्न आईटी और गैर–आईटी इन्फ्रास्ट्रक्चर खरीद की प्रक्रिया में है।

कर्नाटक म्युनिसिपल डेटा सोसाइटी (केएमडीएस) (विगत में एमआरसी के नाम से ज्ञात) डेटा सेंटर हेतु डेटा सेंटर अवसंरचना सेवाएं

एसटीपीआई म्युनिसिपल डेटा सेंटर के लिए परिचालन और रख रखाव सेवाएं प्रदान कर रहा है, जिसमे केएमडीएस डेटा सेंटर की शुरुआत से ही नागरिक केन्द्रित एप्लीकेशन के लिए सर्वर और सिस्टम एड्मिनिसट्रेशन, नेटवर्क एड्मिनिसट्रेशन, डीबीए, आदि शामिल है। केएमडीएस को स्टोरेज एरिया नेटवर्क और इंटरनेट जैसी सम्बद्ध सेवाएं भी दी जा रही हैं। इसके साथ म्युनिसिपल प्रशासन निदेशालय (डीएमए) सफलतापूर्वक सभी नागरिक केन्द्रित एप्लीकेशन प्रदान कर रहा है। एसटीपीआई ने सफलतापूर्वक सेवाएं प्रदान की है और सिस्टम, डेटाबेस और नेटवर्क का 99.9 प्रतिशत अपटाइम बनाए रखने में सफल रहा है।

परियोजना स्कोप:

केएमडीएस डेटा सेंटर के लिए निम्नलिखित सुविधा प्रबंधन (संचालन और रखरखाव) सेवाएं शामिल हैं:

- सिस्टम प्रशासन
- नेटवर्क प्रशासन
- डेटाबेस प्रशासन
- आईटी प्रबंधन समर्थन सेवाएं

एसटीपीआई परिचालानात्मक और प्रबंधन सेवाएं प्रदान कर रहा है।

इंटिग्रेटेड सिटी ऑपरेशन प्लेटफार्म (आईसीओपी) सहित स्मार्ट सिटी एप्लीकेशन प्रदान करने के लिए केंद्रीकृत डेटा सेंटर स्थापित करने हेतु परियोजना प्रबंधन और परामर्श सेवाएं

कर्नाटक में कर्नाटक अर्बन इन्फ्रास्ट्रक्चर डेव्लपमेंट एंड फाइनेंस कारपोरेशन लिमिटेड (केयूआईडीएफसी), शहरी विकास विभाग, कर्नाटक सरकार ने नगर प्रशासन निदेशालय (डीएमए) के माध्यम से एसटीपीआई को इंटिग्रेटेड सिटी ऑपरेशन प्लेटफार्म (आईसीओपी) सहित स्मार्ट सिटी एप्लीकेशन्स की मेजबानी के लिए केंद्रीकृत डेटा केंद्र स्थापित करने के लिए परियोजना प्रबंधन सलाहकार नियुक्त किया है।

परियोजना स्कोपः

एसटीपीआई की सेवा के व्यापक दायरे में डेटा सेंटर का डिजाइन तैयार करना, आईसीटी इंफ्रास्ट्रक्चर (आईटी और गैर आईटी) का डिज़ाइन तैयार करना, डीपीआर तैयार करना, उपयुक्त सिस्टम ईंटेग्रेटर के चयन के लिए आरएफपी कागजात तैयार करना, कार्यान्वयन के दौरान परियोजना की निगरानी आदि शामिल हैं ।

एसटीपीआई ने बोली मूल्यांकन और मास्टर सिस्टम इंटीग्रेटर के चयन के दौरान केएमडीएस की सहायता की है।

वर्तमान में डेटा सेंटर कार्यान्वयन कार्य प्रगति पर है और एसटीपीआई परियोजना निगरानी सेवा प्रदान कर रहा है ।

स्टोरेज एरिया नेटवर्क/कर्नाटक नगर पालिका डेटा सोसायटी (केएमडीएस) को रिमोट बैकअप सेवा

एसटीपीआई 2007 से कर्नाटक म्यूनिसिपल डेटा सोसाइटी (केएमडीएस) को स्टोरेज एरिया नेटवर्क/रिमोट बैकअप सेवा प्रदान कर रहा है, जिसमें केएमडीएस डेटा सेंटर में अनुरोध किये गए सर्वर के डेटा को 150 एमबीपीएस लोकल लूप के माध्यम से केएमडीएस से एसटीपीआई–बेंगलुरु के स्टोरेज एरिया नेटवर्क में बैकअप किया जाता है, ताकि आपदा के दौरान कर्नाटक सरकार के संपूर्ण एप्लीकेशन्स के डेटा हानि को रोकने के लिए स्वचालित बैकअप समाधान द्वारा डेटा सुरक्षा सुनिश्चित हो ।

परियोजना को पिछली बार एक वर्ष के लिए 1 अप्रैल 2020 को नवीनीकृत किया गया था।

कर्नाटक सरकार के सेंटर फॉर ई–गवर्नेंस के लिए परामर्श और परियोजना निगरानी सेवा

ई–गवर्नेंस सेंटर, कर्नाटक सरकार ने ई–गवर्नेंस, कर्नाटक सरकार की विभिन्न आईसीटी परियोजनाओं के लिए परामर्श और परियोजना निगरानी सेवाएं प्रदान करने के लिए एसटीपीआई को नियुक्त किया है। आवश्यकता अनुसार परामर्श प्रदान करने के लिए एसटीपीआई द्वारा पूर्णकालिक आधार पर एक परियोजना प्रबंधन विशेषज्ञ को तैनात किया गया है।

परियोजना नवंबर 2017 में शुरू की गई थी, जिसे वार्षिक आधार पर नवीनीकृत किया जा रहा है।

खान जाँच गेट्स हेतु सीयूजी नेटवर्क की स्थापना

एसटीपीआई को खदान निदेशालय, उडीसा सरकार ने कोइरा खदान क्षेत्र, उडीसा में छ जांच गेटों और उपनिदेशक खदान कार्यालय के बीच सीयूजी नेटवर्क की स्थापना का काम सौंपा है।

एसटीपीआई परियोजना के परियोजना प्रबंधन और परामर्शदाता के रूप में कार्य कर रहा है और चयनित एजेंसियों के माध्यम से निम्नलिखित समाधान/सेवाएं प्रदान कर रहा हैः–

- डीडीएम कोईरा कार्यालय और 6 चेक गेट्स को जोड़ने के लिए एक मजबूत और सुरक्षित नेटवर्क बुनियादी ढांचे का निर्माण ।
- ऑनलाइन जांच और अपडेट के लिए चेक गेट स्तर पर आधुनिक आईटी संरचना की स्थापना ।
- वास्तविक समय निगरानी बनाए रखने के लिए निगरानी सुविधा का निर्माण ।
- प्रबंधन और समाधान की निगरानी के लिए विशेषज्ञ कर्मियों के साथ पीएमयू प्रबंध।

यह परियोजना छह वर्षो के रखरखाव के साथ 31 मार्च, 2015 को शुरू की गई थी। एसटीपीआई उपरोक्त अवधि के दौरान परियोजना के परिचालन और रख–रखाव के लिए उत्तरदायी है।

क्योंझर और जाजपुर रोड खान सर्किल हेतु सीयूजी नेटवर्क की स्थापना

एसटीपीआई को खदान निदेशालय, उडीसा सरकार ने क्योंझर और जाजपुर रोड खान सर्किल, उडीसा में बारह जांच गेटों और उपनिदेशक खदान कार्यालय के बीच सीयूजी नेटवर्क की स्थापना का काम दिया है जिसके उद्देश्य निम्नलिखित हैंः

- क्योंझर के चेक गेट और खनन कार्यालय को जोड़ने और जाजपुर रोड माइनिंग सर्कल के पारादीप में डीडीएम कार्यालय और सहायक खनन अधिकारी (एएमओ) के कार्यालय में 3 चेक गेट को जोड़ने के लिए एक मजबूत और सुरक्षित नेटवर्क बुनियादी ढांचे का निर्माण।

- ऑनलाइन जांच और खनिज परिवहन को अद्यतन करने के लिए चेक गेट स्तर पर आधुनिक आईटी अवसंरचना का निर्माण।
- वास्तविक समय निगरानी बनाए रखने के लिए निगरानी सुविधा का निर्माण करना।
- प्रबंधन और समाधान की निगरानी के लिए विशेषज्ञ कर्मी दल की तैनाती ।
- वैकल्पिक व्यवस्था के रूप में इन्टरनेट कनेक्टिविटी प्रदान करना ।

यह परियोजना 5 वर्ष के रखरखाव के साथ 31 दिसम्बर, 2018 को शुरू की गई थी ।

पर्यटन विभाग, उड़ीसा सरकार की ऑनलाइन बुकिंग प्रणाली के वेब आधारित आवेदन के लिए आईटी सेवाएं

एसटीपीआई को ओडिशा पर्यटन, ओडिशा सरकार द्वारा पर्यटन विभाग, ओडिशा सरकार की पर्यटन और आतिथ्य सेवाओं की बुकिंग प्रणाली के लिए वेब–आधारित एप्लीकेशन के संवर्धन, संचालन और प्रबंधन की स्थापना के लिए निम्नलिखित कार्य सौंपा गया है :

- प्रचालन की तारीख से एक वर्ष के लिए समर्थन और रखरखाव के साथ वेब पोर्टल का डिजाइन और विकास।
- जीआईजीडब्लू अनुपालन, सुरक्षा ऑडिट, लोड परीक्षण और बग परीक्षण, साइबर सुरक्षा ऑडिट और प्रमाणन के साथ अनुपालन।
- स्थापना, प्रचालन और डॉक्यूमेंटेशन आदि।
- स्थापना के बाद 3 साल की अवधि के लिए इसका रखरखाव।

यह परियोजना स्थापना के साथ 3 साल के रखरखाव के लिए 12 मार्च 2021 को शुरू की गई थी।

खान निदेशालय, उड़ीसा सरकार की परियोजना के लिए i3एमएस सिस्टम इंटीग्रेशन सर्विस

एसटीपीआई को खान निदेशालय, ओडिशा सरकार द्वारा i3एमएस प्रोजेक्ट की आपूर्ति, स्थापना, कमीशनिंग और डेटा एन्क्रिप्शन समाधान के रखरखाव के लिए ऑनसाइट संचालन कार्य सौंपा गया है, जिसमे निम्नलिखित कार्य के साथ तीन साल की व्यापक वारंटी शामिल है:

- सुरक्षा लाइसेंसों की खरीद, वितरण, सेटअप और कॉन्फिगरेशन।
- सुरक्षा के लिए सर्वर की खरीद, वितरण, सेटअप और कॉन्फिगरेशन ।
- i3एमएस सिस्टम में सुरक्षा का कार्यान्वयन।
- तकनीकी सहायता (क्रिप्टो विश्लेषक)।

यह परियोजना 3 साल के रखरखाव और समर्थन सेवाओं के साथ 12 मार्च 2021 को शुरू की गई थी।

अटल बिहारी वाजपेयी भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी और प्रबंधन संस्थान (एबीवी–आईआईआईटीएम), ग्वालियर के लिए ओ एंड एम सेवा

एबीवी–आईआईआईटीएम, ग्वालियर के परिसर में आईटी इंफ्रास्ट्रक्चर सेवाओं और इसके संचालन और इसके प्रयोक्ताओ को निर्बाध लैन सेवा प्रदान करने और इसके रखरखाव के लिए दिन–प्रतिदिन की गतिविधियों का प्रबंधन करने हेतु संस्थान ने एसटीपीआई को ओ एंड एम सेवा प्रदाता के रूप में नियुक्त किया है। संस्थान के परिसर में उपयुक्त तकनीकी योग्य (आउटसोर्स) कर्मचारी को तैनात करके संचालन और अनुरक्षण सेवाओं को निष्पादित किया जा रहा है।

परियोजना स्कोप:

- परिसर में एक उपयुक्त कर्मचारी तैनात करके एबीवी–आईआईआईटीएम, ग्वालियर में आईटी इन्फ्रास्ट्रक्चर और सेवाओं का संचालन और रखरखाव।
- मौजूदा वारंटी और वार्षिक रखरखाव अनुबंध विक्रेताओं के साथ समन्वय में दिन–प्रतिदिन संचालन और रखरखाव गतिविधियों को क्रियान्वित करना।

यह परियोजना एक वर्ष के लिए 1 मई 2020 को शुरू की गई थी।

राजस्थान राज्य औद्योगिक विकास और निवेश निगम लिमिटेड (रीको) की ईआरपी प्रणाली के लिए आईटी लेखा परीक्षा

राजस्थान राज्य औद्योगिक विकास और निवेश निगम लिमिटेड (रीको) ने निगम की विभिन्न व्यावसायिक गतिविधियों के लिए राजकॉम्प इंफो सर्विसेज लिमिटेड (आरआईएसएल) के माध्यम से ईआरपी विकसित किया है। एसटीपीआई को रीको के ईआरपी सिस्टम के लिए आईटी लेखा परीक्षा का काम सौंपा गया है।

परियोजना स्कोप:

- बीओएम/आदेशों/विनिर्देशों सॉफ्टवेयर लाइसेंस, वेब पोर्टल के अनुसार आईटी हार्डवेयर की लेखा परीक्षा और एसआरएस के अनुसार सभी मॉड्यूल के लिए आवेदन और वेब पोर्टल और एप्लीकेशन के लिए प्रक्रियाएं, सुरक्षा और भेद्यता, सॉफ्टवेयर एप्लीकेशन का सैंपल बेसिस फ्लो, यूजर एक्सेप्टेंस टेस्ट (यूएटी), एफएमएस के लिए प्रशिक्षण और एसएलए, रिमोट साईट टेस्टिंग/फील्ड साइट टेस्टिंग, डेटा डिजिटलीकरण और माइग्रेशन सिस्टम, सॉफ्टवेयर सलूशन की उपलब्धता, ऑनसाइट टीम और एफएमएस समर्थन, आदि।
- आरएफपी और एमओयू में दी गई अनुसूची के अनुसार देय परियोजना ।
- प्रोसेस री–इंजीनियरिंग के लिए सुझावों सहित ईआरपी के अनुसार व्यापार प्रक्रिया की मैपिंग ।

- ईआरपी सॉफ्टवेयर रखरखाव, संस्करण कंट्रोल, डिजास्टर रिकवरी प्रोसेस, ईआरपी में सत्यापन और नियंत्रण, सुरक्षा उपायों का मूल्यांकन, प्रशिक्षण के लिए आवेदन की प्रभावशीलता और इंटरफेस के कार्यान्वयन में प्रमुख चुनौतियों की समीक्षा।

परियोजना 22 जुलाई 2020 को शुरू की गई थी जो सफलता पूर्वक पूरी हो गई है।

गोवा में गोवा ब्रॉडबैंड नेटवर्क(जीबीबीएन) का तृतीय पक्ष ऑडिट (टीपीए)

गोवा ब्रॉडबैंड नेटवर्क (जीबीबीएन) पूरे गोवा राज्य में यथा आवश्यक वायरलेस कोनेक्टिविटी के साथ आप्टिक फाइबर केबल कनेक्टिविटी सहित ब्रॉडबैंड नेटवर्क इन्फ्रास्ट्रक्चर प्रदान कर रहा है। एसटीपीआई पूरे गोवा में जीबीबीएन नेटवर्क की निगरानी के लिए तृतीय पक्ष ऑडिटर (टीपीए) के रूप में कार्य कर रहा है। टीपीए एजेंसी के कार्य क्षेत्र में जीबीबीएन के कार्य क्षेत्र की निगरानी, सेवा शर्तों में परिभाषित अपेक्षित सेवा गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए नेटवर्क की आवधिक लेखा परीक्षा शामिल है। लेखा परीक्षा का मुख्य प्रयोजन एसएलए में परिभाषित अपेक्षित सेवा शर्तों में परियोजना के लक्ष्य को हासिल करना और सेवा स्तर में सुधार के लिए सिफारिश करना है। एसटीपीआई का पाँच वर्षों के लिए टीपीए के रूप में चयन किया गया है। समझौते पर 1 अप्रैल, 2016 को हस्ताक्षर किया गया था। एसटीपीआई त्रैमासिक गारंटीड राजस्व रिपोर्ट (क्यूजीआर) राज्य सरकार को नियमित रूप से देता आया है, जिसमे कार्यनिष्पादन लेखा–परीक्षा रिपोर्ट, एसएलए गणना और आंतरिक और सुरक्षा लेखा–परीक्षा रिपोर्ट शामिल हैं।

सर्ट– इन (CERT-In) दिल्ली के लिए पीएमसी सेवाएं

एसटीपीआई की सेवा सर्ट–इन द्वारा 7 वीं मंजिल, डीएमआरसी आईटी पार्क, शास्त्री पार्क, नई दिल्ली में रखरखाव और संचालन सहित पहली मंजिल पर डेटा सेंटर, स्मार्ट लैब्स और निगरानी सुविधा की स्थापना के लिए ली गयी है। यह डेटा सेंटर ओपन अनसिक्योर्ड पब्लिक डोमेन और संवेदनशील सरकारी वातावरण के बीच मध्यस्थ और अभिसरण बिंदु के रूप में कार्य करेगा। डेटा सेंटर में प्रमाणीकरण मैट्रिक्स के आधार पर अपने संबंधित सिस्टम तक पहुँचाने के लिए सर्ट–इन को प्रमाणित करने के लिये उच्च उपलब्धता, केंद्रीकृत प्रमाणीकरण प्रणाली होगी।

परियोजाना स्कोप :

- फाल्स सीलिंग, उठी हुई फर्श, नमी रोकने और खिड़कियों और अन्य सभी आवश्यक घटकों को सुदृढ़ करने सहित डेटा सेंटर के निर्माण के लिए आवश्यक सिविल, इलेक्ट्रिकल और मेकेनिकल कार्यों के सन्दर्भ में प्रस्तावित डाटा सेंटर, स्मार्ट लैब्स, ड्रिल रूम, ट्रेनिंग सेंटर, एनओसी और मॉनिटरिंग रूम की डिजाईन और साईट की तैयारी ।
- आवश्यक बुनियादी ढाँचे की आपूर्ति, स्थापना और गठन।
- बायोमीट्रिक आधारित अभिगम–नियंत्रण प्रणाली, सीसीटीवी/निगरानी प्रणाली जैसे मल्टी–लेयर भौतिक सुरक्षा, बुनियादी ढांचे की आपूर्ति, स्थापना और गठन।
- डेटा सेंटर में बुनियादी ढांचे को स्थापित करने में आपूर्ति किए गए सभी उपकरणों और उनके घटकों का एक–वर्षीय ऑनसाइट रखरखाव।
- योग्य इंजीनियरों/कर्मियों द्वारा एक वर्ष की अवधि के लिए 24×7×365 आधार पर डेटा सेंटर अवसंरचना संचालन के लिए ऑनसाइट सहायता।

यह परियोजना 1 अक्टूबर 2019 को शुरू की गई थी। 31 मार्च 2021 तक, डीएमआरसी आईटी पार्क की पहली मंजिल पर डेटा सेंटर, स्मार्ट लैब और निगरानी सुविधा की स्थापना के लिए परियोजना के चरण –1 का काम पूरा हो गया है। एसटीपीआई की संचालन और रखरखाव टीम ने सीईआरटी–इन को संचालन और रखरखाव सहायता शुरू कर दी है। परियोजना के चरण–2 का कार्य अर्थात 7वीं मंजिल कार्यालय क्षेत्र, लैब, प्रशिक्षण सुविधा आदि का कार्य प्रगति पर है।

केरल राज्य डेटा केंद्र गैर–कंप्यूटिंग अवसंरचना के विस्तार और सुधार के लिए केरल स्टेट आईटी मिशन (केएसआईटीएम) को पीएमसी सेवाएं ।

केएसआईटीएम मुख्य आईटी इन्फ्रास्ट्रक्चर, ई–गवर्नेंस एप्लीकेशन, सर्विस डिलीवरी प्लेटफार्म, क्षमता निर्माण, अभिनव परियोजनाएं, आईटी सुरक्षा पहल, आदि के लिए सूचना प्रौद्योगिकी विभाग, केरल सरकार की एक स्वायत्त नोडल आईटी कार्यान्वयन एजेंसी है, जो को–बैंक टावर्स में स्थित दो स्टेट डेटा सेंटर एसडीसी–1 और टेक्नोपार्क, तिरुवनंतपुरम में एसडीसी–2 का प्रबंधन करते हैं।

केएसआईटीएम ने 1 मार्च 2021 को एसटीपीआई को पीएमसी का कार्य सौंपा है, जोकि टेक्नोपार्क, तिरुवनंतपुरम में अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुसार स्टेट डेटा सेंटर –2 में अतिरिक्त सर्वर फार्म क्षेत्र के डिजाइन और कार्यान्वयन के लिए मौजूदा विद्युत बुनियादी ढांचे का उन्नयन करता है जिसमे एसडीसी–2 के विस्तार और एसडीसी–1 और 2 में मौजूदा बीएमएस को अपग्रेड किया जाना है। एसडीसी–2 में विस्तार के लिए लगभग 2750 वर्ग फुट क्षेत्र उपलब्ध है।

परियोजाना स्कोप :

- परियोजना व्यवहार्यता का मूल्यांकन और विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर) प्रस्तुत करना
- केएसआईटीएम को परियोजना आवश्यकताओं का मिलान करने और अंतिम रूप देने में सहायता प्रदान करना
- निविदा प्रक्रिया, बोली मूल्यांकन और सिस्टम इंटीग्रेटर की पहचान में सहायता करना
- परियोजना के कार्यान्वयन के दौरान सिस्टम इंटीग्रेटर के साथ समन्वय

- आवधिक परियोजना प्रगति की समीक्षा और केएसआईटीएम प्रबंधन को अद्यतन करना
- सिस्टम इंटीग्रेटर द्वारा किए गए यूएटी का सत्यापन और परियोजना को केएसआईटी को सौपना

ओडिशा स्टेट डेटा सेंटर (ओएसडीसी) और आपूर्ति और उपभोक्ता कल्याण विभाग, उड़ीशा सरकार के एसटीपीआई–एलीट डेटा केन्द्र में आईटी इन्फ्रास्ट्रक्चर

खाद्य आपूर्ति एवं उपभोक्ता कल्याण विभाग, ओडिशा सरकार ने एसटीपीआई–भुवनेश्वर को ओडिशा स्टेट डेटा सेंटर (ओएसडीसी) और एसटीपीआई–एलीट डेटा सेंटर में विभाग के लिए डेटा सेंटर के बुनियादी ढांचे के उन्नयन और व्यापार निरंतरता सेवाओं के प्रावधान का काम सौंपा है।

इस परियोजना को 6 साल के रखरखाव के साथ नवंबर 2019 में शुरू किया गया था।

श्रीराम चंद्र भांजा (एससीबी) मेडिकल कॉलेज और अस्पताल, भुवनेश्वर में कैंपस वाई–फाई परियोजना

एससीबी मेडिकल कॉलेज और अस्पताल ने एससीबी मेडिकल कॉलेज परिसर में कैंपस वाई–फाई परियोजना के तहत नेटवर्किंग उपकरणों के सुविधा प्रबंधन के साथ व्यापक रखरखाव का काम एसटीपीआई–भुवनेश्वर को सौंपा है।

इस परियोजना को 4 साल के रखरखाव के साथ नवंबर 2016 में शुरू किया गया था।

अनिवार्य पंजीकरण आदेश (सीआरओ) के अनुसार इलेक्ट्रॉनिक्स उत्पादों की निगरानी गतिविधि

देश की जरूरतों को पूरा करने और अंतरराष्ट्रीय बाजार की सेवा के लिए एक विश्व स्तर पर प्रतिस्पर्धी इलेक्ट्रॉनिक डिजाइन और निर्माण उद्योग बनाने की दृष्टि से, इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा 19 नवंबर, 2012 को राष्ट्रीय इलेक्ट्रॉनिक्स नीति (एनपीई) अधिसूचित किया गया था। नीति स्पष्ट रूप से पूरे देश में गुणवत्ता मूल्यांकन बुनियादी ढांचे को मजबूत करने के लिए इलेक्ट्रॉनिक उत्पादों और सेवाओं के मानकों और प्रमाणन को विकसित करने और अनिवार्य बनने के लिए एक संस्थागत तंत्र सृजत करने की आवश्यकता पर स्पष्ट रूप से बल देती है। नीति निम्नलिखित उद्देश्य के साथ प्रभावी होती है:

- भारतीय उपभोक्ताओ को विश्व स्तरीय उत्पाद का लाभ देना।
- वैश्विक प्रतिस्पर्धा लाने के लिए घरेलू उत्पादों की गुणवत्ता का उन्नयन।
- गैर–अनुपालन माल के डंपिंग को रोकने के लिए नीति विकसित करना।

नीति में दिए गए उद्देश्यों का पालन सुनिश्चित करने के लिए, इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय (एमईआईटीवाई) ने 3 अक्टूबर 2012 को अधिसूचित ''इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी माल (अनिवार्य पंजीकरण के लिए आवश्यकता) आदेश, 2012'' के तहत इलेक्ट्रॉनिक वस्तुओं की पचास श्रेणियों को उपभोक्ता मामले विभाग की अनिवार्य पंजीकरण योजना के तहत भारतीय सुरक्षा मानक के अनुपालन को अनिवार्य बनने का आदेश दिया।

अधिसूचित उत्पादों पर ध्यान देने के लिए उद्योग अनुकूल तरीके से पूरे भारत में निगरानी प्रक्रिया के लिए, एमईआईटीवाई ने एसटीपीआई को निगरानी गतिविधि का कार्य सौंपा है।

बीपीओ संवर्धन योजनाएँ—आईटी नौकरियों का सृजन

संतुलित क्षेत्रीय विकास और छोटे शहरों में आईटी उद्योग के विस्तार के लिए, इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय ने डिजिटल भारत पहल के तहत भारत बीपीओ संवर्धन योजना (आईबीपीएस) और पूर्वोत्तर बीपीओ संवर्धन योजना (एनईबीपीएस) आरम्भ की हैं। योजना के उद्देश्य छोटे शहरों में बीपीओ/आईटीईएस परिचालन स्थापित कर स्थानीय युवाओं के लिए रोजगार के अवसर और संबंधित क्षेत्रों के सर्वांगीण विकास के लिए निवेश आकर्षित करना हैं। एसटीपीआई दोनों योजनाओं के कार्यान्वयन के लिए नोडल एजेंसी है। उपरोक्त योजनाएं पात्र कंपनियों को वायबिलिटी गैप फंडिंग के रूप में प्रति सीट 1 लाख रूपए तक की वित्तीय सहायता प्रदान करती हैं।

एनईबीपीएस का लक्ष्य पूर्वोत्तर राज्यों में 5000 सीटों की स्थापना के लिए सहायता प्रदान करना है। योजना के अंतर्गत बीपीओ/आईटीईएस के संचालन के लिए 30 सफल बोलीदाताओं को 3511 सीटें आवंटित की गई हैं। एनईबीपीएस के तहत 13 बीपीओ/आईटीईएस इकाइयां परिचालन में हैं जिन्होंने 671 व्यक्तियों को रोजगार दिया है।

उत्तर–पूर्वी क्षेत्र (एनईआर) और मेट्रो शहरों को छोड़कर आईबीपीएस योजना के अंतर्गत, पूरे देश में 48300 सीटों के वितरण की योजना बनाई गई है। आईबीपीएस के तहत पूरे देश में बीपीओ/आईटीईएस ऑपरेशन की स्थापना के लिए 217 सफल बोलीदाताओं को 57697 सीटों का आवंटन किया गया है।

आईबीपीएस के तहत 233 बीपीओ/आईटीईएस इकाइयां या तो परिचालन में हैं या उन्होंने अपना कार्यकाल पूरा कर लिया है और इसमें 39392 व्यक्तियों को रोजगार दिया है।

योजनाओं के तहत बीपीओ/आईटीईएस इकाइयों को कुल 50.7 करोड़ रुपये की वायबिलिटी गैप फंडिंग (वीजीएफ) स्वीकृत/वितरित की गई है।

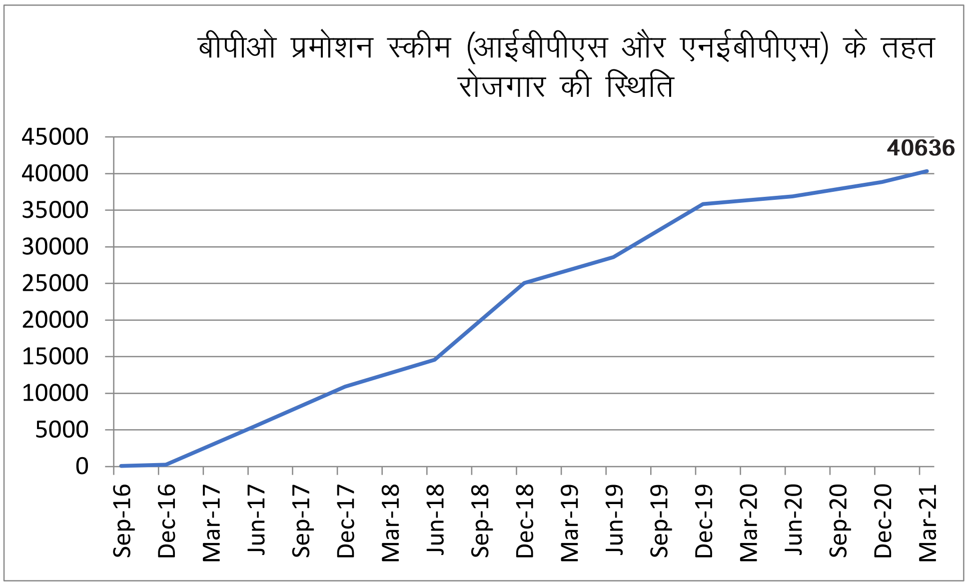

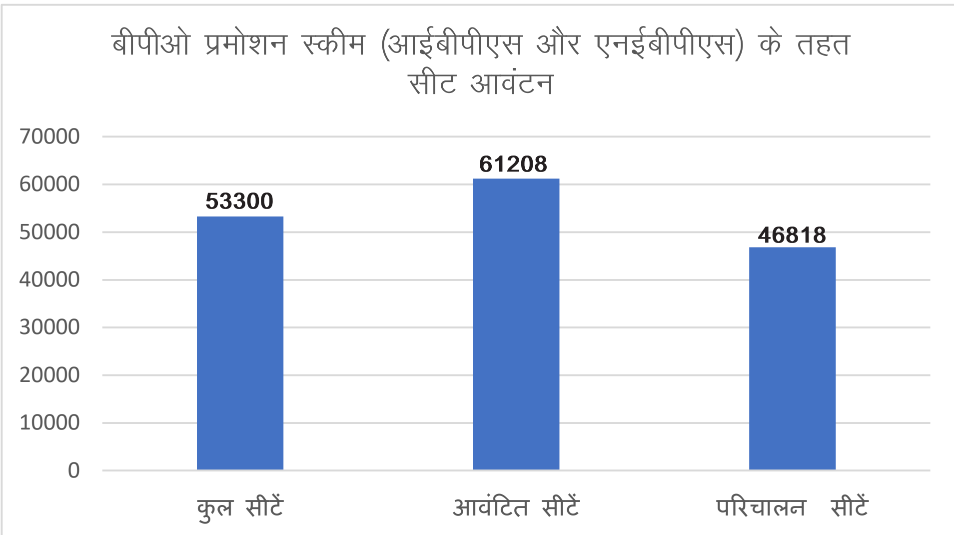

संशोधित इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण क्लस्टर योजना/ईएमसी 2.0

ईएमसी 2.0 योजना को 1 अप्रैल 2020 को 8 साल की कार्यान्वयन अवधि (अर्थात् मार्च 2028 तक) के साथ अधिसूचित किया गया था। योजना में 31 मार्च 2023 तक आवेदन किया जा सकता है। ईएमसी 2.0 योजना का उद्देश्य इलेक्ट्रॉनिक विनिर्माण आधार सुदृढ़ करने, अपनी सप्लाई चेन के साथ उत्पादन करने के लिए एंकर इकाइयों को आकर्षित करने, विश्व स्तरीय प्लग–एन–प्ले बुनियादी ढांचे का निर्माण करने और बुनियादी ढांचे और लॉजिस्टिक लागत को कम करने के लिए एक व्यापक सप्लाई चेन / इकोसिस्टम बनाना है ।

ईएमसी 2.0 के अंतर्गत पात्र वित्तीय सहायता निम्नलिखित है:

- **ईएमसी परियोजना:** प्रत्येक 100 एकड़ भूमि के लिए ₹ 70 करोड़ की सीमा के साथ परियोजना लगत का 50 % तक। एक ईएमसी परियोजना के लिए कुल वित्तीय सहायता की राशि ₹ 350 करोड़ से अधिक नहीं हो सकती है।
- **सामान्य सुविधा केंद्र (सीएफसी):** प्रति परियोजना ₹ 75 करोड़ की अधिकतम सीमा के साथ परियोजना लागत का 75% तक।

एसटीपीआई को ईएमसी 2.0 के सुचारू कार्यान्वयन का नेतृत्व करने के लिए एमईआईटीवाई द्वारा परियोजना प्रबंधन एजेंसी (पीएमए) के रूप में नियुक्त किया गया है।

31 मार्च 2021 के अनुसार ईएमसी 2.0 योजना:

राज्य	स्थान	परियोजना क्रियान्वयन एजेंसी (पीआईए)	क्षेत्र (एकड़ में)	विक्रय क्षेत्र (एकड़ में)	परियोजना लागत (₹ करोड़ में)	स्वीकृत वित्तीय मंत्रालय से सहायता (₹ करोड़ में)	स्थिति
आन्ध्र प्रदेश	कडपा, वाईएसआर	एपीआईआईसी	540	347.40	748.76	350.00	आवेदन अनुमोदित
हरियाणा	आईएमटी, सोहना	एचएसआईआईडीसी	500	246.41	662.08	--	आवेदन मुल्यांकन में

सेंटर ऑफ एन्टरप्रेन्योरशिप (सीओई)

माननीय इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री ने पूरे भारत में सहयोगत्मक प्रणाली तरीके से एसटीपीआई द्वारा "डोमेन केन्द्रित सीओई" स्थापित करने के संबंध में 13 फरवरी 2018 को एक घोषणा की है, ताकि यह सुनिश्चित हो कि भारत आईओटी, ब्लाकचेन, फिनटेक, आर्टिफीसियल इंटेलिजेंस और मशीन लर्निंग, ऑगमेंटेड और वर्चुअल रियलिटी, गेमिंग और एनीमेशन, मेडिकल इलेक्ट्रॉनिक्स और हेल्थ इन्फार्मेटिक्स, डेटा साइंस और एनालिटिक्स, साइबर सिक्यूरिटी, चिप डिजाइनिंग, ईएसडीएम आदि उभरते क्षेत्रों में नेतृत्व और उदीयमान उद्यमियो की एक नयी पौध का निर्माण करे।

एसटीपीआई इस अवधारणा को और आगे बढ़ाते हुए देश के विभिन्न भागों में उपयुक्त सहभागियों के साथ सहयोग कर अनेक डोमेन केन्द्रित सीओई स्थापित कर रहा है। प्रत्येक सीओई एक एकल–खिड़की सुगमता केंद्र के रूप में कार्य करता है, जिसका उद्देश्य भारत सरकार, विभिन्न राज्य सरकारों, उद्योग, शैक्षणिक समुदायों, डोमेन और प्रौद्योगिकी विशेषज्ञों, वेंचर कैपिटलिस्टों और अन्य स्टार्टअप्स इकोसिस्टम के हितधारियों के सहयोग से प्रयोगशाला और इन्क्यूबेशन, प्रशिक्षण, मेंटरिंग, हैण्ड–होल्डिंग, एक्सेस–टू–फण्ड, नेटवर्किंग, मार्केट कनेक्ट आदि सहित व्यापक संरचनात्मक और मौलिक समर्थन प्रदान करता है। सीओई के इस सहयोगी मॉडल में प्रतिष्ठित उद्योग/शैक्षणिक समुदाया/उद्यमियों को 'चीफ मेंटर' के रूप में शामिल कर उसका और विस्तार किया जाता है,जो सीओई के ब्रांड एम्बेसडर के रूप में भी काम करता है।

सीओई, जिसमे समर्पित परिचालन दल और सहायक कर्मचारी होते हैं, द्वारा देश में ही विश्व स्तरीय आईटी उत्पाद और आईपीआर विकसित करने के लिए स्टार्टअप का पोषण करने और उसे बढ़ावा देने के स्पष्ट उद्देश्य से उसकी आयोजना इस प्रकार की जाती है कि वह योजना, परिचालन, नेटवर्किंग, आउटरीच, मेंटरिंग और अन्य सेवाओं की देख भाल करे और "रोजगार निर्माता" बने ।

पिछले वर्षों के दौरान 14 सीओई पहले ही स्वीकृत किए गए थे। इस वर्ष के दौरान अतिरिक्त 7 सीओई को मंजूरी दी गई है। कुल मिलाकर, निम्नलिखित 21 सीओई को मंजूरी दी गई है जो कार्यान्वयन और संचालन के विभिन्न चरणों में हैं:

- दिल्ली में इलेक्ट्रोप्रिन्योर पार्क
- एसटीपीआई–बेंगलुरु में आईओटी ओपनलैब
- एसटीपीआई–चेन्नई में फिनब्लू
- एसटीपीआई–भुवनेश्वर में इलेक्ट्रोप्रिन्योर पार्क, एक ईएसडीएम सीओई
- एसटीपीआई–मोहाली में न्यूरॉन
- आईआईटी–भुवनेश्वर में वारको
- एसटीपीआई–हैदराबाद में इमेज
- एसटीपीआई–गुरुग्राम में एपीअरी
- एसटीपीआई–पुणे में मोशन
- एसजीपीजीआई–लखनऊ में मेडटेक
- एसटीपीआई–बेंगलुरु में अटल इनक्यूबेशन सेंटर (एआईसी)
- एसटीपीआई–गुवाहाटी में ऑक्टेन–आईओटी में कृषि सीओई
- एसटीपीआई–शिलांग में ऑक्टेन–एनिमेशन सीओई
- एसटीपीआई–इंफाल में ऑक्टेन एआर/वीआर
- एसटीपीआई–गंगटोक में हेल्थकेयर और एग्रीटेक सीओई में ऑक्टेन–आईटी एप्लीकेशन
- एसटीपीआई–ईटानगर में ऑक्टेन–ड्रोन टेक सीओई सहित जीआईएस एप्लीकेशन
- एसटीपीआई–कोहिमा में ग्राफिक डिजाइन सीओई में ऑक्टेन–आईटी एप्लीकेशन

- एसटीपीआई–आइजोल में ऑक्टेन–गेमिंग और इंटरटेनमेंट सीओई
- एसटीपीआई–अगरतला में ऑक्टेन – डेटा एनालिटिक्स एआई सीओई
- एसटीपीआई–बेंगलुरू में एफिशिएंसी औगुमेंटेशन सीओई
- डॉ. पंजाबराव देशमुख कृषि विद्यापीठ अकोला में फसल

प्रत्येक सीओई का संक्षिप्त विवरण और स्थिति नीचे दी गयी है:–

दिल्ली विश्वविद्यालय में इलेक्ट्रोप्रिन्योर पार्क (ईपी)

इलेक्ट्रॉनिक सिस्टम डिजाइन और विनिर्माण (ईएसडीएम) भारतीय अर्थव्यवस्था के सबसे तेजी से बढ़ने वाले क्षेत्रों में से एक है। इस उद्योग के नए उद्यमियों को समर्थन देने के लिए, एसटीपीआई ने दिल्ली विश्वविद्यालय और भारतीय इलेक्ट्रॉनिक्स और सेमीकंडक्टर एसोसिएशन (आईईएसए) के सहयोग से दिल्ली विश्वविद्यालय कैंपस में एक इलेक्ट्रोप्रिन्योर पार्क (ईपी) स्थापित किया है।

ईपी दिल्ली ईएसडीएम स्पेस में 50 स्टार्टअप्स को सपोर्ट करने और पांच साल की अवधि में कम से कम 5 वैश्विक कंपनियों के सृजन का लक्ष्य रखती है। ईपी दिल्ली स्थानीय आईपी निर्माण और स्वदेशी उत्पाद विकास पर ध्यान केंद्रित करती है, जिससे घरेलू मूल्य संवर्धन होगा और शिक्षा, उद्योग, सरकार और अन्य सहायक तत्वों का एक अनूठा एकीकरण होगा। यह उद्योग जगत में एक अनूठी पहल है, जो देश में इन्क्यूबेशन केन्द्रो के संरक्षण और विकास के इतिहास में मील का पत्थर साबित होगा। ईपी दिल्ली को 25 अक्टूबर, 2015 में परिचालित किया गया था और 27 अगस्त 2016 को इसका औपचारिक उद्घाटन किया गया ।

ईपी के पास लाभार्थियों के रूप में 44 स्टार्टअप्स हैं। इस अवधि के दौरान स्टार्टअप्स द्वारा महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की गयी जहाँ उन्होंने राष्ट्रीय पेटेंट दाखिल कर अपने उत्पादों के स्तर में विकास किया है। कुल मिलाकर, ईपी के स्टार्टअप्स की उपलब्धियों के रूप में 33 नए उत्पाद के साथ 28 प्रोटोटाइप बनाए गए हैं। साथ ही, ईपी स्टार्टअप्स द्वारा 32 आईपीआर दर्ज किए गए हैं। इसके अतिरिक्त, 20 स्टार्टअप्स को 11 करोड़ रुपये की बाहरी वित्तीय सहायता प्राप्त हुई है और स्टार्टअप्स द्वारा कुल 43 करोड़ रुपये का राजस्व सृजत किया गया। इन प्रभावशाली आंकड़ो के अतिरिक्त ईपी स्टार्टअप्स ने ₹ 250 करोड़ का सृजन किया है।

एसटीपीआई–बेंगलुरु में आईओटी ओपनलैब

"इन्टरनेट ऑफ थिंग्स" अथवा आईओटी एक कंप्यूटिंग कांसेप्ट है जो इन्टरनेट से जोड़ी जानेवाली रोजमर्रा की भौतिक वस्तुओं को एक साथ लाता है और अन्य डिवाइसों के साथ अपनी पहचान और संपर्क बनता है। यह अनुमान है कि 9 बिलियन डॉलर के बाजार में भारत के पास शीघ्र ही 1.9 बिलियन डॉलर के स्थापित आईओटी उपकरण होगें। प्रौद्योगिकी उद्योग में आईओटी एक बहुत बड़ा कदम है। सिर्फ "भारत के सिलिकॉन वैली" बेंगलुरु में ही 500 स्टार्टअप्स हैं, जो आईओटी पर सॉल्यूशन विकसित कर रहे हैं।

उपरोक्त परिप्रेक्ष्य में इलेक्ट्रॉनिकी व सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय, मेसर्स ऐरो ईलेक्ट्रॉनिक्स और अन्य के सहयोग से बेंगलुरु में एसटीपीआई आईओटी ओपनलैब स्थापित किया गया है। आईओटी ओपन लैब का उद्देश्य एक प्रौद्योगिकी मंच सृजत करना है ताकि नवाचार स्टार्टअप आईओटी आधारित एप्लीकेशन, उत्पाद और सॉल्यूशन विकसित कर सकें, जो न सिर्फ घरेलू जरूरतों को ही पूरा करेगा बल्कि इसका परिप्रेक्ष्य भी वैश्विक होगा। आई ओ टी ओपन लैब में 4200 वर्ग फीट का रेडी टू वर्क स्पेस, सभी सैंपल बैंक सहित एक आईओटी ओपन लैब, टेस्ट उपकरण और तकनीकी सहायता, आतंरिक इंजीनियरिंग टीम द्वारा तकनीकी मेंटरिंग और समर्थन, वित्तीय संसाधनों तक पहुंच, विपणन समर्थन आदि शामिल है। इसका लक्ष्य 5 वर्ष की अवधि में प्रति वर्ष 100 स्टार्टअप्स (फिजिकल और वर्चुअल) का समर्थन और पोषण है। आईओटी ओपनलैब को 3 दिसम्बर,2019 को परिचालित किया गया।

आईओटी ओपनलैब ने 23 स्टार्टअप्स का चयन किया है और 10 स्टार्टअप्स ऑनबोर्ड हैं।

एसटीपीआई चेन्नई में फिनब्लू

डिजिटल प्रौद्योगिकियों के तेजी से विकास और आम आदमी के दैनिक जीवन पर उसके प्रभाव के साथ, वित्तीय डोमेन का प्रौद्योगिकी परिदृश्य एक बड़े बदलाव के दौर से गुजर रहा है। वित्तीय प्रौद्योगिकी सीओई में या फिनटेक में जिन्हें फिनब्लू के रूप में ब्रांड किया गया है, अर्थव्यवस्था में प्रतिस्पर्धा, नवाचार, रोजगार सृजन और उत्पादकता में एक नए युग की शुरुआत करने की क्षमता है। फिनब्लू न सिर्फ मुद्रा का डिजिटाइजेशन करता है बल्कि डेटा का भी मनीटाइजेशन करता है। फिनटेक सोल्यूशंस में विशेष रूप से नए और छोटे सभी व्यवसायों के लाभ की अपार संभावनाएं हैं। फिनब्लू, फिनटेक क्षेत्र में अपनी तरह का पहला सीओई है, जिसे 26 जुलाई, 2019 में परिचालित किया गया था, जोकि ऐसे सोल्यूशंस प्रदान करता है जो निचले स्तर पर कुशल और प्रभावी हैं और साथ ही यह छोटे व्यवसाइयों को लाभान्वित कराता है और उन्हें अधिक से अधिक अनेक प्रकार के फंडिंग विकल्प उपलब्ध कराता है। यह सीओई न सिर्फ निवेशकों, ऋणदाताओं और उधारकर्ताओं के बीच तालमेल बढाता है, बल्कि सभी के लिए एक ऐसा अवसर प्रदान करता है जिससे बाजार में खुदरा निवेशकों की भागीदारी बढे। फिनब्लू द्वारा लाये जा रहे बदलाव के कारण लोग बड़ी असानी से डिजिटल माध्यम द्वारा लेन–देन करने में सक्षम हो रहे हैं।

उपरोक्त परिप्रेक्ष्य में, इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय राज्य सरकार, आईआईटी मद्रास, टाई चेन्नई और विभिन्न औद्योगिक भागीदारों जैसे कि इंटेललेक्ट डिजाइन, एनपीसीआई, येस बैंक, पे पाल, पोंटाक वैंचर, आरबीएस, टोरस इनोवेशन आदि की भागीदारी से चेन्नई में फिनब्लू सीओई की स्थापना की गयी है, जो फिन टेक के साथ काम करने मे नवाचार स्टार्टअप्स और

उद्यमियों को पूरी सहायता और समर्थन प्रदान करेगा।

यहाँ उपलब्ध सुविधाओं और सेवाओं में 100 रेडी–टू–वर्क प्लग–एन–प्ले स्पेस, एक्सेस टू एपीआई , भागीदार बैंकों का पेमेंट गेट वे और सैंडबॉक्स एनवायरनमेंट और मेसर्स इन्टेलेक्ट का एनपीसीएल, सीएएनवीएएस टेक्नोलॉजी, तकनीकी मेंटरींग और सहायता, वित्तीय संसाधन (एंजेल बैंकिंग, सीड फंड,वीसी आदि) नेटवर्किंग और मार्केटिंग गतिविधियों तक पहुँच और सहायता शामिल हैं।

फिनब्लू का उद्देश्य ट्रेडिंग, बैंकिंग, लेंडिंग, रेमिटेंस, इंश्युरेंस, रिस्क एंड कंप्लायंस, वेल्थ एडवाइजरी, वित्तीय समावेश, सेविंग, पेमेंट और इसी प्रकार के क्षेत्रों पर विशेष ध्यान के साथ 5 वर्षों की अवधि में 58 स्टार्टअप्स को सहयोग करना है।

फिनब्लू ने 21 स्टार्टअप्स का चयन किया है और 3 स्टार्टअप्स ऑनबोर्ड हैं।

एसटीपीआई भुवनेश्वर में इलेक्ट्रोप्रिन्योर पार्क, एक ईएसडीएम सीओई

इलेक्ट्रॉनिक्स भारत के सबसे अधिक आयातित मदों में से एक है। इस बात की आवश्यकता है कि भारत आयातित इलेक्ट्रानिकी पर अपनी निर्भरता को कम करे और घरेलू उत्पादन बढ़ाये। अपने मेक इन इंडिया पहल से सरकार ने इलेक्ट्रॉनिक उत्पादों के घरेलूकरण पर विशेष बल दिया है फलस्वरूप पूरे देश में अनेक मोबाइल निर्माण इकाइयां सफलतापूर्वक स्थापित हुईं हैं। हांलाकि यह पर्याप्त नहीं है और अभी काफी कुछ और करने की आवश्यकता है।

एसटीपीआई ने उपरोक्त परिकल्पना के अनुरूप अपनी तरह का पहला ईएसडीएम इन्क्यूबेशन सेंटर "इलेक्ट्रोप्रिन्योर पाक "(ईपी) नई दिल्ली में स्थापित किया है। नई दिल्ली स्थित इलेक्ट्रोप्रिन्योर पार्क (ईपी) बेहद सफल रहा है, जिससे अनेक स्टार्टअप्स को वित्त पोषित किया गया है और अनेक पेटेंट्स दर्ज किये गए हैं।

अतः एमईआईटीवाई के सहयोग से एसटीपीआई इस अत्यधिक सफल सहयोगी मॉडल को भारत के विभिन्न भाग में क्रियान्वित कर रहा है और अगला ईपी राज्य सरकार, शैक्षिक समुदायों जैसे कि आईआईआईटी भुवनेश्वर, अग्रणी औद्योगिक भागीदार के रूप में आईईएसए के सहयोग से भुवनेश्वर, ओडिसा मे ईएसडीएम इन्क्यूबेशन सीओई के रूप मे स्थापित कर रहा है। भुवनेश्वर में ईपी ईएसडीएम क्षेत्र में अनुसंधान और विकास, नवाचार, उद्यमशीलता को प्रोत्साहित करने के लिए एक समग्र पारिस्थितिकी प्रणाली के निर्माण के माध्यम से भारत के ईएसडीएम विकास में योगदान करेगा। यह पारिस्थितिकी प्रणाली ईएसडीएम क्षेत्र मे महत्वपूर्ण विकास, प्रोत्साहन, इन्क्यूबेशन, नवाचार सृजत करने के लिए आवश्यक है । यह ईएसडीएम क्षेत्र मे उत्पाद निर्माण और आईपी सृजन पर बल देगा।

इस पार्क के लगभग 7500 वर्गफीट निर्मित क्षेत्र मे अत्याधुनिक सुविधाओं सहित उच्च गति की कनेक्टिविटी,पावर इलेक्ट्रॉनिक के प्रोटोटाइपिंग और जांच के लिए पूर्णतया सज्जित ईएसडीएम लैब, एलईडी, कम्युनिकेशन आरएफ वाले हार्डवेयर और सॉफ्टवेयर, टेस्ट और माप आदि से पूरी तरह से सुसज्जित कार्यालय उपलब्ध है।

इसका लक्ष्य 5 वर्षों की अवधि मे 40 स्टार्टअप्स को लाभ प्रदान करना है, जिसमे उर्जा,प्रोसेस कंट्रोल और इंडस्ट्रियल ऑटोमेशन और शिक्षा जैसे क्षेत्र में विशेष ध्यान दिया जाएगा। ईपी भुवनेश्वर को 23 दिसम्बर, 2019 को परिचालित किया गया था।

ईपी भुवनेश्वर ने ओपन चैलेंज प्रोग्राम के जरिए 21 स्टार्टअप्स का चयन किया और 8 स्टार्टअप्स को सफलतापूर्वक ऑनबोर्ड किया।

एसटीपीआई मोहाली में न्यूरॉन

मोहाली में न्यूरॉन सीओई का लक्ष्य विशेष रूप से एआई/बिग डेटा, एवीजी और आईओटी के क्षेत्र में अत्याधुनिक सूचना प्रौद्योगिकी स्टार्टअप को बढ़ावा देकर युवाओं, शोधकर्ताओं, इंजीनियर और बड़े पैमाने पर समाज में उद्यमशीलता की भावना को बढ़ाना है, जो देश में आर्थिक और सामाजिक विकास को बढ़ावा देगा। इस दृष्टि से इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय, पंजाब सरकार, आईएसबी मोहाली, पीटीयू और उद्योग के सहयोग से एआई/डेटा एनालिटिक्स, आईओटी और एवीजी में एक सीओई शुरू किया गया है जो एआइ /डेटा एनालिटिक्स, आईओटी और एवीजी के क्षेत्र में नवाचार स्टार्टअप को हैंडहोल्डिंग और समर्थन देगा।

यहाँ उपलब्ध सुविधाओं और सेवाओं में समर्पित 500 सीटों के को–वर्किंग स्पेस के साथ इन्क्यूबेशन सुविधा और एआई/डेटा एनालिटिक्स, आईओटी और एवीजी के लिए समर्पित लैब शामिल है। भौतिक और क्षेत्र–विशिष्ट बुनियादी ढांचे के अतिरिक्त, हब के पास डोमेन विशेषज्ञों, टेक्नोक्रेट, मेंटरशिप प्रोग्राम के साथ–साथ निधिकरण तक पहुंच भी उपलब्ध होगा। इसमें 5 वर्षों की अवधि में शिक्षा, कृषि, स्वास्थ्य देखभाल आदि में वास्तविक दुनिया की समस्याओं को हल करने के लिए एआई, एमएल, डीए, आईओटी और वर्चुअल रियलिटी जैसे फोकस क्षेत्र के 250 से अधिक स्टार्टअप्स को समर्थन देने का लक्ष्य रखा गया है। न्यूरॉन 30 सितंबर, 2019 को परिचालित किया गया था।

न्यूरॉन ने ओपन चैलेंज प्रोग्राम के माध्यम से 42 स्टार्टअप्स का चयन किया है ओर 4 स्टार्टअप्स को ऑनबोर्ड किया है।

आईआईटी भुवनेश्वर में वारको

इमर्सिव विजुअलाइजेशन में अनुसंधान एवं विकास करने,आर एंड डी, इनक्यूबेशन, आईपी क्रिएशन, उत्पाद विकास, कौशल विकास और एआर, वीआर और संबद्ध क्षेत्रों में उद्यमिता को प्रोत्साहन देने के उद्देश्य से एक इकोसिस्टम बनाने के लिए आईआईटी भुवनेश्वर में वीएआरसीओई की स्थापना की गई । एलाइड मार्केट रिसर्च द्वारा प्रकाशित एक रिपोर्ट के अनुसार, वैश्विक एआर और वीआर बाजार, जो वर्ष 2017 में 11.32 बिलियन डॉलर था, उसका 2018 से 2025 तक 63.3% की सीएजीआर के साथ 2025 में 571.42 बिलियन डॉलर तक पहुंचने की उम्मीद है।

इस परिप्रक्ष्य में, औगुमेंटेड रियलिटी और वर्चुअल रियलिटी के क्षेत्र में एक सीओई आईआईटी–भुवनेश्वर में स्थापित किया गया है और 19 जनवरी 2018 को उक्त डोमेन में स्टार्टअप्स को पोषित करने के साथ–साथ उपकरणों और प्रौद्योगिकियों के अनुसंधान और विकास के लिए परिचालित किया गया था। इस सीओई ने स्वास्थ्य, कला और वास्तुकला, परिवहन, निर्माण, पर्यटन, मनोरंजन और शिक्षा के क्षेत्रों में 5 वर्षों के लिए स्टार्टअप और व्यक्तिगत शोधकर्ताओं सहित 300 इनक्यूबेटियों को लक्षित किया है। वीएआरसीओई ने वीआर/एआर के विभिन्न एप्लीकेशनों की परियोजना के पहले सेट के साथ परिचालन शुरू किया है। वर्तमान में, विभिन्न डोमेन में एआर और वीआर एप्लीकेशन की नौ प्रमुख परियोजनाएं प्रगति पर हैं, जिसमे आईआईटी भुवनेश्वर के 12–15 उच्च योग्य संकाय वाले शोधकर्ता शामिल हैं ।

एसटीपीआई हैदराबाद में इमेज

ग्लोबल एनिमेशन उद्योग का 2018 में 259 बिलियन अमेरिकी डॉलर मूल्यांकन किया गया था और इसके 2020 तक 270 बिलियन अमेरिकी डॉलर तक पहुंचने का अनुमान है, गेमिंग उद्योग का वर्ष 2018 में 138 बिलियन अमेरिकी डॉलर का मूल्यांकन किया गया था, जिसका 2021 तक 180 बिलियन अमेरिकी डॉलर तक पहुंचने का अनुमान है । इसके अलावा, कंप्यूटर विजन (सीवी) बाजार का 2018 और 2023 के बीच काफी तेजी से बढ़ने की उम्मीद है और इसका 2018 में 12 बिलियन अमेरिकी डॉलर के मूल्य से 2023 तक 17.38 बिलियन अमेरिकी डॉलर तक पहुंचने की उम्मीद।

इस पृष्ठभूमि और एक आशावादी भविष्य की कल्पना के साथ, गेमिंग वीएफएक्स, सीवी और एआई के क्षेत्र में इमेज ब्रांड से एक सीओई इलेक्ट्रॉनिकी व सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय, तेलंगाना सरकार, शिक्षा और हैदराबाद एसडब्ल्यू एंटरप्राइजेज एसोसिएशन और तेलंगाना वीएफएक्स, एनिमेशन और गेमिंग एसोसिएशन जैसे उद्योगों की साझेदारी में हैदराबाद में स्थापित किया गया। इस सीओई में मेंटरिंग, प्रौद्योगिकी सहायता और गेमिंग, एनिमेशन, वीएफएक्स, कंप्यूटर विजन और एआई स्टार्टअप्स के लिए वित्तीय सहायता का प्रावधान है । स्टार्टअप्स में विकास के लिए इमेज अपनी इन्क्यूबेशन सुविधा के माध्यम से एकीकृत कार्यक्रम, सीवीएलएबी और गेम लैब प्रदान करता है। इमेज कार्यक्रम में प्रीमियम प्लग एंड प्ले, स्टार्टअप्स के लिए को–वर्किंग स्पेस शामिल हैं और यह परिस्थितिकी तंत्र तक पहुंच प्रदान करता है, जिसमें आईपी ओनर, मेंटर, निवेशक और गो–टू–मार्केट रणनीति का समर्थन करने के लिए एक मंच शामिल हैं।

यहाँ उपलब्ध सुविधाओं और सेवाओं में 10,000 वर्ग फुट इन्क्यूबेशन स्थान और 3,500 वर्ग फुट के क्षेत्र में कैमरों, डिस्प्ले इकाइयों और संबंधित उपकरणों के साथ एक इमेज लैब शामिल है। इमेज लैब में कंप्यूटर विजन और एआई के लिए मोशन कैप्चर (मोकैप) सुविधा और कंप्यूटिंग सुविधा शामिल है। सीवी लैब में जीपीयू सर्वर, स्टोरेज सर्वर, हाई एंड मिड कॉन्फिग कंप्यूटर, सॉफ्टवेयर के साथ 26 पोर्ट पीओई स्विच के साथ कई कैमरों को एक साथ जोड़ना और पावर देना शामिल हैं। मोकैप सुविधा में शूटिंग की जगह होगी, जिसमें हाई–एंड मोशन कैप्चर, व्यापक एनीमेशन के पूरक के लिए चेहरे का एनीमेशन और कोचिंग डोमेन, बी एफ एक्स व एनिमेशन पर काम करने वाले स्टार्टअप्स के लिए वीएफएक्स का कार्य होगा। मोकैप लैब में मोकैप कैमरा और कंट्रोल बॉक्स, क्लैम्प, हेड, केबल एक्सेसरी किट और मोकैप सूट किट के साथ विडियो रेफरेंस कैमरा शामिल हैं ।

इस सीओई का लक्ष्य 5 वर्षों की अवधि में सीवी और एआइ, गेमिंग, एनीमेशन और वीएफएक्स के क्षेत्र में 140 स्टार्टअप्स हैं। इमेज को 17 फरवरी, 2020 को परिचालित किया गया है।

पहले ओपन चैलेंज प्रोग्राम के माध्यम से 18 स्टार्टअप्स का चयन किया गया और 7 स्टार्टअप्स को ऑनबोर्ड किया गया।

एसटीपीआई गुरुग्राम में अपीअरी

ब्लॉकचेन प्रौद्योगिकी सरकारी और निजी क्षेत्र के इंटरफेस के बीच पारदर्शिता लाकर उद्यमों के लिए सहयोग और हमारे नागरिकों के जीवन को सुगम बनाती है। इस तथ्य के बावजूद कि यह प्रौद्योगिकी अभी भी अपने विकास के आरंभिक चरण में है और इसे अभी अपनाया जाना है, इस डोमेन में काफी अवसर उपलब्ध हैं।

गार्टनर के हाल के पूर्वानुमान के अनुसार ब्लॉकचेन के व्यावसायिक मूल्य में 2025 तक थोड़ी वृद्धि के साथ यह 176 बिलियन अमेरिकी डॉलर होगा और फिर 2030 तक इसमें काफी वृद्धि होगी और यह 3.1 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर से अधिक हो जाएगा।

इस पृष्ठभूमि के साथ, अपीअरी ब्रांड से ब्लॉकचेन में एक सीओई, इलेक्ट्रॉनिकी व सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय, एसटीपीआई, एसटीपीआई नेक्स्ट हरियाणा सरकार, पैडअप वेंचर प्राइवेट लिमिटेड, आईबीएम, इंटेल, जीबीए और एफआईटीटी के सहयोग से स्थापित किया गया है।

यह ब्लॉकचेन टेक्नोलॉजी के क्षेत्र में सफल स्टार्टअप की पहचान और मूल्यांकन करने की एक पहल है जो एसटीपीआई गुरुग्राम के इनक्यूबेशन केंद्र में आयोजित किया जाएगा। यहाँ उपलब्ध सुविधा और सेवा में 7000 वर्ग फीट का इनक्यूबेशन स्पेस, आईबीएम ब्लॉकचेन प्लेटफॉर्म, मेंटरिंग, अनुसन्धान और विकास, वित्तपोषण और नेटवर्किंग शामिल है। अपीअरी सीओई को 23 मार्च 2021 को परिचालित किया गया ।

इस सीओई का लक्ष्य 5 वर्ष की अवधि में 100 नवाचार स्टार्टअप्स को बढ़ावा देना है। ओपन चैलेंज प्रोग्राम के माध्यम से 23 स्टार्टअप्स का चयन किया गया है और 10 स्टार्टअप्स को ऑनबोर्ड किया गया है।

एसटीपीआई पुणे में मोशन

वैश्विक गतिशीलता परिदृश्य तेजी से बदल रहा है, जिसमें प्रौद्योगिकी नवाचार, बढ़ती कनेक्टिविटी, तेजी से बढ़ रही विश्व

जनसंख्या, बदलती उपभोक्ता प्राथमिकताएं और पर्यावरण गिरावट का प्रभाव सरकार, उद्योग और समाज पर पड़ रहा है ताकि इस गतिशीलता के साथ सतत स्थिरता के लिए तालमेल बिठाया जाए।

स्वचालित वाहनों का व्यावसायीकरण भी विभिन्न उद्योगों जैसे कि आईटी, प्रौद्योगिकी और इलेक्ट्रॉनिकी के राजस्व वृद्धि में भी योगदान करेगा । रिसर्च एंड मार्केट्स के अनुसार, वैश्विक स्वचालित वाहन बाजार का वर्ष 2017 में कारोबार 27.09 बिलियन अमेरिकी डॉलर था और जिसके 2026 तक बढ़ कर 615.02 बिलियन अमेरिकी डॉलर पहुंचने की उम्मीद है।

ऑटोनॉमस, कनेक्टेड, इलेक्ट्रिक एंड शेयर्ड (एसीईएस) में सीओई जिसे मोशन कहते हैं, महाराष्ट्र सरकार, मैसर्स टाटा मोटर्स, मेसर्स काइनेटिक, मेसर्स विस्टोन, मैसर्स मैथवर्क्स इंडिया, मैसर्स इंटेल, कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग पुणे (सीओईपी) और एआरएआई, एसएई–इंडिया, टीआईए–पुणे आदि जैसे संगठनों के सहयोग और साझेदारी में स्थापित किया गया ।

यहां उपलब्ध सुविधाओं और सेवाओं में एसटीपीआई पुणे में 7000 वर्ग फीट (लैब और इन्क्यूबेशन) का स्पेस है और इनका लक्ष्य 5 वर्ष की अवधि में ऑटोनॉमस, कनेक्टेड, इलेक्ट्रिक एंड शेयर्ड (एसीईएस) मोबिलिटी में 50 डोमेन विशिष्ट स्टार्टअप्स को लाभ पहुँचाना है। मोशन को 10 दिसम्बर, 2019 को परिचालित किया गया था।

मोशन ने 35 स्टार्टअप्स का चयन किया है और 8 स्टार्टअप्स को ऑनबोर्ड किया है।

एसजीपीजीआई लखनऊ में मेडटेक

क्लिनिकल निर्णय के मॉडल के अप्रभावी और पुराने हो जाने के साथ–साथ राष्ट्रीय ग्रामीण स्वास्थ्य मिशन जैसे सरकारी कार्यक्रमों के कारण जमीनी स्तर पर प्रौद्योगिकी प्रदान करने के लिए देश में चिकित्सा इलेक्ट्रॉनिकी की मांग में तेजी आई है।

ग्लोबल मार्केट इनसाइट्स के अनुसार, वर्ष 2018 में वैश्विक चिकित्सा इलेक्ट्रॉनिकी बाजार का आकार 73.3 अरब अमेरिकी डॉलर था और इसके 2020 तक 169 अरब अमेरिकी डॉलर से अधिक होने की उम्मीद है, जिसका सीएजीआर 2019 से 2025 तक 13% रहेगा । विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्लूएचओ) और भारत सरकार द्वारा सयुंक्त रूप से प्रकाशित एक रिपोर्ट के अनुसार 16% सीएजीआर के साथ भारतीय चिकित्सीय उपकरणों का बाजार 2020 में बढ़ कर 8.16 अरब अमेरिकी डॉलर हो जाएगा।

इस पृष्ठभूमि और एक आशावादी भविष्य की कल्पना के साथ, एसटीपीआई मेडटेक ब्रांड के रूप में मेडी–इलेक्ट्रॉनिक्स और स्वास्थ्य सूचना विज्ञान के डोमेन में एसजीपीजीआई, लखनऊ, आईटी और इलेक्ट्रॉनिक्स विभाग, यूपी सरकार, एसोसिएशन ऑफ इंडियन मेडिकल डिवाइस इंडस्ट्री (एआईएमईडी), भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, कानपुर और आंध्र प्रदेश मेडटेक जोन (एएमटीजेड) के साथ एआईएमईडी के सहयोग से लखनऊ में सीओई स्थापित कर रहा है जो ''मेक इन इंडिया'' में योगदान करेगा।

यहाँ उपलब्ध सुविधाओं और सेवाओं में 18,000 वर्ग फुट रेडी–टू–वर्क, प्लग एंड प्ले इनक्यूबेशन स्पेस और मेडीइलेक्ट्रॉनिक्स एंड हेल्थ इंफॉर्मेटिक्स लैब (मेडलैब) और आईओटी लैब की उपलब्धता शामिल है, जो सैंपल बैंक ऑफ इंस्ट्रूमेंट्स, एनालाइजर, क्लिनिकल कंज्यूमेबल्स, इमेजिंग और ऑप्टिकल डिवाइस, टेस्ट उपकरण और तकनीकी सहायता से लैस है। इसमें आईओटी लैब होगी जिसमें 3 चरण ईमीटर टेस्ट बेंच, पावर क्वालिटी एनालाइजर, क्लैंप ऑन पावर, डिजिटल मल्टीमीटर, एलसीआर मीटर, सोल्डरिंग और रीवर्क स्टेशन, डीएसओ टीडीएस 2012 (100 मेगाहर्ट्ज), स्पेक्ट्रम एनालाइजर (एफएसवी13–13 गीगाहर्ट्ज), जेडएनडी नेटवर्क एनालाइजर, आरएफ शील्ड रूम, डीएसओ 500 मेगाहर्ट्ज 4 चैनल, लॉजिक 16 प्रो (लॉजिक, एनालाइजर), सिग्नल सोर्स, (जेनरेटर), ईएफटी/बर्स्ट सर्ज टेस्टर, मल्टी मीटर, इलेक्ट्रॉनिक लोड, सेंसर सैंपल किट शामिल होंगे ।

मेडटेक सीओई 14 अगस्त 2020 को परिचालित किया गया था।

मेडटेक का लक्ष्य 5 वर्ष की अवधि में 50 स्टार्टअप्स का समर्थन करना है। पहले ओपन चैलेंज प्रोग्राम के माध्यम से 15 स्टार्टअप्स का चयन किया गया और 2 स्टार्टअप्स को ऑनबोर्ड किया गया है।

एसटीपीआई बेंगलुरु में अटल इनक्यूबेशन सेंटर (एआईसी)

एक जीवंत अखिल भारतीय इकोसिस्टम के निर्माण के उद्देश्य से और आईओटी, स्वास्थ्य और फार्मास्यूटिकल्स, ई–कॉमर्स, बिग डेटा और एआई में फोकस क्षेत्र के साथ स्टार्टअप्स के विकास और सफल उद्यमिता के निर्माण का समर्थन करने, बढ़ावा देने और नवोन्मेश की संस्कृति का विकास करने के साझा दृष्टिकोण के लिए, एसटीपीआई अटल इनोवेशन मिशन (एआईएम) और नीति आयोग के सहयोग से बेंगलुरु में अटल इनक्यूबेशन सेंटर (एआईसी) स्थापित किया गया है।

यहाँ उपलब्ध सुविधाओं और सेवाओं में अत्याधुनिक बुनियादी ढांचा और प्रयोगशाला से सुसज्जित 10,000 वर्ग फुट का स्थान, सामान्य कार्यालय सुविधाओं के साथ हैकाथॉन आयोजित करने के लिए एक समर्पित टीम, आईडिया चैलेंज, कार्यशालाएं, प्रशिक्षण, तकनीकी और बिजनस मेंटरिंग सेशन शामिल हैं जो आईपीआर फाइलिंग, कानूनी, लेखा आदि के मामले में स्टार्टअप्स की सहायता करेगा।

एआईसी को मई 2018 में मंजूरी दी गई थी और यह 5 वर्षों की अवधि में 65 इनोवेटिव स्टार्टअप्स को लक्षित करता है।

उत्तर पूर्व क्षेत्र में ऑक्टेन सीओई (8 सीओई जैसे कि एसटीपीआई–गुवाहाटी में कृषि में आईओटी, एसटीपीआई–शिलांग में एनिमेशन, एसटीपीआई–इंफाल में एआर/वीआर, एसटीपीआई–गंगटोक में आईटी एप्लीकेशन इन हेल्थकेयर एंड एग्रीटेक, एसटीपीआई–ईटानगर में ड्रोन टेक सहित जीआईएस

एप्लीकेशन, एसटीपीआई कोहिमा में ग्राफिक डिजाइन में आईटी एप्लीकेशन, एसटीपीआई आइजोल में गेमिंग और एंटरटेनमेंट–एसटीपीआई और अगरतला में डेटा एनालिटिक्स और एआई)

भारत सरकार ने 'डिजिटल नार्थ ईस्ट विजन 2022' प्रारंभ किया है, जिसमे 'डिजिटल इनोवेशन एंड स्टार्टअप' प्रमुख क्षेत्र हैं। उपरोक्त क्षेत्र में किये गए पहल में पूर्वोत्तर क्षेत्र के सभी राज्यों में उभरती प्रौद्योगिकी में सीओई और ई–कॉमर्स सुविधा सहित स्टार्टअप इनोवेशन जोन स्थापित करना है। इनोवेशन जोन को छात्रों और युवाओं द्वारा टिंकरिंग आधारित नवाचार के लिए सुविधा के रूप में पेश किया गया है, जिनमे से कुछ के स्टार्टअप बनने की उम्मीद है। यह राज्यों में डिजिटल इनोवेशन संस्कृति को जन्म देगा। ई–कॉमर्स सुविधा उभरते युवा उद्यमियों को और वैसे लोगों को जो अपनी उत्पादों की मौजूदा व्यवस्था के लिए ई–कॉमर्स विकसित करने का इरादा रखते हैं को न्यूनतम निवेश पर परामर्श आदि जैसे समर्थन की सुविधा प्रदान करता है ।

इस विजन के साथ पूर्वोत्तर क्षेत्र के प्रत्येक राज्य की राजधानी में चरणबद्ध तरीके से ई–कॉमर्स सुविधा के साथ स्टार्टअप इनोवेशन जोन (एसआईजेड) सहित आठ सीओई स्थापित करने की कल्पना की गई है ।

तदनुसार, चरण–1 के तहत, 3 सीओई को मंजूरी दी गई है और उन्हें ऑक्टेन के रूप में प्रौद्योगिकी/क्षेत्र फोकस वाले तीन स्थानों में अर्थात एसटीपीआई गुवाहाटी में कृषि में आईओटी, एसटीपीआई शिलांग में एनिमेशन और इंफाल में एआर/वीआर में स्थापित किया जा रहा है । तथापि, अन्य पांच स्थानों के लिए ई–कॉमर्स सुविधा मेंटरिंग के माध्यम से किया जाएगा। यदि इस गतिविधि के लिए वास्तविक संरचना की आवश्यकता होगी तो परियोजना के चरण–1 के तहत सृजत सुविधा का उपयोग इसके लिए किया जाएगा।

यहाँ उपलब्ध सुविधाओं और सेवाओं में वास्तविक घटक (प्लग–एन–प्ले स्पेस, कनेक्टिविटी, क्लाउड आधारित सेवाएं, टिंकरिंग प्रयोगशाला के रूप में इनोवेशन जोन, आदि) और शैक्षणिक संस्थानों, उद्योग और अन्य हितधारकों से अन्य सहायता (जैसे विपणन, सीड फण्ड सहायता, आदि) शामिल हैं। सीओई और एसआईजेड एक दूसरे के साथ सहयोगात्मक तरीके से अथवा क्षेत्रीय आधार पर ,जैसी आवश्यकता हो, काम करेंगे।

ऑक्टेन सीओई चरण–I को 20 जुलाई 2020 को चालू किया गया था। पहले ओपन चैलेंज प्रोग्राम के माध्यम से इन सीओई के लिए 12 स्टार्टअप्स का चयन किया गया है।

चरण– II के तहत, 26 मार्च 2021 को 5 डोमेन–विशिष्ट सीओई का अनुमोदन किया गया था, जोकि इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय, भारत सरकार, राज्य सरकार, शैक्षणिक भागीदार और उद्योग के सहयोग से स्थापित किये जा रहें हैं, जो 5 वर्षों की अवधि में 203 स्टार्टअप्स का समर्थन करेंगे।

बेंगलुरू में एफिशिएंसी औगुमेंटेशन

स्वचालन और आधुनिकीकरण विनिर्माण उद्योग की संस्कृति में व्यापक बदलाव ला रहा हैं जिससे अत्यधिक कुशल श्रमिकों के लिए नए पदों का सृजन हो रहा हैं। इस बात पर बल दिया गया है कि विनिर्माण का भविष्य उद्योग 4.0 प्रौद्योगिकी प्रगति में निहित है। उद्योग 4.0 कंपनियों के निर्माण, सुधार और अनेक उत्पादों को वितरित करने में क्रांति ला रहा है। निर्माता आईओटी, एआई, एमएल और डेटा एनालिटिक्स सहित पूरे विनिर्माण कार्यों नई तकनीकों को एकीकृत कर रहे हैं।

एफिशिएंसी औगुमेंटेशन सीओई एक ओपन साइबर–फिजिकल सिस्टम (सीपीएस) इकोसिस्टम है जिसे प्रारंभिक चरण के नवाचार और प्रयोग को विकसित करने के लिए डिजाइन किया गया है। इस सीओई का उद्देश्य व्यावसायिक विचारों को तकनीकी डिलिवरेबल्स में बदलने के लिए सरकार, एसएमई/एमएसएमई और टेक स्टार्टअप लीडर्स के साथ काम करना है। यह सीओई उद्योग की जरूरतों का अनुमान लगाने और वास्तविक दुनिया की उद्योग संबंधी चुनौतियों का समाधान करने के लिए नेतृत्व प्रदान करेगा और प्रौद्योगिकी और प्रक्रियाओं को अपनाएगा।

इस सीओई की स्थापना एसटीपीआई द्वारा कर्नाटक सरकार, हेवलेट पैकर्ड एंटरप्राइज, विद्यार्थी शिक्षा सेवा ट्रस्ट (वीएसएस ट्रस्ट), युवा संघ और इंडिया इलेक्ट्रॉनिक्स एंड सेमीकंडक्टर एसोसिएशन (आईईएसए) के सहयोग से की जा रही है। यह सीओई अंतरराष्ट्रीय स्तर का होगा, जिसका उद्देश्य अंतरराष्ट्रीय समुदाय, उद्योग को एक साथ लाना है ताकि उद्योग (बुनियादी ढांचे और व्यापार परिवर्तन) और लोगों के विकास दोनों में उद्योग पर प्रौद्योगिकी के प्रभाव को संबोधित करने के लिए बहस, विचार–विमर्श हो,कार्य किये जा सके और नवाचार विकसित हो।

यहाँ उपलब्ध सुविधाओं और सेवाओं में बोर्ड/सम्मेलन कक्षों के साथ 100 से अधिक कार्यस्थानों को समायोजित करने के लिए अत्याधुनिक इन्क्यूबेशन केंद्र के साथ 16,000 वर्ग फुट का क्षेत्र शामिल है। स्मार्ट मैन्युफैक्चरिंग, स्मार्ट फार्मिंग, स्मार्ट एनर्जी, होम एंड ऑफिस ऑटोमेशन, स्मार्ट वाटर, कनेक्टेड ट्रांसपोर्टेशन मौसम की निगरानी, स्मार्ट अस्पताल, स्मार्ट सुरक्षा और बुद्धिमान संपत्ति की निगरानी पर ध्यान केंद्रित करने वाले स्टार्टअप द्वारा आवश्यक नेटवर्क, कंप्यूट और स्टोरेज एलिमेंट्स, डेवलपमेंट टूल्स/सॉफ्टवेयर और प्लेटफॉर्म की रेंज से लैस एक इनोवेशन एंड डेवलपमेंट लैब होगी।

चूंकि प्रशिक्षण कार्यक्रम सीओई द्वारा दी जाने वाली महत्वपूर्ण सेवाओं में से एक है, इसमें एक अच्छी तरह से सुसज्जित प्रशिक्षण कक्ष शामिल है। इसके अतिरिक्त, सीओई जोन होगा, जहां प्रशिक्षुओं के सीखने के लिए विभिन्न एक्चुएटर्स और सेंसर से जुड़े पीएलसी, पीएसी, वायरलेस सेंसर, ऑटोमेशन कंट्रोलर और आईआईओटी प्लेटफॉर्म जैसे विभिन्न उपकरण उपलब्ध होंगे।

यह सीओई 5 वर्षों की अवधि में 100 नवाचार स्टार्टअप्स को लक्षित करता है।

डॉ. पंजाबराव देशमुख कृषि विद्यापीठ अकोला में फसल

2050 तक वैश्विक जनसंख्या के 9.6 बिलियन तक पहुंचने का अनुमान है जो कृषि क्षेत्र के लिए अनेक चुनौतियां पेश करेगा हैं। चरम मौसम की स्थिति, बढ़ते जलवायु परिवर्तन और खेती के पर्यावरणीय प्रभाव जैसी इन चुनौतियों का मुकाबला करने के बावजूद, अधिक खाद्यान्न की मांग को भी पूरा करना होगा। इन बढ़ती जरूरतों को पूरा करने के लिए कृषि को नई तकनीक की ओर रुख करना होगा। आईओटी प्रौद्योगिकियों पर आधारित स्मार्ट खेती से उत्पादक और किसान बर्बादी को कम करने और कृषि की दक्षता बढ़ाने के लिए उर्वरक के उपयोग को अनुकूलित करने से उत्पादकता बढ़ाने में सक्षम होंगे। आईओटी अपने अत्यधिक इंटरऑपरेबल, स्केलेबल, व्यापक और खुली प्रकृति के कारण स्मार्ट खेती के लिए एक आदर्श योग है। स्मार्ट खेती के लिए आईओटी प्रौद्योगिकियों की इस विशाल क्षमता को महसूस करते हुए, अकोला में कृषि सीओई में एक आईओटी, फसल (फॉस्टरिंग एग्रीटेक स्टार्टअप्स फॉर्यूगमेंटिंग लाइवलीहुड), स्थापित किया जा रहा है जो डिजिटल खेती, फसल संरक्षण और प्रबंधन, प्रेडिक्टिव एनालिटिक्स और हाइड्रोपोनिक वीएफ सिस्टम सहित केंद्रित क्षेत्रों में पथ प्रदर्शक उत्पादों के निर्माण के लिए एग्रीटेक और एग्री आईओटी के क्षेत्र में होनहार स्टार्टअप की पहचान और मूल्यांकन करेगा और उनका पोषण करेगा ।

यह सीओई हाइड्रोपोनिक वीएफ सिस्टम का उपयोग करके ऑफ सीजन में किसानों की आय बढ़ाने के लिए स्मार्ट तकनीकों के विकास को सुविधाजनक बनाने में मदद करेगा। फसल सीओई का उद्देश्य खेती, शिपिंग और भोजन के भंडारण में चुनौतियों का समाधान करना और कृषि क्षेत्र में नई क्षमता का विकास करना है।

सीओई फसल की स्थापना सरकार, शिक्षा, उद्योग और उद्योग संघों के भागीदार और प्रमुख हितधारकों के सहयोग से की गई है। इसके हितधारकों में इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय, एसटीपीआई, डॉ पंजाबराव देशमुख कृषि विद्यापीठ अकोला और अन्य भागीदार जैसे कि आईसीएआर–भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान, एग्रीकल्चर इंश्योरेंस कंपनी ऑफ इंडिया लिमिटेड, कृषि विज्ञान केंद्र अकोला, कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी अकोला, सतश्योर एनालिटिस इंडिया प्रा. लिमिटेड, अमेजिंग एरियल सॉल्यूशंस प्रा. लिमिटेड, आईओकेयर, इंडियन सोसाइटी ऑफ एग्रीकल्चरल इंजीनियर्स (आईएसएई) और टाई मुंबई शामिल हैं।

यहाँ उपलब्ध सुविधाओं और सेवाओं में डॉ. पीडीकेवी, अकोला के परिसर में स्थित अत्याधुनिक इन्क्यूबेशन केंद्र के साथ 10,000 वर्ग फुट का क्षेत्र शामिल है। फसल में डोमेन विशिष्ट भौतिक प्रयोगशालाएँ होंगी जैसे डिजिटल फ्रेमिंग लैब, एग्री आईओटी लैब, प्रेडिक्टिव एनालिटिक्स लैब और हाई–टेक हाइड्रोपोनिक वर्टिकल फार्मिंग जो आवश्यक उपकरण व सॉफ्टवेयर के साथ स्थापित की गई है, जोकि स्टार्टअप्स को पीओसी, प्रोटोटाइप, उत्पाद विकास या उनके समाधानों की टेस्टिंग में सहयोग करेगी। यह सीओई एग्रीटेक डोमेन में काम करने वाले स्टार्टअप्स और उद्यमियों को प्रशिक्षण, सलाह, मार्केटिंग, नेटवर्किंग, आउटरीच, फंडिंग संसाधनों तक पहुंच, आईपीआर/पेटेंटिंग सहायता और अन्य आवश्यक सहायता प्रदान करेगा।

इस सीओई के पास अन्य वित्तीय संसाधनों तक पहुंच के अलावा प्रति स्टार्टअप 10 लाख रुपये तक की फंडिंग सहायता प्रदान करने का प्रावधान है।

इस सीओई का लक्ष्य 3 वर्षों की अवधि में 25 नवाचार स्टार्टअप्स को सहायता प्रदान करना है।

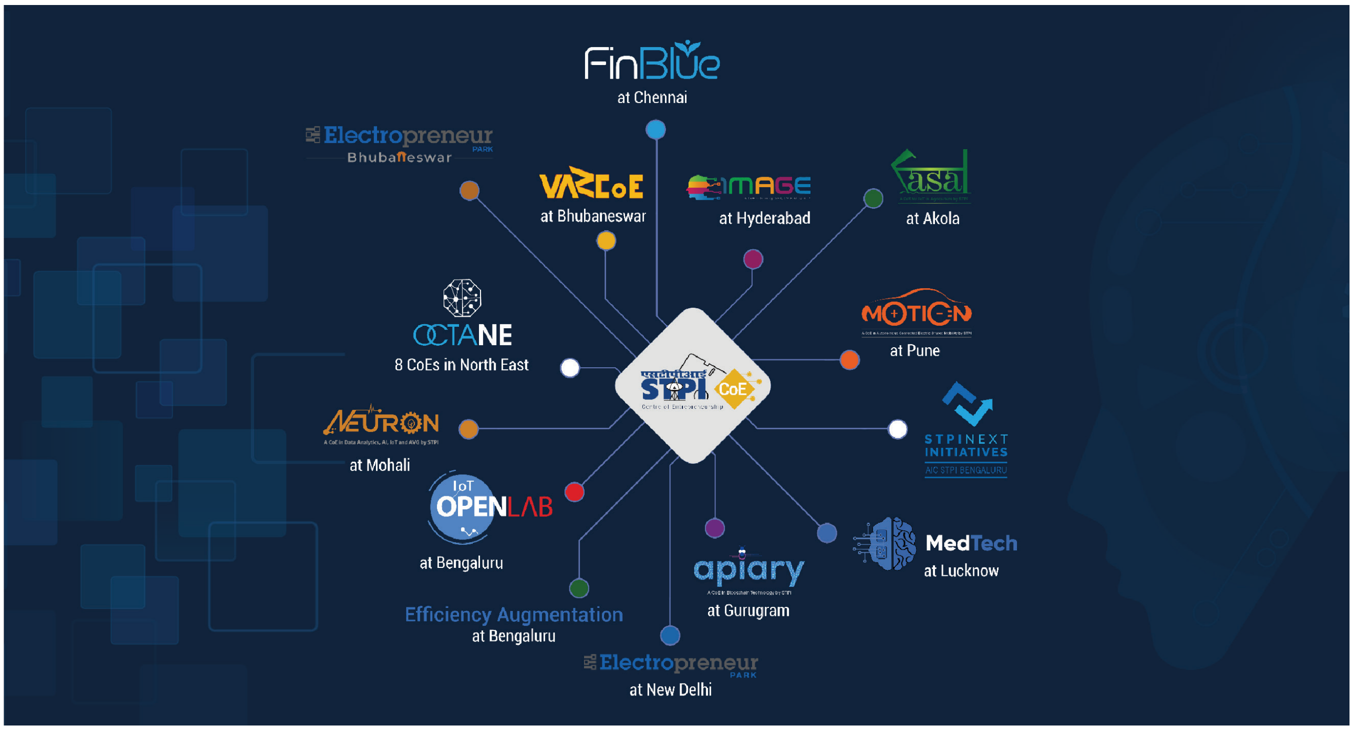

नेक्स्ट जेनरेशन इन्क्यूबेशन स्कीम (एनजीआईएस)

इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय, भारत सरकार ने चैंपियन सेक्टर सर्विसेज स्कीम के तहत नेक्स्ट जेनरेशन इनक्यूबेशन स्कीम (एनजीआईएस) को मंजूरी दी है। एसटीपीआई, एनजीआईएस लागू कर रहा है, जो एक व्यापक इन्क्यूबेशन योजना है, जिसका उद्देश्य भारत को एक सॉफ्टवेयर उत्पाद राष्ट्र बनाना है, ताकि भारत को नवाचार, कुशल और सुरक्षित सॉफ्टवेयर उत्पादों के विकास, उत्पादन और आपूर्ति में एक वैश्विक प्रतिस्पर्धी बनाया जा सके। एनजीआईएस का उद्देश्य एक सुदृढ़ आईटी उद्योग के पूरक के लिए सतत विकास, नए रोजगार और अपनी प्रतिस्पर्धात्मकता बढ़ाने के लिए टियर II और टियर– III शहरों में वाइब्रेंट सॉफ्टवेयर उत्पाद इकोसिस्टम प्रदान करना है। एनजीआईएस को 12 एसटीपीआई केन्द्रों (अगरतला, भिलाई, भोपाल, भुवनेश्वर, देहरादून, गुवाहाटी, जयपुर, लखनऊ, प्रयागराज, मोहाली, पटना और विजयवाड़ा) से शुरू किया गया है। एनजीआईएस आईटी/आईटीईएस/ईएसडीएम के क्षेत्र में लगभग 300 स्टार्टअप्स/उद्यमियों/एसएमई का समर्थन करेगा और उनसे 50 से अधिक पेटेंट/आईपीआर उत्पन्न करेगा। एनजीआईएस का कुल बजटीय परिव्यय 3 वर्ष की अवधि के लिए ₹ 95 करोड़ है।

एनजीआईएस का उद्घाटन तत्कालीन माननीय इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री श्री रविशंकर प्रसाद द्वारा 28 अगस्त 2020 को किया गया और पटना के लिए चुनौती कार्यक्रम शुरू किया गया। एनजीआईएस के तहत पहली चुनौती (चैलेंज हंट अंडर एनजीआईएस फॉर एडवांस्ड अनइनहीबीटेड टेक्नोलॉजी इंटरवेंशन) नामक स्टार्टअप्स चैलेंज प्रतियोगिता के लिए आवेदन का आमंत्रण 7 सितंबर 2020 को समाप्त हो गया है। 125 से अधिक मेंटर्स, 46 से अधिक नॉलेज पार्टनर्स ऑनबोर्ड और 20 से अधिक आयोजित ऑनलाइन आउटरीच प्रोग्राम के साथ (एसटीपीआई और एमएसएच द्वारा की गई अन्य आउटरीच गतिविधियों के अलावा), चुनौती को 1820 पूर्ण आवेदनों के रूप में जबरदस्त प्रतिक्रिया मिली है। बहु–स्तरीय स्क्रीनिंग और मूल्यांकन प्रक्रिया के बाद, 42 स्टार्टअप्स का चयन किया गया है।

संवर्धनात्मक कार्यकलाप

सूचना प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में अनुकूल परिवेश बनाकर छोटे और मध्यम उद्यमियों (एसएमई) को प्रोत्साहन

एसटीपीआई, इन्क्यूबेशन सेवाएं, कार्यक्रमों का आयोजन, प्रायोजन/सह आयोजन, कार्यक्रमों में भागीदारी,मानव संसाधन विकास और निर्यात संवर्धन प्रयासों द्वारा एसएमई और उनके उद्देश्यों को नीचे दिए अनुसार बढ़ावा दे रहा है:

इन्क्यूबेशन सेवा

एसटीपीआई अपने विभिन्न केन्द्रों पर स्टार्टअप्स इकाइयों को इन्क्यूबेशन सुविधाएँ प्रदान कर रहा है। इससे स्टार्टअप इकाइयों और उद्यमियों को बहुत मदद मिलती है।

कार्यक्रमों का आयोजन

- एसटीपीआई पुणे द्वारा उद्योग संघ एसईएपी (सॉफ्टवेयर एक्सपोर्टर एसोसिएशन ऑफ पुणे) के सहयोग से 20 अगस्त 2020 को एसटीपीआई सेवाओं और उद्योग के लिए पहल और एसटीपीआई द्वारा कोविड महामारी के दौरान निर्बाध सेवाएं प्रदान करने के प्रयासों से अवगत कराने के लिए एक ऑनलाइन इंटरैक्टिव आईटी उद्योग बैठक का आयोजन किया गया।
- एसटीपीआई जयपुर ने फिक्की के साथ वर्चुअल मोड के माध्यम से 14 से 15 अक्टूबर 2020 तक आयोजित डिजिटल राजस्थान कॉन्क्लेव के 5वें संस्करण का आयोजन किया ।
- एसटीपीआई बेंगलुरु ने 11 दिसंबर 2020 को वर्चुअल मोड के माध्यम से टाई के साथ टाई आईओटी मैट्रिक्स का सह–आयोजन किया।
- एसटीपीआई ने आईटी, बीटी और एसटी विभाग, कर्नाटक सरकार द्वारा आयोजित बेंगलुरु टेक समिट 2020 की सह–मेजबानी की। यह आयोजन 19 से 21 नवंबर 2020 तक वर्चुअल मोड के माध्यम से आयोजित किया गया था। एसटीपीआई ने आईटी एक्सपोर्ट अवार्ड प्रदान कर आईटी और इलेक्ट्रॉनिक्स हार्डवेयर इंडस्ट्री के प्रयासों को सराहा साथ ही, एसटीपीआई ने कर्नाटक क्षेत्र की 30 एमएसएमई कंपनियों के लिए निःशुल्क वर्चुअल एक्स्जिबिशन स्पेस प्रायोजित किया है।
- एसटीपीआई ने तमिलनाडु सरकार और टाई–चेन्नई के साथ 27 से 29 जनवरी 2021 तक संयुक्त रूप से ग्लोबल फिनटेक कार्यक्रम ''फिनटरएक्ट–2021'' का आयोजन किया जिसका उद्देश्य था, फिनटेक डोमेन के सामने आने वाली व्यापार, नियामक और तकनीकी चुनौतियों का समाधान करने के लिए एक सामान्य दृष्टिकोण विकसित करने के लिए सभी हितधारकों तक पहुंच। आयोजन के दौरान, सचिव, एमईआईटीवाई, भारत सरकार ने 27 जनवरी 2021 को फिनब्लू सैंडबॉक्स और फिनब्लू मार्केटप्लेस लॉन्च किया।
- एसटीपीआई ने एसटीपीआई पल्स वेबिनार श्रृंखला के तहत विभिन्न महत्वपूर्ण सत्रों का आयोजन किया, जिससे नीति, उभरती प्रौद्योगिकियों और नवाचार और उद्यमिता और भविष्य कौशल पर सरकार, उद्योग, शिक्षा और उद्योग संघों के प्रतिभाशाली वक्ताओं द्वारा ज्ञान साझा किया गया।

कार्यक्रमों में भागीदारी/प्रयोजन/सह प्रयोजन

- 22 मई 2020 को वर्चुअल मोड के माध्यम से आयोजित ''पोस्ट कोविड युग में डिजिटल क्रांति'' पर सीआईआई तेलंगाना डिजिटल शिखर सम्मेलन
- 11 से 12 जून 2020 तक आयोजित फिक्की वीमेनप्रेनयूर समिट
- 19 जून 2020 को वर्चुअल मोड के माध्यम से आयोजित डिजिटल कांफ्रेंस ऑन साइबर सिक्यूरिटी 2020
- 10 जुलाई 2020 को वर्चुअल मोड के माध्यम से कनेक्ट कोयंबटूर 2020 विथ सीआईआई
- 19 से 21 अगस्त 2020 तक वर्चुअल मोड के माध्यम से आयोजित आईईएसए विजन समिट 2020
- 1 से 4 सितंबर 2020 तक वर्चुअल मोड के माध्यम से आयोजित समिट एफएक्स 2020–ए ग्लोबल एवीजीसी समिट
- 14 –17 सितंबर 2020 तक वर्चुअल मोड के माध्यम से आयोजित इंडिया इनोवेशन समिट 2020
- 15 –19 सितंबर 2020 तक वर्चुअल मोड के माध्यम से आयोजित कनेक्ट 2020 चेन्नई
- 23 से 24 सितंबर 2020 तक वर्चुअल मोड के माध्यम से आयोजित 19वां सीआईआई आईसीटी ईस्ट ईस्टर्न रीजन
- 28 से 29 अक्टूबर 2020 तक वर्चुअल मोड के माध्यम से आयोजित ''री–इमेजिंग द फ्यूचर ऑफ बिजनस बियॉन्ड 2020'' पर कॉन्क्लेव
- 5 नवंबर 2020 को वर्चुअल मोड के माध्यम से आयोजित 28वां वार्षिक हाईजा इनोवेशन समिट
- 14–15 नवंबर 2020 तक वर्चुअल मोड के माध्यम से आयोजित ''आत्मनिर्भर भारत'' पर कॉन्क्लेव
- 1 से 2 दिसंबर 2020 तक वर्चुअल मोड के माध्यम से आयोजित दूसरा नैसकॉम इंटरनेशनल एसएमई कॉन्क्लेव
- 3 से 5 दिसंबर 2020 तक वर्चुअल मोड के माध्यम से आयोजित इंफोकॉम कोलकाता 2020
- 7 से 11 दिसंबर 2020 तक वर्चुअल मोड के माध्यम से आयोजित वर्ल्ड फिनटेक फेस्टिवल

- 8–12 दिसंबर 2020 तक वर्चुअल मोड के माध्यम से आयोजित टाई ग्लोबल समिट 2020
- 10 दिसंबर 2020 को वर्चुअल मोड के माध्यम से आयोजित नैसकॉम टेक इनोवेशन कॉन्क्लेव
- 27 से 30 जनवरी 2021 तक वर्चुअल मोड के माध्यम से आयोजित टाईकॉन दिल्ली–एनसीआर 2021
- 30 जनवरी 2021 को वर्चुअल मोड के माध्यम से टाईकॉन हुबली 2021 आयोजित
- 11 फरवरी 2021 को वर्चुअल मोड के माध्यम से आयोजित सीआईआई – एनुअल आईटी कांफ्रेंस 2021
- 26 से 27 फरवरी 2021 तक वर्चुअल मोड के माध्यम से आयोजित 8वां अंतर्राष्ट्रीय डेटा साइंस समिट
- 9 से 31 मार्च 2021 तक वर्चुअल मोड के माध्यम से आयोजित इंडियासॉफ्ट 2021–अंतर्राष्ट्रीय आईटी प्रदर्शनी और सम्मेलन
- 15 से 20 मार्च 2021 तक भोपाल में आयोजित सार्थक एडुविजन 2021
- 24–26 मार्च, 2021 को नई दिल्ली में आयोजित 28वां कन्वर्जेंस इंडिया एक्सपो 2021

बेंगलुरू टेक सम्मिट 2020

एसटीपीआई देहरादून में इन्क्यूबेशन केन्द्र का शिलान्यास

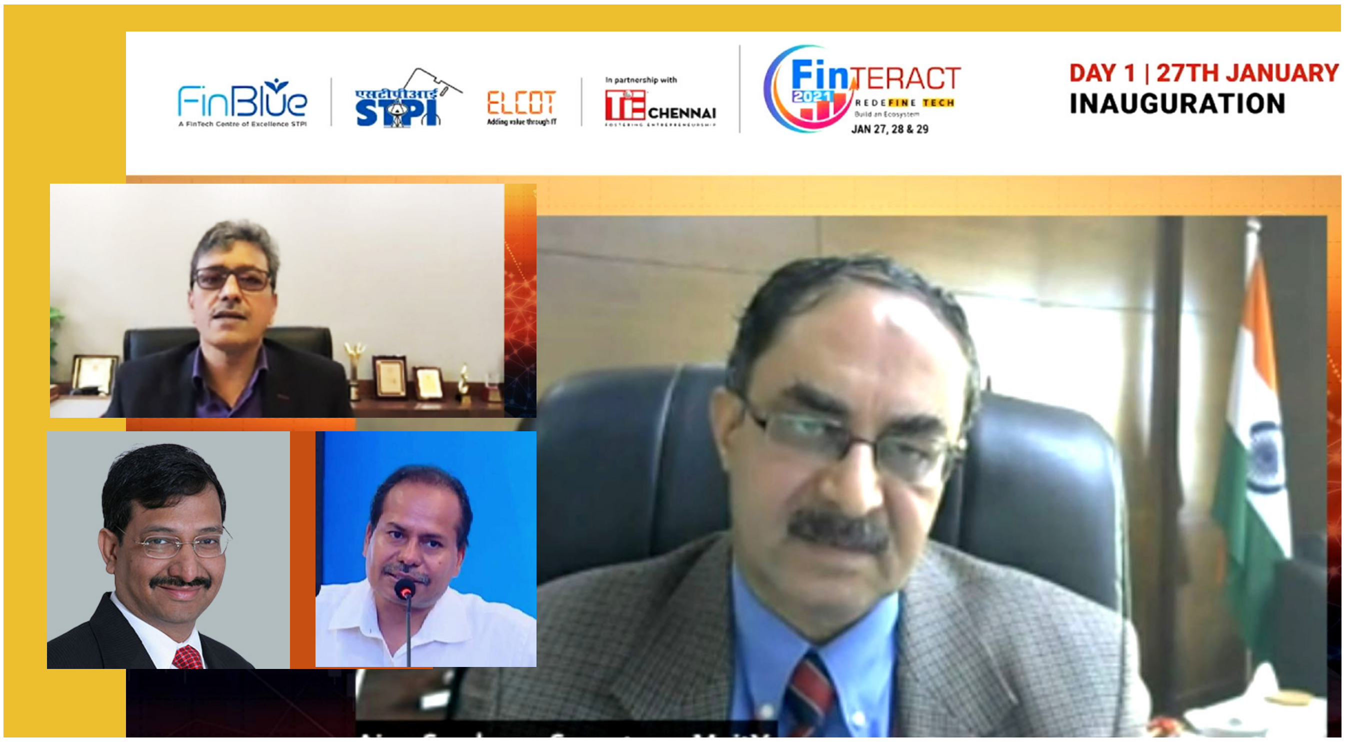

फिन्टरएक्ट 2021 सम्मेलन

एसटीपीआई का वित्तीय विश्लेषण

एसटीपीआई की वित्तीय वर्ष 2020–21 के दौरान कुल राजस्व आय ₹ 227.70 करोड़ थी। ₹ 2.01 करोड़ के अधिशेष के साथ राजस्व व्यय ₹ 225.69 करोड़ (अवमूल्यन के साथ) है। पूर्व अवधि के मदों के समायोजन के बाद तुलन पत्र में ₹ 31.03 करोड़ के अधिशेष को लाया गया। निम्नलिखित ग्राफ आय और व्यय के रुझानो को प्रदर्शित करता है:

(₹ करोड़ में)

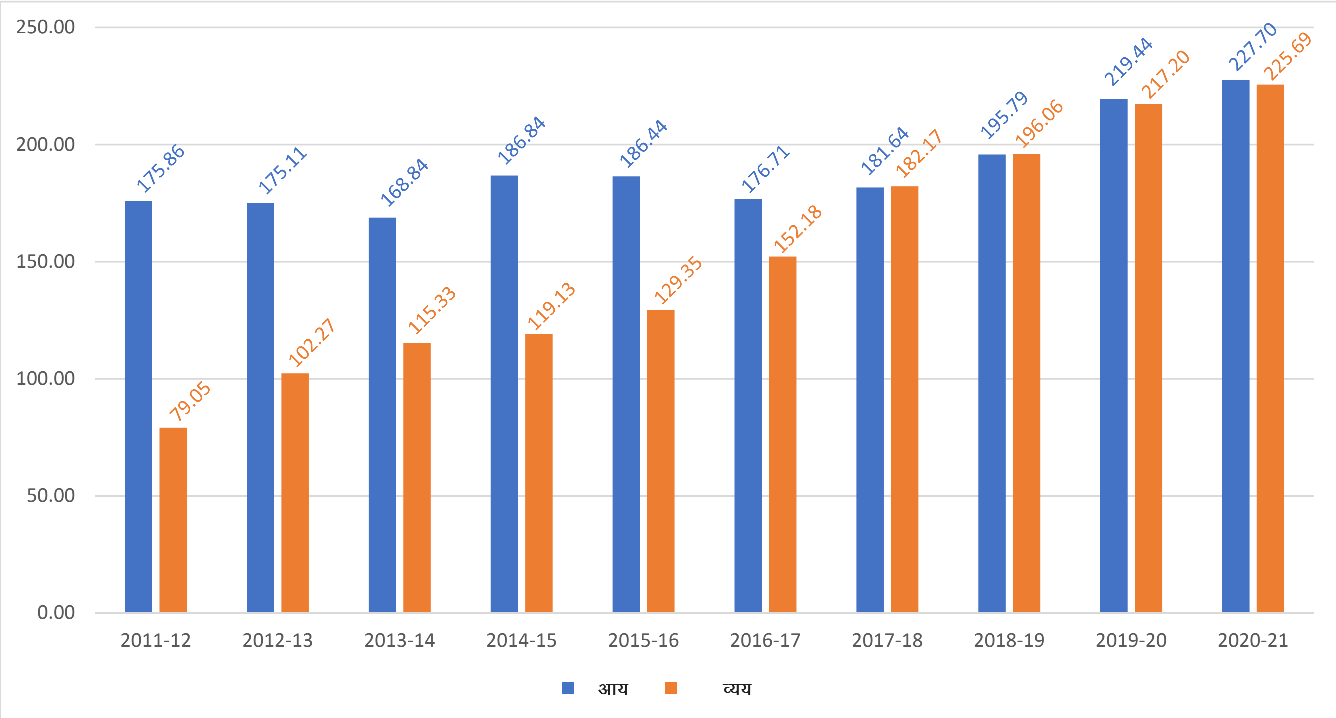

लेखा विवरण

वित्तीय वर्ष 2020–21 के लेखाओं का संपरीक्षित विवरण अनुबंध–1 में दिया गया है ।

आभार

परिषद, भारत सरकार के विभिन्न मंत्रालयों और विभागों, भारतीय रिजर्व बैंक, विभिन्न राज्य सरकारों, देशों में स्थित भारतीय मिशनों, अंतर्राष्ट्रीय वाहकों, हमारे बैंकरों, एसटीपीआई इकाइयों के सदस्यों, सॉफ्टवेयर उद्योग संघों तथा सांविधिक लेखा परीक्षकों से प्राप्त सहयोग के लिये उनका कृतज्ञतापूर्वक आभार व्यक्त करती है। परिषद, एसटीपीआई के सफलतापूर्वक कार्य करने के लिए, इसके अधिकारियों/कर्मचारियों के अथक प्रयासों के लिये उनका भी आभार मानती है।

(अश्विनी वैष्णव)
अध्यक्ष, शासी परिषद,
सॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजी पार्क्स ऑफ इंडिया
और
रेल, संचार तथा इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री,
भारत सरकार

अनुबंध –1

वार्षिक लेखा

31 मार्च, 2021 को समाप्त अवधि के लिए

स्वत्रंत लेखा परीक्षक रिपोर्ट

शासी परिषद
सॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजी पार्क्स ऑफ इंडिया, नई दिल्ली

दृष्टिकोण

हमने सॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजी पार्क्स ऑफ इंडिया, नई दिल्ली के संलग्न वित्तीय विवरण पत्र की लेखा परीक्षा की है जिसमे 31 मार्च, 2021 की स्थिति के अनुसार तुलन–पत्र और इस वर्ष की समाप्ति पर आय और व्यय एवं नकदी प्रवाह विवरण–पत्र तथा महत्वपूर्ण लेखांकन प्रतियों का संक्षेप और अन्य विवरणात्मक सूचना और वित्तीय विवरण जिसमे भुवनेश्वर, बेंगलूरू, चेन्नै, गांधीनगर, गुवाहाटी, हैदराबाद, महाराष्ट्र और तिरुवनंतपुरम के निदेशालय के लेखा परीक्षकों द्वारा उस तारीख को समाप्त वित्तीय वर्ष के लेखा परीक्षित वित्तीय विवरण पर टिप्पण शामिल हैं।

हमारे दृष्टिकोण में एवं हमारी सर्वोत्तम जानकारी और हमे दिये गए स्पष्टीकरणों के अनुसार सिवाए हमारे रिपोर्ट के दृष्टिकोण के आधार के भाग में वर्णित मामलों के प्रभाव को छोड़ कर संलग्न वित्तीय विवरण 31 मार्च 2021 की तारीख की स्थिति के अनुसार सोसाइटी की वित्तीय स्थिति और भारत के सनदी लेखाकार संस्थान (आईसीएआई) द्वारा जारी लेखा मानकों के अनुरूप वर्ष की समाप्ति पर इसके वित्तीय निष्पादन और नकदी प्रवाह का एक सही और उचित चित्र प्रस्तुत करता है।

दृष्टिकोण के आधार

संस्था ने "सरकारी अनुदान का लेखांकन" लेखा मानक (एएस)–12 को वित्त वर्ष 2018–19 से लागू किया है। वित्त वर्ष 2018–19 में सोसाइटी ने पिछली रिपोर्टिंग अवधि 31 मार्च 2015 से 31 मार्च 2018 के दौरान हुए अनुपालन में चालू वर्ष के दौरान सुधार किया है। इसके अलावा, सोसायटी ने वित्तीय वर्ष 2019–20 में पिछली रिपोर्टिंग अवधि यानी 31 मार्च, 2005 से 31 मार्च, 2014 तक गैर–अनुपालन में सुधार किया है।

चालू वित्त वर्ष के दौरान 31 मार्च 1999 से 31 मार्च 2004 के दौरान हुए अनुपालन में चालू वर्ष के दौरान सुधार किया गया है। इसी कारण संस्था ने उन रिपोर्टिंग अवधियों के दौरान ₹ 3097.45 लाख के अतिरिक्त मूल्य प्रभार का प्रतिलेखन किया है। कृपया वित्तीय विवरण संख्या 13 का संदर्भ ग्रहण करें। तथापि, मार्च 1998 से पूर्व एएस–12 के अनुपालन का प्रभाव जारी है।

हमने अपनी लेखा परीक्षा भारतीय सनदी लेखाकार संस्थान द्वारा जारी लेखा परीक्षा मानकों (एएस) के अनुसार की है । उन मानकों के अनुसार हमारे उत्तरदायित्व हमारे रिपोर्ट के "वित्तीय विवरणों की लेखा परीक्षा के लिए लेखा परीक्षकों के उत्तरदायित्व" भाग में आगे वर्णित हैं। हम भारतीय सनदी लेखाकार संस्थान द्वारा जारी आचार संहिता के अनुसार सोसाइटी से स्वतंत्र हैं और इन अपेक्षाओं तथा आचार संहिता के अनुसार हमने अपने अन्य नैतिक दायित्वों का निर्वहन किया है। हमें विश्वास है कि हमें प्राप्त लेखा परीक्षा के साक्ष्य वित्तीय विवरण–पत्र हमारी लेखा परीक्षा संबंधी राय प्रदान करने के लिए पर्याप्त और उचित हैं।

ध्यान देने योग्य बातें

अपने दृष्टिकोण में किसी प्रकार का परिवर्तन किये बगैर, हम वित्तीय विवरणों की टिप्पणियों में निम्नलिखित मामलों पर ध्यान आकर्षित करते हैं:–

बेतार आयोजना समन्वय की डब्ल्यू/टी लाइसेन्स शुल्क का लेखाओं में न दर्ज करने/मिलान करने के बारे में वित्तीय विवरण की अनुसूची 22 क की टिप्पणी 7 पर 31 दिसम्बर, 2004 तक दूरसंचार विभाग द्वारा माँगी गई ₹ 630.20 लाख रु. की राशि में से ₹ 560.97 लाख रु.की राशि की अदायगी कर दी गई है तथा इसे खाते में दर्ज कर दिया गया है । 01.01.2005 से 31.03.2021 तक की बाद की अवधि के लिए व्यव का प्रावधान नहीं किया गया है।

वित्तीय विवरणों के लिए प्रबन्धन और प्रशासन से सम्बंधित व्यक्तियों का उत्तरदायित्व

इन वित्तीय विवरण को तैयार करने की जिम्मेदारी प्रबंधन वर्ग की है, जो भारत के सनदी लेखाकार संस्थान और सोसाइटिज रजिस्ट्रेशन अधिनियम, 1860 द्वारा जारी, भारत में सामान्य तौर पर मान्य लेखांकन सिद्धांतों के अनुसार सोसाइटी की वित्तीय स्थिति, वित्तीय कार्य निष्पादन एवं नकदी प्रवाह का सही और उचित चित्र प्रस्तुत करता है। इस जिम्मेदारी में सोसाइटी की परिसंपत्ति की सुरक्षा और धोखाधड़ी तथा अन्य विनियमितताओं की पहचान करने और उसे रोकने के लिए पर्याप्त लेखांकन रिकॉर्ड बनाए रखना, समुचित लेखांकन

नीतियों का चयन और अनुप्रयोग, तर्कसंगत और विवेकपूर्ण निर्णय लेना और अनुमान व्यक्त करना और ऐसे पर्याप्त आंतरिक वित्तीय नियंत्रण की रूपरेखा तैयार करना, उसका कार्यान्वयन और उसका अनुरक्षण करना है, जो लेखांकन रिकॉर्ड की यथार्थता और पूर्णता सुनिश्चित करने के लिए प्रभावकारी रूप से कार्य कर रहा है, जो वित्तीय विवरण तैयार करने और उसके प्रस्तुतीकरण से संबन्धित हैं और यह धोखाधड़ी अथवा त्रुटि से उत्पन्न सभी प्रकार के मिथ्या कथन से मुक्त एकदम उचित तथा निष्पक्ष स्थिति प्रस्तुत करता है।

वित्तीय विवरण तैयार में यह प्रबंधन की जिम्मेदारी होती कि वह संस्था के एक उन्नतिशील प्रतिष्ठान बने रहने की क्षमता, उन्नतिशील प्रतिष्ठान से सम्बंधित यथा अनुप्रयोज्य मामलों को दर्शाना, प्रतिष्ठान के लेखांकन आधार का प्रयोग करना, जब तक कि प्रबंधन संस्थान का परिसमापन करने अथवा इसका परिचालन समाप्त करने का इरादा न रखता हो या उसके पास ऐसा करने के अलावा और कोई वास्तविक विकल्प न हो ।

प्रशासन से सम्बंधित व्यक्तियों पर संस्थान के वित्तीय रिपोर्टिंग प्रक्रिया के पर्यवेक्षण का दायित्व है ।

वित्तीय विवरणों की लेखा परीक्षा के प्रति लेखा परीक्षकों का उत्तरदायित्व

हमारा उद्देश्य इस संबंध में यथोचित आश्वासन प्राप्त करना है कि क्या धोखाधड़ी अथवा त्रुटि किसी भी वजह से वित्तीय विवरण समग्र रूप से मिथ्या कथन से मुक्त हैं और साथ ही सुविचारित राय से युक्त लेखा परीक्षा रिपोर्ट जारी करना है। यथोचित आश्वासन उच्च स्तरीय आश्वासन होता है किन्तु यह इस बात की सुनिश्चितता नहीं है कि लेखांकन मानकों के अनुसार की गयी लेखा परीक्षा मिथ्या कथन यदि विद्यमान भी हो, की सदैव पहचान कर लेगी। मिथ्या कथन धोखाधड़ी या त्रुटि से उत्पन्न होती है और यदि अकेले या सामूहिक रूप से वे इन वित्तीय विवरणों के आधार पर प्रयोक्ता द्वारा लिए गए निर्णय पर प्रभाव डालते हैं तो उन्हें महत्वपूर्ण समझा जाता है।

लेखांकन मानक के अनुसार, लेखा परीक्षा के एक भाग के रूप में, हम पूरी लेखा परीक्षा में पेशेवर निर्णय लेते हैं और पेशेवर नजरिया बनाये रखते हैं। हम निम्नलिखित कार्य भी करते हैं:–

- वित्तीय विवरणों के जोखिमों की पहचान और उसका मूल्यांकन करते हैं चाहे वे धोखाधड़ी के कारण हो या त्रुटि के कारण, उन जोखिमों से निपटने के लिए लेखा प्रक्रिया तैयार करते हैं और लेखा परीक्षा करते हैं और लेखा परीक्षा सम्बन्धी साक्ष्य प्राप्त करते हैं जो हमारे सुविचारित राय के लिए पर्याप्त और समुचित हो। धोखाधड़ी के कारण उत्पन्न मिथ्या कथन की पहचान न कर पाने के खतरे का प्रभाव त्रुटि के कारण उत्पन्न किसी खतरे से प्रभाव से अधिक होता है क्योंकि धोखाधड़ी में सांठ–गाँठ, जालसाजी, साभिप्राय चूक, गलतबयानी, आतंरिक नियंत्रण में उल्लंघन शामिल हो सकता है।
- ऐसी परिस्थितियों में उपयुक्त लेखा परीक्षा प्रक्रिया तैयार करने के लिए सम्बद्ध आतंरिक नियंत्रण प्रणाली हासिल करते हैं ।
- प्रयुक्त लेखांकन नीतियों की उपयुक्तता और लेखांकन आकलनों की विश्वसनीयता और प्रबंधन द्वारा किये गए सम्बंधित प्रकटन का मूल्यांकन करते हैं।
- प्रतिष्ठान के लेखांकन आधार का प्रबंधन द्वारा उपयोग और प्राप्त लेखा परीक्षा के आधार, चाहे कार्यकलापों से सम्बंधित अनिश्चितताएं विद्यमान हों अथवा ऐसी परिस्थितियां विद्यमान हों जिससे प्रतिष्ठान को चलाने में सोसाइटी की क्षमता पर व्यापक प्रभाव पड़ता हो, के आधार के औचित्य के संबंध में निष्कर्ष निकलना । यदि हम यह निष्कर्ष निकलते हैं कि अनिश्चितताएं विद्यमान हैं तो हम अपने लेखा परीक्षा प्रतिवेदन रिपोर्ट में वित्तीय विवरणों से सम्बंधित प्रकटन पर ध्यान आकर्षित करते हैं या यदि ऐसे प्रकटन अपर्याप्त होते हैं तो अपनी राय में परिवर्तन करते हैं। हमारे निष्कर्ष हमारे लेखा परीक्षा प्रतिवेदन में प्राप्त अद्यतन साक्ष्यों पर आधारित होते हैं। हालांकि भविष्य की गतिविधियों या परिस्थितियों के कारण हो सकता है सोसाइटी एक लाभकारी संस्था न रहे है।
- वित्तीय विवरणों में प्रकटन सहित समग्र प्रस्तुतिकरण, संरचना और विषय वस्तु का मूल्यांकन करते हैं और इस बात का भी मूल्यांकन करते हैं कि क्या वित्तीय विवरणों में कारोबार और कार्यक्रम इस प्रकार दी गयीं हैं कि निष्पक्षता प्रदर्शित होती हो ।

हम प्रशासन से सम्बंधित व्यक्तियों को अन्य बातों के अतिरिक्त योजनागत कार्य क्षेत्र, लेखा परीक्षा का समय और लेखा परीक्षा के दौरान पहचान किये गए आतंरिक नियंत्रण में महत्वपूर्ण खामियों सहित महत्वपूर्ण लेखा परीक्षा निष्कर्षों की जानकारी देते हैं।

हम प्रशासन से सम्बंधित व्यक्तियों को इस संबंध में एक वक्तव्य भी प्रदान करते हैं कि हमने अपनी स्वतंत्रता में और उनके साथ सभी स्तरों पर संचार तथा ऐसे अन्य मामलों में, जिसका हमारी स्वंत्रता पर प्रभाव पड़ता हो, नैतिक अपेक्षाओं का अनुपालन किया है और जहाँ कहीं भी उपयुक्त हुआ सुरक्षोपाय अपनाये।

अन्य मामले

हमने आठ निदेशालयों के वित्तीय विवरणों की लेखा परीक्षा नहीं की है, जिनके वित्तीय विवरणों में 31 मार्च, 2021 की तारीख को कुल

परिसंपत्तियां ₹ 33,061.13 लाख और उस तारीख को समाप्त वर्ष में कुल राजस्व ₹15,294.32 लाख दिखाए गए हैं। इन निदेशालयों के वित्तीय विवरणों की लेखा परीक्षा निदेशालयों के लेखा परीक्षकों द्वारा की गयी है जिनके रिपोर्ट हमें प्रस्तुत किये गए हैं और निदेशालयों से सम्बंधित राशि और प्रकटन के संबंध में हमारी राय केवल निदेशालयों के लेखा परीक्षकों के रिपोर्ट पर ही आधारित है।

इन मामलों में हमारा मत नहीं बदला है ।

अन्य विधिक एवं विनियामक आवश्यकताओं के बारे में रिपोर्ट

क) हमने ऐसी सभी सूचनाएं और स्पष्टीकरण प्राप्त कर लिए है, जोकि हमारे सर्वोत्तम जानकारी और विश्वास के अनुसार हमारी लेखा परीक्षा के प्रयोजन से आवश्यक थे।

ख) हमारी राय में खाता बहियों की जांच से पता चलता है कि सोसाइटी ने खाता बहियों को विधि के अनुसार यथा अपेक्षित तरीके से रखा है।

ग) इस रिपोर्ट में चर्चा किये गए तुलन पत्र, आय व्यय लेखा विवरण सहित नकदी प्रवाह विवरण सम्बद्ध बही खातों के अनुरूप हैं।

कृते जे.सी.भल्ला एंड को.
सनदी लेखाकार
फर्म पंजीकरण सं.001111एन

(अखिल भल्ला)
भागीदार
सदस्य सं.505002
यूडीआईएन 22505002ABHVZZ9612

स्थानः नई दिल्ली
दिनांकः 11 फरवरी, 2022

लेखा परीक्षक

वार्षिक लेखा
वित्तीय वर्ष 2020–21 के लिए

भारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (सी एंड एजी आई) की सिफारिश के आधार पर एसटीपीआई के लिए सांविधिक और शाखा लेखा परीक्षक नियुक्त किए गए हैं। इनकी सूची निम्न प्रकार हैः–

क्रम सं	लेखा परीक्षक कम्पनी का नाम	लेखा परीक्षा के लिए आवांटित केन्द
1	जे.सी.भल्ला एंड कंपनी बी–17,महारानी बाग, नई दिल्ली–110065	लेखा का समेकन, लेखा परीक्षा एसटीपीआई–मुख्यालय, एसटीपीआई– नोएडा, मोहाली, जयपुर, इन्दौर, श्रीनगर, लखनऊ, देहरादून, शिमला, कानपुर, भिलाई, प्रयागराज और गुरूग्राम
2	राजगोपाल एंड बद्री नारायण न.15/I, फ्लोर, II मेन यल्लिकवल बेंगलुरु कर्नाटक, पिन कोड–560003	बेंगलुरु, हैदराबाद और चेन्नई इकाई की लेखा परीक्षा
3	उदय जैन एंड एसोसिएट्स यूनिट न0 201, 2 फ्लोर,टावर एस 4 फेज II, साइबर सिटी, मागरपट्टा टाउनशिप हदसपुर, पुणे, महाराष्ट्र पिन कोड–411013	पुणे, नवी मुंबई एवं गांधीनगर इकाई की लेखा परीक्षा
4	बी.एन.मिश्रा एंड को. एस–29, मैत्री विहार, फेज II, टेक महिंद्रा के सामने, भुवनेश्वर, ओडिशा	भुवनेश्वर और गुवाहाटी इकाई की लेखा परीक्षा
5	वी.आर एस आर एंड को. सी–6, उल्लासनगर, पेरुकादा पीओ तिरूवनंतपुरम–695023,केरल	तिरूवनंतपुरम की लेखा परीक्षा

31 मार्च, 2021 की स्थिति के अनुसार तुलन–पत्र

(राशि ₹ में)

विवरण		Schedule No.	Current Year	Previous Year
निधियों का स्त्रोतः				
सामान्य निधि		1	768,55,29,279	737,51,57,511
आरक्षित एवं आधिक्य		2	10,63,18,566	13,63,18,566
चिन्हित निधि		3	141,15,59,460	163,49,41,384
	(क)		920,34,07,305	914,64,17,461
अन्तर इकाई लेखा	(ख)	4	-	-
ऋण निधि				
आरक्षित ऋण		5	-	-
अनारक्षित ऋण			5,70,00,000	5,70,00,000
	(ग)		5,70,00,000	5,70,00,000
आस्थगित कर देयताए	(घ)		-	-
कुल (क+ख+ग+घ)			**926,04,07,305**	**920,34,17,461**
निधियों का प्रयोगः				
परिसपंत्ति, संयंत्र और उपस्कर				
सकल खण्ड		6	577,48,25,200	502,48,90,226
घटाइएः संचित मूल्यह्रास			278,75,13,157	263,33,42,422
निवल खण्ड			298,73,12,043	239,15,47,804
प्रगति पर पूँजीगत कार्य		7	173,94,15,368	166,05,50,192
	(च)		**472,67,27,411**	**405,20,97,996**
निवेश	(छ)	8	4,80,18,882	4,80,20,531
आस्थगित कर परिसम्पत्तियाँ	(ज)		-	-
चालू परिसम्पत्तियाँ, ऋण तथा पेशगियाँ				
मालसूची		9	-	-
फुटकर देनदार		10	24,58,84,342	20,90,54,344
शेष नकद		11	8,287	10,338
ऋण तथा पेशगियाँ		12	471,64,95,136	525,26,60,856
बैंक में शेष जमा राशि		11	425,57,55,631	433,51,67,456
प्रचालनपूर्व			1,41,69,784	7,17,00,663
घटाइएः चालू देयताएं तथा प्रावधान			-	-
चालू देयताएं		13	257,76,76,312	263,06,58,581
प्रावधान		14	216,89,75,852	213,46,36,142
निवल चालू परिसम्पत्तियाँ	(झ)		**448,56,61,012**	**510,32,98,934**
कुल (च+छ+ज+झ)			**926,04,07,305**	**920,34,17,461**
महत्वपूर्ण लेखाकंन नीतियां तथा लेखाओं पर की गई टिप्पणियाँ		**22 & 22क**		

संलग्न नोट वित्तीय विवरण के अभिन्न भाग हैं।

कृते सॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजी पार्क्स ऑफ इंडिया

उक्त तिथि के लिए हमारी पृथक रिपोर्ट के अनुसार
कृते जे सी भल्ला एंड कम्पनी
सनदी लेखाकार
पंजीकरण सं– 001111एन

(सचिन जैन)
(मुख्य वित्त अधिकारी)

(देवेश त्यागी)
वैज्ञानिक "जी"

(अरविन्द कुमार)
महानिदेशक

(अखिल भल्ला)
भागीदार
सदस्यता सं. 505002

स्थानः नई दिल्ली
दिनांकः 11 फरवरी, 2022

31 मार्च, 2021 की स्थिति के अनुसार आय–व्यय लेखा

(राशि ₹ में)

विवरण	अनुसूची सं0	चालू वर्ष	पिछला वर्ष
आय			
प्रचालन आय	15	199,21,76,088	188,38,60,215
अर्जित ब्याज	16	25,51,19,140	28,14,44,185
अन्य आय	17	2,97,29,542	2,91,83,893
कुल		**227,70,24,769**	**219,44,88,293**
व्यय			
डाटा लिंक प्रभार		5,83,15,384	6,25,40,387
परियोजना व्यय		30,49,27,711	17,06,31,786
कर्मचारियों की पारिश्रमिकी एवं लाभ	18	93,95,75,332	97,01,09,310
बिक्री, प्रशासन एवं अन्य व्यय	19	54,11,61,749	61,50,91,176
ब्याज एवं वित्त प्रभार	20	34,62,826	38,41,927
मूल्यह्रास	6	40,94,75,725	34,98,10,169
कुल		**225,69,18,728**	**217,20,24,755**
कर से पूर्व आधिक्य/(कमी) तथा पूर्व अवधि समायोजन		**2,01,06,042**	**2,24,63,538**
पूर्व अवधि समायोजन	21	29,02,65,727	1,13,75,293
कर से पूर्व आधिक्य/(कमी)		**31,03,71,768**	**3,38,38,831**
कराधान के लिए प्रावधान			
वर्तमान आयकर		-	-
आस्थगित कर		-	-
कुल कर व्यय		-	-
कर के बाद आधिक्य/(कमी)		**31,03,71,768**	**3,38,38,831**
आधिक्य/(कमी) को तुलनपत्र में लाया गया		31,03,71,768	3,38,38,831
महत्वपूर्ण लेखांकन नीतियाँ तथा लेखाओं पर दी गई टिप्पणिया	22 & 22A		

संलग्न नोट वित्तीय विवरण के अभिन्न भाग हैं।

कृते सॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजी पार्क्स ऑफ इंडिया

उक्त तिथि के लिए हमारी पृथक रिपोर्ट के अनुसार
कृते जे सी भल्ला एंड कम्पनी
सनदी लेखाकार
पंजीकरण सं– 001111एन

(अखिल भल्ला)
भागीदार
सदस्यता सं. 505002

(सचिन जैन)
(मुख्य वित्त अधिकारी)

(देवेश त्यागी)
वैज्ञानिक "जी"

(अरविन्द कुमार)
महानिदेशक

स्थान: नई दिल्ली
दिनांक: 11 फरवरी, 2022

31 मार्च, 2021 की स्थिति के अनुसार नगद प्रवाह विवरण

(राशि ₹ में)

	विवरण	चालू वर्ष	पिछला वर्ष
1	**प्रचालन गतिविधियों से नगदी प्रवाह**		
	कर एवं गत अवधि समायोजन से पहले निवल आधिक्य	2,01,06,042	2,24,63,538
	के लिए समायोजनः–		
	मूल्यह्रास	40,94,75,725	34,98,10,169
	ब्याज व्यय	34,62,826	38,41,927
	विविध देनदारों के लिए प्रावधान बट्टे खाते में डाले गए	(14,02,380)	(38,80,856)
	संयुक्त उद्यमों से प्राप्त लाभांश	(1,14,10,000)	(45,64,000)
	विविध ऋण शेष बट्टे खाते में डाले गए	(27,52,370)	(24,35,101)
	सेवानिवृति लाभ हेतु प्रावधान	4,00,37,054	11,33,63,481
	संदेहास्पद ऋण हेतु प्रावधान	49,99,036	60,65,329
	अशोध्य ऋण बट्टे खाते में डाले गए	5,06,919	1,15,774
	अचल सम्पत्ति की बिक्री पर लाभ/हानि	(3,92,901)	(9,91,764)
	ब्याज पर आय	(25,51,19,140)	(28,14,44,186)
	पूर्व अवधि आय	(29,54,99,963)	(24,50,79,386)
	विदेशी मुद्रा अस्थिरता से हानि	1,27,424	34,56,054
	आस्थगित कर परिसंपत्ति	-	23,93,74,292
	आस्थगित टैक्स देयता	-	(4,87,45,418)
	कार्यशील पूंजी परिवर्तन से पहले परिचालन आधिक्य	**(8,78,61,727)**	**15,13,49,854**
	के लिए समायोजनः–		
	विविध देनदारों में (वृद्धि)/कमी	(3,68,29,998)	(3,60,07,213)
	ऋण व अग्रिम में (वृद्धि)/कमी	(34,35,53,280)	(1,20,32,39,123)
	स्टॉक सूची में (वृद्धि)/कमी	-	-
	चालू देयतायों और प्रावधान में वृद्धि/(कमी)	(1,86,42,559)	51,74,30,225
	गत अवधि समायोजन से पहले प्रचालन से उत्पन्न/(में प्रयुक्त) नगदी	**(48,68,87,565)**	**(57,04,66,258)**
	पूर्व अवधि समायोजन	29,02,65,727	1,13,75,293
	कर से पूर्व प्रचालन से उत्पन्न/(में प्रयुक्त)	(19,66,21,838)	(55,90,90,964)
		(19,66,21,838)	**(55,90,90,964)**
	प्रचालन गतिविधियों से/(में प्रयुक्त) निवल नगदी	**(19,66,21,838)**	**(55,90,90,964)**
2	**निवेश गतिविधियों से नगद प्रवाह**		
	अचल संपत्ति की खरीद	(24,51,84,530)	(9,86,15,751)
	संपत्ति की बिक्री	4,38,846	17,01,905
	निवेश की बिक्री/(खरीद)	1,649	(12,049)
	संयुक्त उद्यमों से प्राप्त लाभांश	1,14,10,000	45,64,000
	पूंजीगत कार्य प्रगति पर	(15,74,87,848)	(15,33,40,914)
	अनुसूचित बैंको में जमा	4,17,56,061	69,55,67,961
	प्राप्त ब्याज	28,61,58,958	30,40,08,048
	पूर्व परिचालन व्यय में वृद्धि/(कमी)	5,75,30,879	(4,37,42,930)
	निवेश गतिविधियों से/(में प्रयुक्त) निवल नगद	**(53,75,985)**	**71,01,30,270**
3	**वित्तीय गतिविधियों से नगद प्रवाह**		
	ब्याज व्यय	34,62,826	(3,72,768)
	चिन्हत कोष में वृद्धि/(कमी)	19,19,17,000	18,40,66,800
	सुरक्षित ऋण में वृद्धि/(कमी)	-	-
	असुरक्षित ऋण में वृद्धि/(कमी)	-	-
	वित्तीय गतिविधियों से/(में प्रयुक्त) निवल नगद	**19,53,79,826**	**18,36,94,032**
4	नगद व नगद समान में निवल वृद्धि/कमी	(66,17,997)	33,47,33,338
5	वर्ष के आरम्भ में नगद व नगद समान	100,66,30,971	67,18,97,633
	वर्ष के अंत में नगद व नगद समान	**100,00,12,974**	**100,66,30,971**

संलग्न नोट वित्तीय विवरण के अभिन्न भाग हैं।

कृते सॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजी पार्क्स ऑफ इंडिया

उक्त तिथि के लिए हमारी पृथक रिपोर्ट के अनुसार
कृते जे सी भल्ला एंड कम्पनी
सनदी लेखाकार
पंजीकरण सं– 001111एन

(अखिल भल्ला)
भागीदार
सदस्यता सं. 505002
स्थानः नई दिल्ली
दिनांकः 11 फरवरी, 2022

(सचिन जैन)
(मुख्य वित्त अधिकारी)

(देवेश त्यागी)
वैज्ञानिक "जी"

(अरविन्द कुमार)
महानिदेशक

31 मार्च, 2021 को समाप्त हुए वर्ष की अनुसूचियाँ जो तुलनपत्र का भाग है

अनुसूची 1: सामान्य निधि

(राशि ₹ में)

विवरण	चालू वर्ष	पिछला वर्ष
सामान्य निधि		
शेष रकम आगे लायी गयी	737,51,57,511	739,00,64,100
जोड़िए: वर्ष के दौरान वृद्धि	31,03,71,768	3,38,38,831
घटाइए: वर्ष के दौरान प्रयुक्त/समायोजित	-	(4,87,45,420)
कुल	**768,55,29,279**	**737,51,57,511**

अनुसूची 2: आरक्षित तथा आधिक्य

(राशि ₹ में)

विवरण	चालू वर्ष	पिछला वर्ष
आरक्षित पूँजी		
शेष रकम आगे लायी गयी	13,63,18,566	13,63,18,566
जोड़िए: वर्ष के दौरान प्राप्त	1,50,00,000	-
घटाइए: वर्ष के दौरान प्रयुक्त/ समायोजित	4,50,00,000	-
कुल	**10,63,18,566**	**13,63,18,566**

अनुसूची 3: आंबटित निधि

(राशि ₹ में)

विवरण	चालू वर्ष	पिछला वर्ष
सहायतार्थ अनुदान–अपना		
शेष रकम आगे लायी गयी	144,78,24,584	172,98,33,871
जोड़िए: वर्ष के दौरान प्राप्त	18,48,00,000	31,72,39,855
जोड़िए: वर्ष के दौरान समायोजित	48,73,30,621	-
घटाइए: वर्ष के दौरान उपयोग	43,10,69,459	50,38,40,215
घटाइए: वर्ष के दौरान समायोजित	33,86,42,741	9,54,08,927
(क)	**135,02,43,006**	**144,78,24,584**
सहायतार्थ अनुदान–अन्य इकाइयाँ		
शेष रकम आगे लायी गई	18,71,16,800	11,75,00,000
जोड़िए: वर्ष के दौरान प्राप्त	71,17,000	6,96,16,800
जोड़िए: वर्ष के दौरान समायोजित	50,00,000	-
घटाइए: वर्ष के दौरान उपयोग	4,18,79,465	-
घटाइए: वर्ष के दौरान समायोजित	9,60,37,881	-
(ख)	**6,13,16,454**	**18,71,16,800**
कुल (क+ख)	**1,41,15,59,460**	**1,63,49,41,384**

31 मार्च, 2021 को समाप्त हुए वर्ष की अनुसूचियाँ जो तुलनपत्र का भाग है

अनुसूची 4: अन्तर इकाई लेखा

(राशि ₹ में)

विवरण	चालू वर्ष	पिछला वर्ष
एसटीपीआई–मुख्यालय	385,29,55,821	367,08,18,948
एसटीपीआई–भिलाई	(11,94,80,269)	(12,23,30,787)
एसटीपीआई–इन्दौर	(15,36,97,550)	(13,33,20,908)
एसटीपीआई–जयपुर	(7,78,58,869)	(8,87,64,131)
एसटीपीआई–जोधपुर	2,67,60,426	2,21,03,706
एसटीपीआई–मोहाली	(50,96,51,385)	(57,64,99,998)
एसटीपीआई–शिमला	2,15,60,666	89,13,852
एसटीपीआई–श्रीनगर	(15,82,67,484)	(17,85,73,153)
एसटीपीआई–जम्मू	99,83,129	40,55,232
एसटीपीआई–बैंगलुरू	(51,80,66,668)	(39,44,95,691)
एसटीपीआई–मैसूर	(16,47,23,920)	(17,00,02,286)
एसटीपीआई–मणिपाल	-	-
एसटीपीआई–हुबली	(10,69,629)	(50,93,237)
एसटीपीआई–मैंगलुरु	(80,52,724)	(2,05,17,526)
एसटीपीआई–हैदराबाद	(1,68,56,314)	(2,05,85,433)
एसटीपीआई–विशाखापत्तनम	(65,41,521)	(24,72,097)
एसटीपीआई–विजयवाड़ा	(34,51,42,576)	(34,79,33,767)
एसटीपीआई–वारंगल	95,59,091	33,73,112
एसटीपीआई–तिरूपति	1,16,85,971	72,98,166
एसटीपीआई–काकीनाड़ा	(23,60,995)	(2,28,196)
एसटीपीआई–नवी मुम्बई	7,07,87,584	6,56,87,172
एसटीपीआई–पुणे	4,90,13,910	8,02,26,234
एसटीपीआई–औरंगाबाद	(17,57,639)	25,60,899
एसटीपीआई–नागपुर	(3,17,68,116)	(1,30,52,014)
एसटीपीआई–कोल्हापुर	(61,67,078)	(28,90,360)
एसटीपीआई–नासिक	(10,37,477)	32,38,098
एसटीपीआई–नोएडा	(51,86,65,322)	(44,92,74,310)
एसटीपीआई–देहरादून	1,20,75,344	3,79,35,708
एसटीपीआई–लखनऊ	1,57,50,305	(41,83,958)
एसटीपीआई–कानपुर	28,57,495	(19,97,060)
एसटीपीआई–प्रयागराज	(10,50,43,506)	(10,83,62,544)
एसटीपीआई–चेन्नई	21,23,07,236	20,77,09,201
एसटीपीआई–कोयम्बटूर	14,56,276	1,53,08,855
एसटीपीआई–पुदुचेरी	20,28,095	1,78,44,444
एसटीपीआई–त्रिची	36,27,288	1,43,47,609
एसटीपीआई–तिरुनेलवेली	(51,070)	6,39,465
एसटीपीआई–मदुरै	(31,30,375)	7,00,255
एसटीपीआई–गंगटोक	(7,12,138)	1,16,75,527
एसटीपीआई–गुवाहाटी	(15,86,06,281)	(22,49,45,732)
एसटीपीआई–इम्फाल	1,12,947	1,39,59,057

एसटीपीआई–भुवनेश्वर	(22,93,53,263)	(14,50,12,169)
एसटीपीआई–दुर्गापुर	64,33,909	1,33,32,181
एसटीपीआई–कोलकाता	(53,82,70,248)	(39,32,93,064)
एसटीपीआई–राऊरकेला	3,08,79,145	1,13,25,488
एसटीपीआई–खड़गपुर	2,76,274	1,24,34,993
एसटीपीआई–रांची	(14,80,03,862)	(12,36,82,115)
एसटीपीआई–सिलीगुड़ी	89,65,451	1,29,24,411
एसटीपीआई–हल्दिया	83,43,882	1,25,59,953
एसटीपीआई–शिलौंग	(22,67,634)	42,54,203
एसटीपीआई–पटना	9,52,80,044	(13,04,35,045)
एसटीपीआई–भिवाड़ी	-	-
एसटीपीआई–तिरुवनंतपुरम	(18,90,16,544)	(15,73,91,464)
एसटीपीआई–गांधीनगर	(14,43,46,626)	(16,66,62,186)
शाखा पुनर्मिलान	-	-
एसटीपीआई–बेरहामपुर	(3,27,27,051)	(3,33,33,612)
एसटीपीआई–आइजोल	(22,73,855)	66,98,883
एसटीपीआई–अगरतला	(5,74,28,861)	(6,61,19,471)
एसटीपीआई–गुरुग्राम	(11,81,20,460)	(15,99,54,633)
एसटीपीआई–गोवा	(2,85,50,572)	(2,89,80,410)
एसटीपीआई–देवघर	(36,52,550)	84,61,702
एसटीपीआई–कोहिमा	(4,99,79,855)	-
कुल	-	-

अनुसूची 5 : ऋण निधि

(राशि ₹ मे)

विवरण	चालू वर्ष	पिछला वर्ष
आरक्षित ऋण		
बैंकों से नकद–उधार	-	-
वित्तीय संस्थानों से	-	-
आरक्षित ऋण पर अर्जित तथा देय ब्याज	-	-
(क)	-	-
अनारक्षित ऋण		-
भारत सरकार से	-	-
राज्य सरकारों से	5,00,00,000	5,00,00,000
अन्य संस्थानों और एजेंसियों से	70,00,000	70,00,000
अनारक्षित ऋण पर अर्जित तथा देय ब्याज	-	-
(ख)	**5,70,00,000**	**5,70,00,000**
कुल (क+ख)	**5,70,00,000**	**5,70,00,000**

31 मार्च, 2021 को समाप्त हुए वर्ष की अनुसूचियाँ जो तुलनपत्र का भाग है

अनुसूची 6: परिसम्पत्तियां, सयंत्र एवं उपस्कर

(राशि ₹ में)

विवरण	सकल खण्ड					मूल्यह्रास				निवल खण्ड	
	01.04.2020 को	परिवर्धन		कटौतियाँ / समायोजन	31.03.21 को	01.04.20 को	वर्ष के लिए	समायोजन / पूर्व अवधि मूल्यह्रास	31.03.21 को	31.03.21 को	31.03.20 को
		180 या उससे अधिक दिनों के लिए	180 से कम दिनों के लिए								
मूर्त सम्पत्तियां											
भूमि											
मुक्तिधारिता	1,70,41,374	-	-	-	1,70,41,374	-	-	-	-	1,70,41,374	1,70,41,374
पट्टाधारित	1,54,40,582	-	3,72,750	3,72,750	1,54,40,582	5,26,180	1,71,937	-	6,98,117	1,47,42,465	1,49,14,402
भवन											
आवासीय	7,64,55,570	-	9,29,52,268	-	16,94,07,838	11,81,026	38,78,901	-	50,59,927	16,43,47,911	7,52,74,544
अन्य	269,76,34,677	35,11,28,495	25,43,07,494	14,33,94,840	3,15,96,75,826	108,56,18,351	19,31,71,776	9,36,82,135	118,51,07,992	197,45,67,834	161,20,16,326
अस्थायी निर्माण	88,85,504	4,49,864	-	7,80,083	85,55,285	81,71,047	11,64,085	7,80,083	85,55,049	236	7,14,456
फर्नीचर एवं फिक्सर	27,46,00,645	1,52,84,194	13,63,34,627	3,90,26,683	38,71,92,783	17,07,58,379	1,70,20,123	1,64,07,461	17,13,71,041	21,58,21,742	10,38,42,266
विद्युत फिटिंग	22,99,09,926	5,83,10,611	5,05,49,857	1,20,69,779	32,67,00,615	11,12,33,459	4,39,20,611	70,77,123	14,80,76,947	17,86,23,668	11,86,76,467
एचएसडीसी उपस्कर	51,18,38,355	58,19,024	1,19,29,668	10,04,15,275	42,91,71,772	46,30,67,015	1,89,40,491	9,78,76,568	38,41,30,938	4,50,40,834	4,87,71,340
विद्युत उपस्कर	67,97,28,276	5,31,92,983	2,80,99,322	3,84,93,891	72,25,26,690	41,64,34,952	7,84,40,423	3,51,68,516	45,97,06,859	26,28,19,831	26,32,93,323
कार्यालय उपस्कर	19,21,86,504	1,44,30,008	76,30,061	77,83,492	20,64,63,081	14,41,48,752	1,51,71,707	57,88,954	15,35,31,505	5,29,31,576	4,80,37,752
वाहन											
कार	77,21,182	-	-	-	77,21,182	27,83,575	13,39,733	-	41,23,308	35,97,874	49,37,606
अन्य	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
कम्प्यूटर एवं उपांत उपस्कर	15,30,25,600	55,64,559	60,37,018	1,51,31,242	14,94,95,935	11,11,83,599	1,13,81,498	(26,15,168)	12,51,80,265	2,43,15,670	4,18,42,000
अग्निशमन उपस्कर	4,90,64,715	90,97,237	52,34,900	3,63,477	6,30,33,375	2,76,52,184	71,63,106	1,35,712	3,46,79,578	2,83,53,797	2,14,12,531
अमूर्त सम्पत्तियां	5,21,20,381	5,25,931	19,83,226	-	5,46,29,538	4,97,27,846	3,80,538	-	5,01,08,384	45,21,154	23,92,535
संयंत्र व उपकरण	5,92,36,935	-	-	14,67,612	5,77,69,323	4,08,56,055	1,73,30,797	10,03,606	5,71,83,246	5,86,077	1,83,80,880
वर्तमान वर्ष का कुल	502,48,90,226	51,38,02,907	59,54,31,191	35,92,99,124	577,48,25,200	263,33,42,422	40,94,75,725	25,53,04,990	278,75,13,157	298,73,12,043	239,15,47,804
पिछले वर्ष का कुल	450,14,56,116	3,12,40,343	104,50,74,789	55,28,81,021	502,48,90,226	262,29,67,874	34,98,10,169	35,27,53,109	263,33,42,422	239,15,47,804	187,84,88,242

31 मार्च, 2021 को समाप्त हुए वर्ष की अनुसूचियाँ जो तुलनपत्र का भाग है

अनुसूची 7 : कार्यशील पूंजी प्रगति पर

(राशि ₹ में)

विवरण	प्रारंभिक शेष 01.04.2020 को	परिवर्धन	पूँजीगत/समायोजन	अंत शेष 31.03.2021 को
मूर्त संपत्ति				
भूमिः				
मुक्तिधारिता	-	-	-	-
पट्टाधारिता	8,676	3	-	8,679
भवन				
आवसीय	-	-	-	-
अन्य	163,65,65,964	32,34,74,723	37,87,75,469	158,12,65,219
अस्थायी निर्माण	-	-	-	-
फर्नीचर एवं फिक्सर	-	1,96,96,397	-	1,96,96,397
बिजली फिटिंग्स	-	-	-	-
एचएसडीसी उपस्कर	8,35,000	14,86,17,492	5,00,00,000	9,94,52,492
विद्युत उपस्कर	-	1,79,77,149	-	1,79,77,149
कार्यालय उपस्कर	-	-	-	-
कम्प्यूटर तथा उपांत उपस्कर	1,82,10,415	-	-	1,82,10,415
अग्निशमन उपस्कर	-	-	-	-
अमूर्त सम्पत्तियां	-	-	-	-
मुद्रा परिवर्तन दर में अन्तर	-	-	-	-
संयत्र व उपकरण	-	-	-	-
कुल (क)	**165,56,20,055**	**50,97,65,764**	**42,87,75,469**	**173,66,10,351**
निर्माण के दौरान आकस्मिक व्यय	49,30,137	21,20,967	42,46,087	28,05,017
चालू वर्ष का कुल	**166,05,50,192**	**51,18,86,731**	**43,30,21,556**	**173,94,15,368**
पिछला वर्ष	**143,36,64,595**	**25,56,82,100**	**2,87,96,503**	**166,05,50,192**

31 मार्च, 2021 को समाप्त हुए वर्ष की अनुसूचियाँ जो तुलनपत्र का भाग है

अनुसूची 8: निवेश

(राशि ₹ में)

विवरण	चालू वर्ष	पिछला वर्ष
संयुक्त उद्यम में निवेश	2,44,40,000	2,44,40,000
सहायक कम्पनियों में निवेश	-	-
भारत सरकार के प्रतिभूतियों में निवेश	-	-
बाण्ड में निवेश	-	-
अन्य में निवेश	2,35,78,882	2,35,80,531
कुल	**4,80,18,882**	**4,80,20,531**

अनुसूची 9: मालसूची

(राशि ₹ में)

विवरण	चालू वर्ष	पिछला वर्ष
भंडार एवं पुर्जे	-	-
एसटीपीआई प्रकाशन/पुस्तकें	-	-
परियोजना कार्य प्रगति पर	-	-
कुल	-	-

अनुसूची 10: विविध देनदार

(राशि ₹ में)

विवरण	चालू वर्ष	पिछला वर्ष
बकाया राशि 6 महीने से ज्यादा	20,02,47,828	19,72,33,763
अन्य बकाया राशि	17,54,89,438	14,00,52,243
कुल (क)	37,57,37,267	33,72,86,007
घटाएः संदिग्ध ऋण के लिए प्रावधान (ख)	12,98,52,924	12,82,31,663
कुल (क-ख)	**24,58,84,342**	**20,90,54,344**

31 मार्च, 2021 को समाप्त हुए वर्ष की अनुसूचियाँ जो तुलनपत्र का भाग है

अनुसूची 11: नकद व बैंक में जमा राशि

(राशि ₹ मे)

विवरण	चालू वर्ष	पिछला वर्ष
उपलब्ध नकद राशि	3,603	5,649
उपलब्ध फूड वाउचर और स्टैम्प	4,684	4,689
(क)	**8,287**	**10,338**
अनुसूचित बैंकों के पास शेष रकम		
अनुसूचित बैंक के चालू खाते में	-	-
अनुसूचित बैंक के बचत खाते में	100,00,04,687	100,66,20,633
अनुसूचित बैंक के ईईएफसी खाता में		
अनुसूचित बैंक के जमा खाता में	169,05,36,216	4,51,18,990
हाथ में/पारगमन चेक/डीडी		-
जमा रकम पर अर्जित ब्याज पर अभी देय नहीं	8,46,71,866	11,57,11,684
(ख)	**277,52,12,768**	**116,74,51,307**
अन्य नकद और बैंक में जमा राशि		
सावधि जमा 3 महीने से अधिक	140,56,19,960	310,45,74,664
ग्रहणाधिकार के तहत सावधि जमा	7,49,22,903	6,31,41,485
(ग)	**148,05,42,863**	**316,77,16,149**
कुल(ख+ग)	**425,57,55,631**	**433,51,67,456**
कुल (क+ख+ग)	**425,57,63,918**	**433,51,77,794**

31 मार्च, 2021 को समाप्त हुए वर्ष की अनुसूचियाँ जो तुलनपत्र का भाग है

अनुसूची 12: ऋण तथा पेशगियाँ

(राशि ₹ में)

विवरण	चालू वर्ष	पिछला वर्ष
ऋण (असुरक्षित पर वसूली योग्य समझे गए):		
कर्मचारीगत	85,82,057	66,98,433
सहायक कंपनियां	-	-
अन्य	-	1,225
(क)	**85,82,057**	**66,99,658**
पेशगियां		
पूर्तिकर्ता एवं ठेकेदारों को	119,98,94,938	148,01,68,999
कर्मचारीगत (ब्याज सहित)	14,52,580	13,82,352
वसूली योग्य दावे	25,70,48,822	13,38,09,506
अन्य	67,85,60,904	90,09,81,574
(ख)	**213,69,57,244**	**251,63,42,431**
पूर्व अदायगी व्यय	34,28,569	32,84,766
प्रतिभूति/जमा अग्रिम धन	10,29,43,372	11,49,18,219
अग्रिम आयकर	257,40,19,435	272,08,51,323
(ग)	**268,03,91,376**	**283,90,54,308**
कुल(क+ख+ग)	**482,59,30,677**	**536,20,96,397**
घटाइए: संदेहात्मक ऋण तथा पेशगियों के लिए (घ)	10,94,35,541	10,94,35,541
कुल(क+ख+ग-घ)	**471,64,95,136**	**525,26,60,856**

31 मार्च, 2021 को समाप्त हुए वर्ष की अनुसूचियाँ जो तुलनपत्र का भाग है

अनुसूची 13: चालू देयताए

(राशि ₹ में)

विवरण	चालू वर्ष	पिछला वर्ष
विविध लेनदार :		
(क) सेवाओं के लिए	8,51,64,390	6,07,17,089
(ख) सप्लाई के लिए	8,42,63,511	15,34,19,919
(ग) अन्य खर्चो के लिए	2,63,83,285	2,26,31,142
	19,58,11,185	**23,67,68,150**
ठेकेदारों तथा अन्य से प्राप्त जमानत,प्रतिधारण राशि	29,58,20,684	35,75,46,109
ग्राहकों से प्राप्त पेशगी :		
(क) सेवाओं तथा अन्यों के लिए	10,48,42,544	24,06,52,913
(ख) परियोजना के लिए	34,57,81,533	26,36,17,172
	45,06,24,077	**50,42,70,085**
अन्य देयताएं	86,18,90,880	69,53,03,158
परियोजना के लिए पेशगी	77,35,29,486	83,67,71,079
कुल	**257,76,76,312**	**263,06,58,581**

अनुसूची 14: प्रावधान

(राशि ₹ में)

विवरण	चालू वर्ष	पिछला वर्ष
आय कर	149,11,00,000	149,11,00,000
कर्मचारियों के लिए लाभ	64,93,20,347	61,49,80,637
प्रावधान : अन्य	2,85,55,505	2,85,55,505
कुल	**216,89,75,852**	**213,46,36,142**

31 मार्च, 2021 को समाप्त हुए वर्ष की अनुसूचियाँ जो आय और व्यय लेखा का भाग है

अनुसूची 15: प्रचालन आय

(राशि ₹ मे)

विवरण	चालू वर्ष	पिछला वर्ष
सॉफ्ट प्वाइंट	-	-
सॉफ्ट लिंक	19,78,07,680	22,88,72,761
सैटेलाइट गेटवे सेवाएं	-	-
सांविधिक प्रभार	111,02,62,161	108,70,13,691
परियोजना कियान्वयन, प्रबंधन तथा परामर्श सेवाएं	38,07,73,639	22,96,36,005
इंक्यूबेशन से आय	22,50,53,641	27,54,09,387
अन्य सेवाएं	7,82,78,967	6,29,28,371
इंटरनेट टेलीफोनी सेवाएं	-	-
कुल	**199,21,76,088**	**188,38,60,215**

अनुसूची 16: ब्याज आय

(राशि ₹ मे)

विवरण	चालू वर्ष	पिछला वर्ष
बैंकों के पास जमा राशि से	17,09,03,646	26,45,39,684
बैंकों के पास बचत खाते से	3,28,15,705	1,51,49,272
भारत सरकार की प्रतिभूति में निवेश से	-	-
बान्ड में निवेश से	-	-
कर्मचारियों को ऋण देने से	2,32,283	1,19,716
अन्यों से	5,11,67,505	16,35,513
कुल	**25,51,19,140**	**28,14,44,185**

अनुसूची 17: अन्य आय

(राशि ₹ मे)

विवरण	चालू वर्ष	पिछला वर्ष
सहायतार्थ अनुदान एवं आर्थिक सहायता	-	-
विदेशी मुद्रा के उतार–चढ़ाव से लाभ	11,10,751	2,33,581
प्रतिलेखित पेशगियों के लिए प्रावधान	1,06,929	1,36,821
विविध देनदारों के प्रतिलेखन के लिए प्रावधान	14,02,380	37,44,035
विविध प्रतिलेखित बकाया ऋण	27,52,370	24,35,101
स्थायी परिसम्पत्तियों की बिक्री/निपटान से लाभ	4,00,793	9,92,814
निवेश की बिक्री/मोचन से लाभ	-	-
संयुक्त उद्यम से लाभांश	1,14,10,000	45,64,000
सहायक कंपनियों से लाभांश	-	-
अन्य से लाभांश	-	-
अन्य विविध आय	1,25,46,319	1,70,77,541
कुल	**2,97,29,542**	**2,91,83,893**

31 मार्च, 2021 को समाप्त अनुसूचियाँ जो आय व्यय लेखा का भाग है

अनुसूची 18: कर्मचारियों की परिश्रमिकी तथा लाभ

(राशि ₹ मे)

विवरण	चालू वर्ष	पिछला वर्ष
वेतन, मजदूरी तथा अन्य लाभ	88,53,54,227	85,20,96,595
भविष्य तथा अन्य निधियों में अंशदान	5,95,10,628	5,72,12,506
ग्रेच्युटी निधि में अंशदान	(2,55,43,200)	3,68,70,816
कर्मगारों तथा कर्मचारियों के लिए कल्याणार्थ	2,02,53,676	2,39,29,393
कुल	93,95,75,332	**97,01,09,310**

अनुसूची 19: बिक्री, प्रशासनिक और अन्य व्यय

(राशि ₹ मे)

विवरण	चालू वर्ष	पिछला वर्ष
स्टोर एवं पुर्जों की खपत	30,71,643	45,73,978
किराया	1,62,45,787	8,14,89,282
दर एवं कर	6,11,59,820	3,34,70,953
प्रशिक्षण एवं भर्ती	58,16,812	25,18,927
बीमा	25,55,458	19,94,112
मरम्मत एवं अनुरक्षण – भवन	7,76,47,331	6,75,94,309
मरम्मत एवं अनुरक्षण – अर्थ स्टेशन	91,78,456	81,90,539
मरम्मत एवं अनुरक्षण – अन्य	3,46,01,093	4,22,94,327
संचार व्यय	97,26,922	95,79,687
यात्रा एवं वाहन व्यय	45,09,203	1,86,07,954
वाहन चालन एवं किराया प्रभार	1,64,18,756	2,24,20,799
लेखा परीक्षकों की अदायगी	7,80,000	7,80,000
विज्ञापन तथा प्रचार व्यय	1,02,89,824	1,74,72,696
सुरक्षा व्यय	8,26,52,002	8,38,04,803
व्यवसाय संवर्धन	32,43,700	35,83,116
मुद्रण एवं लेखन सामग्री	34,52,936	48,11,963
अखबार पुस्तकें एवं पत्र–पत्रिकाएं	4,23,066	5,45,639
बैंक प्रभार	9,08,703	11,51,025
बिजली, ईंधन एवं पानी प्रभार	15,63,30,207	17,03,62,561
कंप्यूटर किराया तथा परिचालन व्यय	41,78,886	39,08,774
विधिक शुल्क	4,61,880	3,81,215
व्यावसायिक एवं परामर्श प्रभार	1,31,81,697	1,32,92,876
दान	-	-
विदेशी मुद्रा के उतार–चढ़ाव से हानि	1,27,424	34,56,054
अचल सम्पति की बिक्री/परित्याग से घाटा	7,892	1,050
निवेश की बिक्री/मोचन से घाटा	-	-
संदिग्ध ऋण के लिए प्रावधान	49,99,036	60,65,329
संदेहास्पद अग्रिमों के लिए प्रावधान	-	-
अप्रचलित स्टॉक के लिए प्रावधान	-	-
बट्टे खाते में डाले गए अप्राप्य ऋण	5,06,919	1,15,774
अन्य व्यय	1,86,86,296	1,26,23,434
कुल	**54,11,61,749**	**61,50,91,176**

31 मार्च, 2021 को समाप्त अनुसूचियाँ जो आय व्यय लेखा का भाग है

अनुसूची 20: ब्याज एवं वित्त प्रभार

(राशि ₹ में)

विवरण	चालू वर्ष	पिछला वर्ष
भारत सरकार से प्राप्त ऋण पर ब्याज	-	-
बैंकों से लिए गए ऋण पर ब्याज	-	-
वित्तीय संस्थान से लिए गए ऋण पर ब्याज	-	-
विदेशी करेंसी ऋण पर ब्याज	-	-
भारतीय मुद्रा में ऋण पर किया गया खर्च	-	-
विदेशी मुद्रा में ऋण पर किया गया खर्च	-	-
अन्य पर ब्याज	34,62,826	38,41,927
कुल	**34,62,826**	**38,41,927**

अनुसूची 21: पूर्व अवधि समायोजन

(राशि ₹ में)

विवरण	चालू वर्ष	पिछला वर्ष
पूर्व अवधि व्यय		
डेटा लिंक प्रभार	3,83,487	6,59,348
परियोजना व्यय	7,570	5,455
कर्मचारियों की परिश्रमिकी पर व्यय	-	-
मूल्यह्रास	2,26,624	1,49,09,261
संचार व्यय	-	2,457
यात्रा एवं परिवहन	45,485	75,848
जल एवं विद्युत	1,01,469	6,347
सेवाएं	-	-
ब्याज	-	-
अन्य	57,11,808	23,25,73,483
	64,76,443	**24,82,32,199**
पूर्व अवधि आय		
सेवाएं	12,26,640	26,45,317
ब्याज	15,567	-
अन्य	29,54,99,963	25,69,62,175
	29,67,42,170	25,96,07,492
कुल	**29,02,65,727**	**1,13,75,293**

अनुसूची–22

31 मार्च, 2021 को समाप्त वर्ष के लिए महत्वपूर्ण लेखांकन नीतियां, जो लेखाओं का भाग है।

1. लेखांकन परिपाटियाँ

क) लेखा ऐतिहासिक लागत परिपाटी तथा सामान्य रूप से स्वीकृत लेखांकन सिद्धांतो के अनुसार लेखांकन के अर्जन के आधार पर तैयार किए गए हैं।

ख) लेखांकन नीतियाँ जिनका विशेष रूप से किसी स्थान पर अन्यत्र उल्लेख नहीं किया गया है, संगतपूर्ण हैं तथा सामान्य रूप से स्वीकृत भारतीय लेखांकन पद्धतियों/सिद्धांतों के अनुरूप हैं, जिसमे अनिवार्य लेखांकन मानकों सहित सिद्धांतों, मार्गदर्शी, टिप्पणियों तथा आईसीएआई द्वारा जारी अन्य घोषणाएं शामिल है।

ग) समग्र प्रभाव के मूर्त न होने के कारण उपयोज्य भंडार सामग्री को व्यय शीर्ष में प्रभारित किया जाता है, चाहे वर्ष के अंत तक उनका उपभोग कर लिया गया हो अथवा उन्हें भंडार में ही रखा गया हो।

घ) उपभोक्ताओं के स्थलों पर प्रतिष्ठापित रेडियो मास्ट की लागत को उपयोज्य मद होने के कारण व्यय शीर्ष में प्रभारित किया जाता है और इसे ग्राहकों से वसूल किया जाता है और तदनुसार इसे सॉफ्टपॉइंट /सॉफ्टलिंक आय में दर्ज किया गया है।

ङ) 5000/– रुपये से कम राशि के पूर्व अवधि व्यय और आय को चालू वित्तीय वर्ष के दौरान संबंधित लेखा शीर्ष में सीधा नामे खाते में डाला/जमा किया जाता है।

2. अनुमानों का प्रयोग

वत्तीय विवरणियाँ तैयार करते समय अनुमानों और पूर्वानुमानों की जरूरत होती है जिनका प्रभाव उस अवधि के आय तथा व्यय की बताई गई राशि, परिसम्पतियों तथा देयताओं के लिए दर्शाई गई राशि तथा आज की स्थिति के अनुसार वित्तीय विवरणियों की आकस्मिक देयताओं पर पड़ता है। वास्तविक परिणामों तथा अनुमानों के बीच के अंतर को उस अवधि का माना जाता है जिस अवधि में परिणाम का पता लगता है/पूरा हो जाता है

3. मूल्यह्रास

क) संयोजन वर्ष में 5000/– रुपये तथा उससे कम की परिसम्पतियों का शत–प्रतिशत की दर से मूल्यह्रास किया जाता है।

ख) नीचे दी गयी विनिर्धारित दरों के आधार पर सरल रेखापद्धति के अनुसार अन्य परिसम्पतियों का मूल्यह्रास किया जाता है।

1.	भवन	10%
2.	कम्प्यूटर तथा उपांत उपस्कर	25%
3.	विद्युत स्थापन	15%
4.	फर्नीचर एवं फिक्सचर	10%
5.	कर्यालय उपस्कर	15%
6.	एचएसडीसी उपस्कर	20%
7.	टावर तथा मास्ट	20%
8.	मोबाईल फोन	25%
9.	वाहन	20%
10.	प्लांट व मशीनरी	30%

ग) अमूर्त परिसम्पतियों का अनुमानित लाभप्रद अवधि के आधार पर परिशोधन किया जाता है। तेजी से होने वाले प्रौद्योगिकी परिवर्तनों और अप्रचलन की तेज दर के कारण सॉफ्टवेयर व्ययों को उद्भूत वर्ष का ही माना जाता हम

4. राजस्व मान्यता

क) वार्षिक सेवा शुल्क वर्ष के आरंभ में अस्थायी रूप से यूनिट के पिछले वर्ष के अनुमानित/वास्तविक निर्यात कारोबार के उच्च स्तर पर लगाया जाता है। वास्तविक आंकड़े प्राप्त होने पर शुल्क में अंतर/परिवर्तन दर्ज किया जाता है।

ख) स्थान तथा मूलभूत सुविधाएँ मुहैया कराने के लिए मासिक आधार पर शुल्क लगाया जाता है।

ग) डीबोन्डिग अथवा शिथिल ईकाइयों के मामलों में न्यूनतम शुल्क लगाया जाता है और इसे पंजीकरण के समय प्राप्त पेशगी जमा में से समायोजित किया जाता है। इसके बाद शेष पेशगी रकम को न्यूनतम शुल्क से कम होने पर अन्य आय के रूप में माना जाता है।

5. परिसंपत्ति संयंत्र और उपस्कर

क) परिसंपत्ति संयंत्र और उपस्कर की लगत में निम्नलिखित शामिल होते हैं:

(i) इसका खरीद मूल्य, जिसमे आयात शुल्क सहित व्यापार में छूट और रियायत के बाद गैर वापसी योग्य क्रय शुल्क शामिल है।

(ii) संपत्ति को उसके स्थान पर सीधे लाने के लिए देय किसी प्रकार का लागत और इसे प्रबंधन की आवश्यकता के अनुसार परिचालन योग्य बनाने की आवश्यक शर्तें।

ख) प्रचालन पूर्व खर्च को पूंजी में परिणत किया जाता है तथा अभिचालित होने पर विभिन्न परिसम्पत्तियों में संविभाजित किया जाता है।

6. विदेशी मुद्रा का लेन देन

विदेशी मुद्रा के लेन देन बैंक द्वारा निर्दिष्ट औसत दरों पर लेन–देन की अवधि के दौरान दर्ज किए गए हैं। लेखा वर्ष की समाप्ति पर असमायोजित शेष मौजूदा परिसंपत्तियों और देनदारियों का पुनर्मूल्यांकन वर्ष की समाप्ति पर उनके मूल्य दर पर किया जाता है और विनिमय में अंतर को यथास्थिति के अनुरूप उस वर्ष के आय अथवा व्यय माना जाता है।

7 अनुदान

पूंजीगत व्यय के लिए प्राप्त अनुदान को तब तक देयता के रूप में दर्शाया जाता है जब तक कि परिसंपतियाँ, संयत्र और उपस्कर निर्मित अथवा सृजत नहीं कर ली जाती है । इस अनुदान से अचल संपति के निर्माण/सृजन के बाद देयता निर्मित/सृजत संपत्ति के मूल्य के बराबर कम हो जाएगी और उपयोग की गयी राशि सम्बद्ध परिसंपतियाँ, संयत्र और उपस्कर की लागत से कम कर दी जाएगी

8. निवेश का लेखांकन

दीर्घावधि निवेश को लागत के आधार पर दर्शाया जाता है। अगर गिरावट अस्थायी नहीं है, तो मूल्यह्रास का प्रावधान लेखांकन मानक–13 'निवेश के लिए लेखांकन' के अनुसार किया जाता है।

9. कर्मचारी लाभ

कर्मचारियों के लाभ से संबधित व्यय तथा देयाताओं को संशोधित लेखांकन मानक–15 आईसीएआई द्वारा जारी कर्मचारी लाभ (संशोधित 2005) के अनुसार अंकित किया जाता है।

क) भविष्य निधि

कर्मचारी के भविष्य निधि/अंशदायी भविष्य निधि में नियोक्ता के अंशदान को वास्तविक आधार पर खाता में डाला जाता है तथा इसे आय एवं व्यय लेखा में प्रभारित किया जाता है।

ख) ग्रेच्युटी

ग्रेच्युटी सेवा उपरांत एक निश्चित लाभ योजना है। ग्रेच्युटी के लिए तुलन–पत्र में भावी देयता अमान्य बिमांकिक लाभ अथवा हानि तथा पिछली सेवा लागत का समायोजन सहित योजनागत परिसंपत्तियों के उचित मूल्य को घटा कर तुलन–पत्र की तारीख में विनिर्धारित लाभ/देयता का वर्तमान मूल्य है। अनुमानित यूनिट क्रेडिट पद्धति का इस्तेमाल करते हुए जीवन बीमा निगम द्वारा निश्चित लाभ/देयता की गणना तुलन–पत्र की तारीख अथवा इसके आस–पास के आधार पर किया जाता है।

पिछले अनुभव तथा बिमांकिक लाभ के परिवर्तन से हुई लाभ तथा हानि को जिस वर्ष की लाभ तथा हानि लेखा से संबंधित है, के आय तथा व्यय लेखा में प्रभारित अथवा जमा किया जाता है।

ग) छुट्टी का नगदीकरण

तुलन–पत्र की तारीख के बाद देय अथवा देय योग्य छुट्टी के नगदीकरण का अनुमान देयता के बारे में अनुमानित यूनिट क्रेडिट पद्धति का इस्तेमाल करते हुए एक स्वतंत्र बिमांकिक द्वारा बिमांकिक मूल्यांकन के आधार पर किया जाता है।

घ) अन्य अल्पकालीन लाभ

अन्य अल्पकालीन लाभों के व्यय को कर्मचारियों द्वारा की गई सेवाओं के दौरान अदायगी योग्य अवधि के लिए अथवा अदा की गई रकम के आधार पर खाते में दर्ज किया जाता है।

10. पट्टाधारिता

परिसम्पत्ति का पट्टा, जिसके अंतर्गत स्वामित्व का सभी लाभ तथा जोखिम पट्टाकार के पास रहता है, को परिचालन पट्टा के रूप में वर्गीकृत किया जाता है। प्रचालन पट्टा को प्रभार करारनामे की शर्तों के अनुसार, जो सोसायटी के लाभ की समय पद्धति का सूचक है, आय तथा व्यय लेखा में व्यय के रूप में दर्ज किया जाता है।

11. आय पर कर

क) वर्तमान कर का प्रावधान आयकर अधिनियम, 1961 के प्रावधानों के अनुसार किया जाना अपेक्षित है।

ख) भारत के सनदी लेखाकार संस्थान द्वारा जारी लेखांकन मानक एएस–22 ' आय पर कर के लिए लेखांकन' के अनुसार लाभ तथा आय कर लाभ के बीच की अवधि से उत्पन्न आस्थगित कर देयता/परिसंपत्ति को खाते में उस समय के लिए लागू कर की दर के अनुसार बाद के वर्षों में तय किया जाता है। तथापि वसूली की पर्याप्त/वास्तविक निश्चितता होने पर ही आस्थगित कर परिसंपत्तियों को मान्यता दी जाती है।

12. अमूर्त परिसंपत्तियाँ

एएस– 26 'अमूर्त परिसंपत्तियाँ' में दिए गए सिद्धांतों के अनुसार पहचान योग्य गैर–मुद्रा संबंधी परिसंपत्ति के क्रय एवं विकास पर किए गए पूँजीगत व्यय को बिना किसी वास्तविक आधार पर सॉफ्टवेयर व्यय को छोड़कर, को अमूर्त परिसंपत्तियों के रूप में माना जाता है। इन्हें वर्गीकृत किया जाता है तथा इन्हें परिसंपतियाँ, संयत्र और उपस्कर की अनुसूची में अलग से दर्शाया जाता है। इनकी अनुमानित कार्यकारी स्थिति तक इन्हें परिशोधित किया जाता है।

13. परिसंपत्तियों की हानि

प्रबंधक–वर्ग समय–समय पर बाहरी एवं आन्तरिक स्रोतों का इस्तेमाल करते हुए, परिसंपत्तियों की हानि का आकलन करता है। परिसंपत्ति के निरंतर इस्तेमाल और अंततः इसके निपटान के फलस्वरूप भविष्य में होने वाले लेन–देन में दर्ज मूल्य के वर्तमान मूल्य से अधिक होने पर हानि होती है। हानि पर होने वाले व्यय का निर्धारण परिसंपत्ति के निवल बिक्री मूल्य अथवा यथा निर्धारित वर्तमान मूल्य के अंकित मूल्य से आधिक्य के आधार किया जाता है। तुलन–पत्र की तारीख को ऐसा कोई संकेत होने पर कि आकलित हानि अब नहीं है, तो वसूली योग्य राशि का पुनः आकलन करके परिसंपत्ति की वसूली योग्य राशि को लागत के अधिकतम मूल्यह्रास के अंतर्गत दर्शाया जाता है।

14. प्रावधान तथा आकस्मिक खर्च

ऐसे किसी पिछले आयोजन, जहां वास्तविक अनुमान लगाया जा सकता है, के फलस्वरूप अनिश्चित अवधि अथवा राशि के वर्तमान दायित्वों के लिए प्रावधान किया जाता है तथा संभवतः आर्थिक लाभ के लिए स्रोतो की निकासी अपेक्षित होने अथवा राशि का आकलन विश्वसनीय रूप से नहीं कर पाने पर यदि स्रोतो की निकासी से आर्थिक लाभ की संभावना कम नहीं है, तो इस दायित्व को आकस्मिक देयता के रूप में दर्शाया जाता है।

संभावित दायित्वों, जिनके मौजूद होने की पुष्टि किसी एक अथवा अधिक अनिश्चित आयोजन के होने अथवा नहीं होने से ही की जाएगी, को भी स्रोतो की निकासी से आर्थिक लाभ की संभावना कम नहीं होने पर आकस्मिक देयताओ के रूप में दर्शाया जाता है।

15. नगदी व समरूप नगदी

नगदी और समरूप नगदी में बैंक और हाथ में नगदी तथा तीन माह या इससे कम अवधि के अल्पावधि निवेश शामिल है।

अनुसूची–22 क

31 मार्च, 2021 को समाप्त वर्ष के लिए महत्वपूर्ण लेखांकन नीतियां, जो लेखाओं का भाग है।

1. विविध देनदारों, विविध लेनदारों तथा संस्था द्वारा दिए गए और लिए गए ऋण और अग्रिम की शेष राशि, संबंधित पार्टियों से पुष्टि और लेखाओं के मिलान के अध्यधीन हैं।

2. सोसाइटी के विचार से सभी ज्ञात देयताओं का लेखाओं में पर्याप्त प्रावधान किया गया है तथा चालू परिसंपत्तियों, ऋण तथा पेशागियों की तुलन–पत्र में उल्लिखित कम से कम मूल्य के बराबर सामान्य कारोबार के दौरान वसूली की जा सकती है।

3. क) सीमा शुल्क विभाग के पास ₹ 61,89,122/– मूल्य की (पिछला वर्ष ₹ 61,89,122/–) परिसंपत्तियाँ, संयत्र और उपस्कर बंधक है।

   ख) स्थायी परिसंपत्तियों में वे उपस्कर भी शामिल हैं जो पुराने हो गए हैं और 31.03.2021 की स्थिति के अनुसार उपयोग में नहीं आ रहे थे। इन उपस्करों की मूल लागत और बट्टे खाते में उनका मूल्य दिनांक 31.03.2021 को क्रमश ₹ 27,47,63,430/– (गत वर्ष ₹ 32,26,18,591/–) तथा ₹ 3,818/– (पिछला वर्ष ₹ 1,614/–) था।

4. जारी की गई बैंक प्रतिभूति के लिए ₹ 7,49,22,903/– की सावधि जमा (पिछला वर्ष ₹ 6,31,41,485/–) बैंक के पास ग्रहणाधिकार में है।

5. क) हैदराबाद स्थित इन्क्यूबेशन सेंटर बिल्डिंग, जिसे पूंजीकृत किया गया/इस्तेमाल योग्य बनाया गया /विकासकर्ता को समानुपात शेयर वर्ष 2009–10 के दौरान हस्तांतरित कर दिया गया था, को वर्ष 2010–11 के दौरान खातों में दर्ज कर दिया गया है। भूमि का 61 प्रतिशत अंश जिसका मूल्य ₹ 78,29,533/– है, जोकि विकासकर्ता के अंश का भाग है, विधिक औपचारिकता का मामला लंबित होने के कारण अभी तक विकासकर्ता को नहीं दिया गया है। मध्यस्थ द्वारा निर्णय एसटीपीआई के पक्ष में दिया गया है। लेकिन विकासकर्ता ने अतिरिक्त मुख्य न्यायाधीश, सिटी सिविल कोर्ट, हैदराबाद में अपील दायर की है और मामला सिटी सिविल कोर्ट में विचाराधीन है।

   (ख) एसटीपीआई ने ईआरपी के कार्यान्वयन के लिए अनुबंध प्रदान किया था। लेकिन कार्यान्वयन में देरी और समझौते के अनुसार कार्य निष्पादन नहीं होने के कारण, एसटीपीआई ने अनुबंध समाप्त कर दिया है और वसूली के लिए दावा किया है। चुंकि मध्यस्थता की कार्यवाही चल रही है अतः ₹ 1,82,10,415/– का प्रावधान कार्य प्रगति पर दर्शाते हुए किया गया है।

   (ग) एसटीपीआई ने एसटीपीआई के कंप्यूटरीकरण का अनुबंध प्रदान किया था। किन्तु सिस्टम इंटेग्रेटर अनुबंध दायित्वों के निर्वहन में असफल रहा और इसलिए ₹ 1,70,84,658/– की राशि का पीबीजी जब्त कर लिया गया और उसे वर्तमान दायित्वों के रूप में दिखाया गया है।

6 ₹ 4,21,45,016/– के लेखाओं के कथित दुर्विनियोग/गबन रकम के बारे में दायर दिवानी/आपराधिक मामला अभी भी निर्णय के लिए सक्षम न्यायालय में लंबित है। फिर भी इस रकम के लिए प्रावधान कर दिया गया है।

7. दूरसंचार विभाग ने बेतार आयोजना समन्वय (डब्ल्यूपीसी) के बेतार दूर संचार लाइसेंस शुल्क की मद में 31 दिसम्बर, 2004 तक के लिए ₹ 6,30,20,500/– की माँग की है। एसटीपीआई ने केन्द्रों में वास्तविक इस्तेमाल के अनुसार तैयार की गई राशि के आधार पर खाते में ₹ 5,60,97,607/– का व्यय दर्ज किया है। दूरसंचार विभाग के साथ इस बारे में लेखाओं का मिलान किया जा रहा है तथा समायोजन (यदि कोई हो) के लिए लेखाओं के मिलान पश्चात् प्रावधान किए जाएंगे। 01.01.05 से 31.03.2021 की अवधि के लिए कोई प्रावधान नहीं किया गया।

8. वित्त वर्ष में लेखापरीक्षक को दिया गया/देय पारिश्रमिकी

	2020-21	2019-20
सांविधिक लेखा परीक्षक को भुगतान	3,22,500/-	3,22,500/-
शाखा लेखा परीक्षक को भुगतान	4,57,500/-	4,57,500/-

9. वर्तमान करः

सोसाइटी आयकर अधिनियम 1961 की धारा 12 क के तहत पंजीकृत है और इसने आयकर अधिनियम 1961 की धारा 11 के

तहत छूट का दावा किया है। निर्धारण वर्ष 2006–07, 2007–08 और 2008–09 के लिए आयकर अपीलीय अधिकरण, दिल्ली के हाल के आदेशों में, आयकर अपीलीय अधिकरण ने भी आयकर अधिनियम 1961 की धारा 11 के तहत एसटीपीआई की छूट के दावे को स्वीकार किया है। इसके अतिरिक्त माननीय दिल्ली उच्च न्यालायाय ने भी अपने आदेश दिनांक 30 जुलाई, 2019 द्वारा उस अवधि की उस स्थिति को स्वीकार किया है और आयकर अपीलीय अधिकरण के आदेश के खिलाफ राजस्व द्वारा दायर अपील को स्वीकार नहीं किया है और भारत के माननीय उच्चतम न्यायालय ने भी राजस्व विभाग द्वारा अपील को खारिज़ करते हुए निर्धारण वर्ष 2007–2008 एवं 2008–2009 की उसी स्थिति की पुष्टि की है तदनुसार सोसाइटी ने वित्त वर्ष 2014–15 से कोई प्रावधान नहीं किया है ।

10. लेखांकन मानक–15 'कर्मचारियों को लाभ'

संस्था ने 'कर्मचारियों को लाभ' संशोधित लेखांकन मानक–15 स्वीकार किया है।

सुनिश्चित अंशदान योजना

वर्ष के दौरान व्यय के रूप में मानी गई सुनिश्चित अंशदान योजना में अंशदान नीचे दिए अनुसार हैः भविष्य निधि में नियोक्ता का अंशदान ₹ 5,25,99,335/–(पिछला वर्ष ₹ 4,82,85,257/–)

सुनिश्चित लाभ योजना

कर्मचारियों की ग्रेच्यूटी निधि योजना एक सुनिश्चित लाभ योजना है। देयताओं के वर्तमान मूल्य को अनुमानित इकाई जमा प्रणाली का प्रयोग करके बीमांकिक मूल्यांकन के आधार पर निर्धारित किया जाता है जिसमे यह माना जाता है कि प्रत्येक सेवा अवधि से कर्मचारी की लाभ पात्रता में एक अतिरिक्त इकाई की वृद्धि होती है और देयताओं का अंतिम रूप से निर्धारण करते समय ऐसी प्रत्येक इकाई की अलग–अलग गणना की जाती है। छुट्टी नगदीकरण की देयताओं के लिए भी ग्रेच्यूटी की ही पद्धति अपनाई जाती है।

ग्रेच्युटी

1. सुनिश्चित लाभ योजना देयताओं के आरंभिक और इतिशेष का मिलान

(राशि ₹ मे)

विवरण	2020-21	2019-20	2018-19	2017-18	2016-17
वर्ष के आरम्भ में सुनिश्चित लाभ दायित्व	29,11,48,343	23,87,80,482	24,34,45,506	20,08,89,466	13,69,16,198
वर्तमान सेवा लागत	1,83,88,102	2,09,43,397	1,83,28,025	1,91,46,701	1,67,45,643
ब्याज लागत	2,05,02,267	1,82,90,585	1,87,69,649	1,51,47,066	1,03,23,481
बीमांकिक (लाभ)/हानि	(4,73,44,503)	1,46,53,439	(3,98,59,122)	(75,66,495)	3,69,04,144
अदा किया लाभ	(44,99,179)	(15,19,560)	(19,03,576)	(7,14,755)	-
विगत सेवा लागत	-	-	-	1,65,43,523	-
वर्ष के अंत में सुनिश्चित लाभ दायित्व	27,81,95,030	29,11,48,343	23,87,80,482	24,34,45,506	20,08,89,466

2. योजना परिसम्पत्तियों के वास्तविक मूल्य के आंरभिक और इतिशेष का मिलान मे)

(राशि ₹ मे)

विवरण	2015-16	2019-20	2018-19	2017-18	2016-17
परिसम्पत्तियों का वास्तविक मूल्य वर्ष के आरम्भ में योजना	25,12,05,509	21,26,92,647	13,00,86,141	11,09,76,830	9,78,77,487
अनुमानित लाभ	1,73,83,421	1,59,51,949	98,21,504	83,78,751	73,89,750
बीमांकिक लाभ /(हानि)	6,18,425	10,64,656	45,18,688	11,73,657	12,09,657

नियोक्ता द्वारा अंशदान	4,60,48,987	2,30,15,817	7,01,69,890	1,02,71,658	44,99,936
अदा किये गये फायदे	(44,99,179)	(15,19,560)	(19,03,576)	(7,14,755)	-
अदायगी लागत	-	-	-	-	-
वर्ष के अंत में योजना परिसम्पत्तियों का वास्तविक मूल्य	31,07,57,163	25,12,05,509	21,26,92,647	13,00,86,141	11,09,76,830
योजना सम्पत्तियों का वास्तविक लाभ	**1,80,01,846**	**1,70,16,605**	**1,43,40,192**	**95,52,408**	**73,89,750**

3. तुलन–पत्र में मान्य धनराशि का पुनर्मिलान

(राशि ₹ में)

विवरण	2020-21	2019-20	2018-19	2017-18	2016-17
वित्तीय वर्ष के अंत में योजना परिसम्पत्तियों का वास्तविक मूल्य	31,07,57,163	25,12,05,509	21,26,92,647	13,00,86,141	11,09,76,830
वित्तीय वर्ष के अंत में देयताओं का वर्तमान वास्तविक मूल्य	27,81,95,030	29,11,48,343	23,87,80,482	24,34,45,506	20,08,89,466
तुलन–पत्र में स्वीकृत निवल परिसम्पत्ति / (देयताएँ)	**(3,25,62,133)**	**(3,99,42,834)**	**(2,60,87,835)**	**(11,33,59,365)**	**(8,99,12,636)**

4. वर्ष के दौरान स्वीकृत व्यय (कर्मचारियों की पारिश्रमिकी और लाभ शीर्ष के तहत)

(राशि ₹ में)

विवरण	2020-21	2019-20	2018-19	2017-18	2016-17
वर्तमान सेवा लागत	1,83,88,102	2,09,43,397	1,83,28,025	1,91,46,701	1,67,45,643
ब्याज लागत	2,05,02,267	1,82,90,585	1,87,69,649	1,51,47,066	1,03,23,481
योजना सम्पतियों पर अनुमानित लाभ	(1,73,83,421)	(1,59,51,949)	(98,21,504)	(83,78,751)	(73,89,750)
विगत सेवा लागत	-	-	-	1,65,43,523	-
अवधि के दौरान मान्य निवल बीमांकिक (लाभ) / हानि	(4,79,62,927)	1,35,88,783	(4,43,77,810)	(87,40,152)	3,56,94,487
आय एवं व्यय लेखा विवरण में मान्य व्यय	(2,64,55,979)	3,68,70,816	(1,71,01,640)	3,37,18,387	5,53,73,861

5. मुख्य बीमांकिक मान्यताएं

(राशि ₹ में)

विवरण	2020-21	2019-20	2018-19	2017-18	2016-17
मृत्युदर सारणी (एलआईसी)	आईएएलएम (2012 - 14)	आईएएलएम (2012 - 14)	आईएएलएम (2006 - 08)	आईएएलएम (2006 - 08)	आईएएलएम (2006-08)
31 मार्च की स्थिति के अनुसार कटौती दर	7.02%	6.92 %	7.66%	7.71%	7.54%

भावी वेतन वृद्धि	8.00 %	8.00 %	8.00%	8.00%	8.00%
योजना परिसम्पत्तियों पर अनुमानित लाभ दर	7.02 %	7.43 %	7.50%	7.55%	7.55%
सेवानिवृत्ति उम्र	60 वर्ष	60 वर्ष	60 वर्ष	60 वर्ष	60 वर्ष
आहरण दर					
आयु					
30 वर्ष तक	3.00%	3.00%	3.00%	3.00%	3.00%
44 वर्ष तक	2.00%	2.00%	2.00%	2.00%	2.00%
44 वर्ष से अधिक	1.00%	1.00%	1.00%	1.00%	1.00%

6. योजना परिसंपत्तियों पर वास्तविक लाभ

(राशि ₹ में)

विवरण	2020-21	2019-20	2018-19	2017-18	2016-17
योजना परिसम्पत्तियों पर अनुमानित लाभ	1,73,83,421	1,59,51,949	98,21,504	83,78,751	73,89,750
बीमांकिक लाभ/(हानि)	6,18,425	10,64,656	45,18,688	11,73,657	12,09,657
योजना परिसम्पतियों पर वास्तविक लाभ	**1,80,01,846**	**1,70,16,605**	**1,43,40,192**	**95,52,408**	**85,99,407**

छुट्टी नकदीकरण

1. सुनिश्चित लाभ योजना देयताओं के आरंभिक और इतिशेष का मिलान

(राशि ₹ में)

विवरण	2020-21	2019-20	2018-19	2017-18	2016-17
वर्ष के आरंभ में सुनिश्चित लाभ दायित्व	30,03,75,803	23,76,66,455	20,61,81,182	17,42,69,820	12,52,63,084
वर्तमान सेवा लागत	3,07,17,730	2,38,60,045	2,02,66,126	1,82,84,767	1,58,27,774
ब्याज लागत	2,15,64,430	1,82,05,250	1,58,96,569	1,31,39,944	94,44,837
बीमांकिक (लाभ)/हानि	1,32,98,094	3,44,27,370	96,07,638	1,28,04,944	3,24,83,997
अदा किया गया लाभ	(2,00,78,745)	(1,37,83,317)	(1,42,85,060)	(1,23,18,293)	(87,49,872)
विगत सेवा लागत	-	-	-	-	-
वर्ष के अंत में सुनिश्चित लाभ दायित्व	**34,58,77,312**	**30,03,75,803**	**23,76,66,455**	**20,61,81,182**	**17,42,69,820**

2. तुलन–पत्र में मान्य धनराशि का मिलान

(राशि ₹ में)

विवरण	2020-21	2019-20	2018-19	2017-18	2016-17
वित्त वर्ष के अंत में योजना परिसम्पति का सही मूल्य	-	-	-	-	-
वित्तीय वर्ष के अंत में देयताओं का वर्तमान वास्तविक मूल्य	34,58,77,312	30,03,75,803	23,76,66,455	20,61,81,182	17,42,69,820

तुलन–पत्र में स्वीकृत निवल परिसम्पत्ति/(देयताएं)	(34,58,77,312)	(30,03,75,803)	(23,76,66,455)	(20,61,81,182)	(17,42,69,820)

3. वर्ष के दौरान स्वीकृत व्यय (कर्मचारियों की पारिश्रमिकी और लाभ शीर्ष के तहत)

(राशि ₹ में)

विवरण	2020-21	2019-20	2018-19	2017-18	2016-17
वर्तमान सेवा लागत	3,07,17,730	2,38,60,045	2,02,66,126	1,82,84,767	1,58,27,774
ब्याज लागत	2,15,64,430	1,82,05,250	1,58,96,569	1,31,39,944	94,44,837
योजना परिसम्पति से अपेक्षित प्रतिलाभ	-	-	-	-	-
विगत सेवा लागत	-	-	-	-	-
अवधि के दौरान मान्य शुद्ध बीमांकिक (लाभ)/हानि	1,32,98,094	3,44,27,370	96,07,638	1,28,04,944	3,24,83,997
आय एवं व्यय लेखा विवरण में मान्य व्यय	6,55,80,254	7,64,92,665	4,57,70,333	4,42,29,655	5,77,56,608

4. मुख्य बीमांकिक मान्यताएं

विवरण	2020-21	2019-20	2018-19	2017-18	2016-17
मृत्युदर सारणी (एलआईसी)	आईएएलएम (2012 - 14)	आईएएलएम (2012 - 14)	आईएएलएम (2006 - 08)	आईएएलएम (2006 - 08)	आईएएलएम (2006-08)
31 मार्च की स्थिति के अनुसार कटौती दर	7.02%	6.92%	7.66%	7.71%	7.54%
भावी वेतन वृद्धि	8.00 %	8.00 %	8.00%	8.00%	8.00%
योजना परिसम्पति से अपेक्षित प्रतिलाभ	-	-	-	-	-
सेवानिवृत्ति उम्र	60 वर्ष	60 वर्ष	60 वर्ष	60 वर्ष	60 वर्ष
आहरण दर					
आयु					
30 वर्ष तक	3.00%	3.00%	3.00%	3.00%	3.00%
44 वर्ष तक	2.00%	2.00%	2.00%	2.00%	2.00%
44 वर्ष से अधिक	1.00%	1.00%	1.00%	1.00%	1.00%

बीमांकिक मूल्यांकन में वेतन में वृद्धि दर का अनुमान लगाया जाता है, जिसमें मूल्य वृद्धि दर, वरिष्ठता, पदोन्नति के साथ–साथ रोजगार बाजार में माँग और आपूर्ति जैसे सुसंगत कारकों पर ध्यान दिया जाता है। बिमांकिक द्वारा छुट्टी नगदीकरण और ग्रेच्यूटी प्रमाणित किया जाता है।

11. निकाय: संयुक्त नियंत्रित

इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय (तत्कालीन सूचना प्रौद्योगिकी विभाग, संचार और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय) भारत सरकार के अनुमोदन से एसटीपीआई ने इंडिया डाट इन पोर्टल और संबंधित सेवाओं के कार्यान्वयन के लिए एमटीएनएल के साथ

दिनांक 03.02.2006 को संयुक्त उद्यम के रूप में एक कंपनी का गठन किया। तद्नुसार, कंपनी का नाम एमटीएनएल–एसटीपीआई आईटी सर्विसेज लि0 रखा गया। यह कंपनी 5,000 लाख रुपये की अधिकृत शेयर पूंजी से जो 10 रुपये प्रति शेयर मूल्य के 500,00,000 शेयर में विभाजित करके निगमित की गई। इन शेयरों को एसटीपीआई और एमटीएनएल ने बराबर मात्रा में खरीदा है। कंपनी रजिस्ट्रार ने इस संबंध में दिनांक 31.03.2006 को निगमन प्रमाण पत्र जारी कर दिया है। संगम ज्ञापन के अनुसरण में सोसाइटी से प्राधिकृत प्रतिनिधि के माध्यम से 10 रुपये मूल्य के प्रति शेयर की दर से 22,82,000 शेयरों की खरीद की है तथा वर्ष के दौरान तुलन–पत्र की तारीख तक इन्हें दिखाया गया है। 2.44 करोड़ के निवेश में व्यय/परिसंपत्ति के लिए 16.20 लाख भी शामिल है जिसे अभी मान्य नही किया गया ।

नाम	हित स्वामित्व	
	31.03.2021	31.03.2020
एमटीएनएल–एसटीपीआई आईटी सर्विसेज लि.	50 %	50 %

एएस–27 के अनुसार "संयुक्त उद्यम में हितों का वित्तीय रिपोर्टिंग" के अनुरूप संयुक्त नियंत्रित निकाय की परिसंपत्तियों, दायित्वों, आय, व्यय, आकस्मिक देयताओं और पूँजीगत प्रतिबद्धताओं में संस्था की अधिभागिता इस प्रकार है:

(राशि ₹ मे)

	विवरण	31.03.2021	31.03.2020
i)	**परिसंपत्तियाँ**		
	परिसंपत्ति, संयत्र और उपस्कर	20,73,933.00	24,96,970.50
	आस्थगित कर परिसंपत्तियाँ (निवल)	4,12,559.50	4,91,392.50
	अन्य वित्तीय परिसंपत्तिया	401.50	401.50
	आय कर परिसंपत्तियां(निवल)	24,47,239.50	28,71,739.50
	अन्य चालू परिसंपत्तियाँ	2,98,77,937.50	3,33,19,459.50
ii)	**देयताएं**		
	चालू देयताएं	30,78,043.50	1,23,78,108
iii)	**आय**	3,09,43,956.50	3,07,30,361.50
iv)	**व्यय**	1,82,24,842.00	1,82,40,699.50
v)	**आकस्मिक देयताएं**	6,49,25,341	6,49,25,341

12. सोसाइटी केवल एक ही लक्ष्य यथा आईटी तथा आईटीईएस उद्योग के संवर्धन पर कार्य करती है।

13. एसटीपीआई को केंद्र और राज्य सरकार से अनुदान प्राप्त हो रहा है। ये अनुदान पूंजी और राजस्व दोनों स्वरुप के हैं। पूंजीगत अनुदान पूंजीगत व्यय जैसे कि नया केंद्र स्थापित करने या नयी पूंजीगत सम्पत्ति की खरीद के लिए प्रदान की जाती है। विगत वर्षों में एसटीपीआई ने भूतलक्षी प्रभाव से लेखा मानक–12 (एएस–12)को लागू किया है और उनका प्रभाव निम्न प्रकार है:–

(राशि ₹ मे)

वित्त वर्ष	उस अवधि के लिए प्रदत्त प्रभाव	अचल संपत्ति के सकल खंड में कमी	आवंटित निधि में कमी	पूर्व अवधि आय लेखा के लिया
2018-19	2014-15 to 2017-18	12,86,75,539	12,86,75,539	1,37,38,480
2019-20	2004-05 to 2013-14	22,60,99,535	26,04,23,190	24,50,79,386

सोसाइटी ने चालू वित्त वर्ष में लेखांकन मानक 12 को विगत अवधि के लिए लागू किया है। तदनुसार, सकल खंड आस्तियों में ₹ 29,14,72,839/–और आवंटित निधि में ₹ 35,06,49,730/– की कमी आयी है । पूर्व के वर्षों में उक्त राशि में प्रभारित

मूल्यह्रास की राशि,जो ₹ 30,97,45,282/– है, को भी पूर्व अवधि आय के रूप में बट्टे खाते में डाल दिया गया है।

14. राज्य सरकार से ₹ 5,70,00,000/– की राशि ब्याज मुक्त असुरक्षित राशि के रूप में प्राप्त हुई है।

15. वर्ष के दौरान एसटीपीआई ने कोविड 19 महामारी के कारण इनक्यूबेटीयों को किराये में ₹ 3,46,57,283/– की छूट दी है।

16. सोसायटी ने वर्ष के लिए, कुल उपलब्ध क्रेडिट में से, असमायोजित राशि ₹ 10,05,720/– का 26एएस में समायोजन किया है।

17. सोसाइटी ने एसटीपीआई–विजयवाड़ा और एसटीपीआई–बैंगलोर में भवन निर्माण से राजस्व उत्पन्न करना शुरू कर दिया है। तथापि, ठेकेदार द्वारा बंदोबस्त प्रस्तुत न करने के कारण उक्त परिसंपत्तियों का पूंजीकरण नहीं किया गया है।

18. सोसायटी एमएसएमईडी अधिनियम, 2006 से संबंधित अनुपालन लागू कर रहा है।

19. **पार्टी संबंधी सूचनाः–**

वर्ष के दौरान सम्बंधित पार्टी के साथ निम्नलिखित कारोबार किया गयाः–

1. एमटीएनएल–एसटीपीआई आईटी सर्विसेज लि.(संयुक्त वेंचर)

लाभांश प्राप्त	: ₹ 1,14,10,000/-
सेवाओं के लिए राजस्व	: ₹ 92,69,325.69 /-
अन्य कारोबार	: ₹ 1,54,61,998.49/-

2. एआईसी एसटीपीआई नेक्स्ट इनिशिएटिव

अन्य कारोबार	:₹ 3,96,79,434/-

20. **आकस्मिक देयताएं**

(राशि ₹ मे)

क्रम संख्या	विवरण	2020-2021	2019-2020
क	पूंजीलेखा के शेष अनुमानित रकम को पूरा किया जाना है जिनका प्रावधान नहीं किया गया	78,80,14,839	118,82,41,194
ख	बकाया बैंक गारंटी	13,97,711	21,22,867
ग	कंपनी के विरुद्ध दावे/विवादित देयतां, जिनको ऋण नहीं माना गया है।		
(i)	बिक्री कर/वैट/प्रवेश कर मामले	33,50,683	33,50,683
(ii)	सेवा कर मामले	5,51,04,817	5,51,05,817
(iii)	आईएसपी–आईटी के संदर्भ में डॉट लाईसेंस फीस	1,53,18,852	1,53,18,852
(iv)	परिसमापन हानि	82,43,499	-

(घ) आयकर विभाग ने निर्धारण वर्ष 200–10 से 2018–19 के लिए मांग पत्र भेजा है। मामलों की वर्तमान स्थिति नीचे दिए अनुसार है:

निर्धारण वर्ष	मांग की गयी (राशि ₹ में)	किस विभाग में मामला लम्बित पड़ा है।
2009-10	1,36,14,268	एसटीपीआई ने सीआईटी–(अपील) में अपील दायर की है। निर्धारण आदेश की तारीख 30.09.2021
2010-11	4,85,01,470	आईटीएटी ने आदेश दिनांक 17.2.2020 द्वारा मामले को वापस भेज दिया है
2011-12	67,46,510	सीआईटी (अपील) ऑर्डर के खिलाफ एसटीपीआई ने आईटीएटी में अपील दायर की है।
2013-14	8,80,12,937	एसटीपीआई ने सीआईटी–(अपील) में अपील दायर की है।
2014-15	31,35,88,480	एसटीपीआई ने सीआईटी–(अपील) में अपील दायर की है।
2016-17	8,70,94,840	एसटीपीआई ने सीआईटी–(अपील) में अपील दायर की है।
2017-18	20,21,99,248	एसटीपीआई ने सीआईटी–(अपील) में अपील दायर की है।
2018-19	49,350	एसटीपीआई ने टीडीएस की मांग के लिए सीआईटी–(अपील) में अपील दायर की है।
	5,03,170	देयता की पहचान

अपीलीय प्राधिकारी के निर्णय के आधार पर तथा सोसाइटी के अन्य संबंधित प्रावधानों की व्याख्या को ध्यान में रखते हुए सोसाइटी का मत है कि मांग–पत्र रद्द किया जा सकता है। तदनुसार इसका कोई प्रावधान नहीं किया गया है।

21. निम्नलिखित मामलों में पट्टाधारी दस्तावेजों पर कार्रवाई की जानी है:

केन्द्र का नाम	कार्य	मूल लागत	डब्ल्यू डी वी
आइजोल	भूमि तथा भवन	1/– ₹ प्रति वर्ष	शून्य
इम्फाल	भूमि तथा भवन	1/– ₹ प्रति वर्ष	शून्य
शिलांग	भूमि तथा भवन	1/– ₹ प्रति वर्ष	शून्य

22. चालू वर्ष के आकंडो से तुलन याग्य बनाने के लिए आवश्यक होने पर विगत वर्ष के आकंड़ो को पनुर्गठित या पुनः वगीकृत किया गया है ।

23. सभी आंकडों को निकटतम रूपयों में दर्शाया गया है।

संलग्न नोट वित्तीय विवरण के अभिन्न भाग हैं।

कृते सॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजी पार्क्स ऑफ इंडिया

उक्त तिथि के लिए हमारी पृथक रिपोर्ट के अनुसार
कृते जे सी भल्ला एंड कम्पनी
सनदी लेखाकार
पंजीकरण सं– 001111एन

(अखिल भल्ला)
भागीदार
सदस्यता सं. 505002

(सचिन जैन)
(मुख्य वित्त अधिकारी)

(देवेश त्यागी)
वैज्ञानिक "जी"

(अरविन्द कुमार)
महानिदेशक

स्थान: नई दिल्ली
दिनांक: 11 फरवरी, 2022

सूचना का अधिकार

सॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजी पार्क्स ऑफ इंडिया सूचना के अधिकार अधिनियम, 2005 की धारा 2(ज) के शर्तों के अंतर्गत लोक प्राधिकारी है। एक आरटीआई सेल एसटीपीआई मुख्यालय,नई दिल्ली में स्थित है जिसमे नौ केन्द्रों के सहायक लोक सूचना अधिकारी, एक केन्द्रीय लोक सूचना अधिकारी और एक प्रथम अपीलीय प्राधिकारी कार्य कर रहे हैं। आरटीआई सेल का कार्य सूचना का अधिकार आवेदन को हार्ड कॉपी के रूप में और आरटीआई वेब पोर्टल के माध्यम से ऑनलाइन प्राप्त करना है और आवेदनकर्ता द्वारा एसटीपीआई से संबन्धित मांगी गयी स्वीकार्य सूचना प्रस्तुत करना है। सेल का उत्तरदायित्व है कि वह मुख्य सूचना आयुक्त को अधिनियम में उल्लिखित उपबंधों के अनुसार अपेक्षित विवरण भी प्रस्तुत करे।

1 अप्रैल, 2020 से 31 मार्च, 2021 तक आरटीआई सेल में प्राप्त आवेदनों/अपील की संख्या निम्न प्रकार है:

प्राप्त आरटीआई आवेदनों की संख्या	**निपटाए गए आरटीआई आवेदनों की संख्या**	**लंबित**
122	122	0
प्राप्त आरटीआई अपील की संख्या	**निपटाए गए आरटीआई आवेदनों की संख्या**	
9	9	0

एसटीपीआई के केन्द्रों और उपकेन्द्रों का नाम और पता

1. **अगरतला**
प्रभारी अधिकारी
सॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजी पार्क्स ऑफ इंडिया
मुकुट बिपानी बिटान, दूसरी मंजिल, लिचु बगान,
अगरतला – 799010 त्रिपुरा (पश्चिम)
टेलीफोन: + 381–2416005
फैक्स: + 381–2416005
ई–मेल: agtl.info@stpi.in
URL: https://guwahati.stpi.in/agartala

2. **इन्दौर**
प्रभारी अधिकारी
सॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजी पार्क्स ऑफ इंडिया
एमपीएसईडीसी एसटीपी बिल्डिंग, इलेक्ट्रॉनिक्स
कॉम्पलेक्स, परदेसीपुरा, इन्दौर – 452010 (मध्यप्रदेश)
टेलीफोन: + 91–731–4024440, 4074144
फैक्स: +91–731–4030880
ई–मेल: sanjaykumar.verma@stpi.in
URL: https://noida.stpi.in/indore

3. **इम्फाल**
प्रभारी अधिकारी
सॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजी पार्क्स ऑफ इंडिया
मंत्रीपुखरी, एनएच–39, इम्फाल – 795001 (मणिपुर)
टेलीफोन: + 91–385–2423237
फैक्स: + 91–385–2423237
ई–मेल: impl.info@stpi.in
URL: https://guwahati.stpi.in/imphal

4. **एज़वॉल**
प्रभारी अधिकारी
सॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजी पार्क्स ऑफ इंडिया
दूसरी मंजिल, सीएच. चूंगा बस टर्मिनल बिल्डिंग, थुमपुई,
एजवॉल–796017, मिजोरम
टेलीफोन : + 0389–2350337
फैक्स : + 0389–2350337
ई–मेल : azl.info@stpi.in
URL: https://guwahati.stpi.in/aizwal

5. **औरंगाबाद**
प्रभारी अधिकारी
सॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजी पार्क्स ऑफ इंडिया
प्लॉट नं0 टी 25 एमआईडीसी, चिकलथाना,
गरवारे स्टेडियम के पास, औरंगाबाद–431210 (महाराष्ट्र)
टेलीफोन: + 91–240–2473859
फैक्स: +91– 240–2473860
ई–मेल: praful.patinge@stpi.in
URL: https://pune.stpi.in/aurangabad

6. **काकीनाड़ा**
प्रभारी अधिकारी
सॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजी पार्क्स ऑफ इंडिया
कलेक्ट्रेट कम्पाऊंड, काकीनाड़ा–533004 (आंध्र प्रदेश)
टेलीफोन: + 91–884–6660115 / 123
फैक्स: + 91–884–6660112
ई–मेल: mallesh.av@stpi.in
URL: https://hyderabad.stpi.in/kakinada

7. **कानपुर**
प्रभारी अधिकारी
सॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजी पार्क्स ऑफ इंडिया
यूपीएसआईडीसी कॉम्पलेक्स, ए–1 / 4, लखनपुर,
कानपुर – 208024 (उत्तर प्रदेश)
टेलीफोन: + 91–512–2580176
फैक्स: + 91–512–2584765
ई–मेल: knp.info@stpi.in
URL: https://noida.stpi.in/kanpur

8. **कोयम्बटूर**
प्रभारी अधिकारी
सॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजी पार्क्स ऑफ इंडिया
एस.एफ न० 333 / 1, भूमि तल,
कुमारगुरु कॉलेज ऑफ टेक्नोलॉजी कैम्पस,
चीन्नावेदम पट्टी, कोयम्बटूर – 641049 (तमिल नाडु)
टेलीफोन : + 91 – 422–2669682
ई–मेल: jinubala.v@stpi.in
URL: https://chennai.stpi.in/coimbatore

9. **कोल्हापुर**
प्रभारी अधिकारी
सॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजी पार्क्स ऑफ इंडिया
यलम्मा मंदिर के पीछे, जयप्रभा स्टूडियो के सामने
आईटी पार्क, कोल्हापुर – 416012 (महाराष्ट्र)
टेलीफोन : + 91 – 231–2644429
फैक्स : + 91 – 231–2644429
ई–मेल: sachin.narule@stpi.in
URL: https://pune.stpi.in/kolhapur

10. **कोलकाता**
निदेशक
सॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजी पार्क्स ऑफ इंडिया
डब्ल्यूईबीईएल एसटीपी–II, दूसरी मंजिल,
ब्लॉक डीएन–53, सैक्टर – V, साल्ट लेक,
कोलकाता – 700091 (पश्चिम बंगाल)
टेलीफोन: +91–33–23673598 / 99
फैक्स: +91–33–23673597
ई–मेल: kol.info@stpi.in
URL: http://kolkata.stpi.in/kolkata

11. खड़गपुर
प्रभारी अधिकारी
सॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजी पार्क्स ऑफ इंडिया
डब्ल्यूबीआईआईडीसी औद्योगिक विकास केंन्द्र,
प्लॉट सं० 3, सेक्टर – बी, नीमपुरा, जिला–पश्चिम
मेदीनीपुर, खड़गपुर – 721301 (पश्चिम बंगाल)
टेलीफोनः + 91–3222–234436 / 233014
फैक्स + 91–033–23673597
ई–मेलः kharagpur.oic@stpi.in
URL: https://kol.stpi.in/kharagpur

13. गांधीनगर
निदेशक
सॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजी पार्क्स ऑफ इंडिया
नौवीं मजिल,जीआईएफटी टॉवर 1, ब्लॉक–56,
रोड –5सी, जोन–5, जीआईएफटी सिटी,
गांधीनगर–382355 (गुजरात)
टेलीफोनः + 91–79–66748531 / 32
फैक्सः +91–79– 66748533
ई–मेलः gnr.info@stpi.in
URL: https://gandhinagar.stpi.in

15. गुवाहाटी
निदेशक
सॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजी पार्क्स ऑफ इंडिया
एलजीबीआई एयरपोर्ट के पास,
बोरझार गुवाहाटी–781015(असम)
टेलीफोनः + 91–361–2841269, 2841374
फैक्सः + 91–361–2842657
ई–मेलः guw.info@stpi.in
URL: https://guwahati.stpi.in

17. ग्वालियर
प्रभारी अधिकारी
सॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजी पार्क्स ऑफ इंडिया
गांव गंगा मालनपुर, मोरेना लिंक रोड,
ग्वालियर–474005 (मध्य प्रदेश)
टेलीफोन :+91–0751–2820405
ई–मेलः sanjaykumar.verma@stpi.in
URL: https://noida.stpi.in/gwalior

19. जम्मू
प्रभारी अधिकारी
सॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजी पार्क्स ऑफ इंडिया
ई.पी.आई.पी करथौली, बड़ी ब्रहामणा,
जम्मू –181133(जम्मू व कश्मीर)
टेलीफोनः+ 91–191–2300381
फैक्स :+ 91–191–2300500
ई–मेलः asim.khan@stpi.in
URL: https://gurugram.stpi.in/jammu

12. गंगटोक
प्रभारी अधिकारी
सॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजी पार्क्स ऑफ इंडिया
ऊपरी मंजिल, सिक्किम ज्वैल्स लि० कॉम्पलेक्स,
राष्ट्रीय राजमार्ग–10, तादोंग,
गंगटोक–737102 (सिक्किम)
टेलीफोनः + 91–3592–271193 / 94
फैक्सः + 91–3592–271193
ई–मेलः siddaiah.ns@stpi.in
URL: https://guwahati.stpi.in/gangtok

14. गुरुग्राम
निदेशक
प्लॉट नं0 30 इलेक्ट्रॉनिक सिटी, सेक्टर 18,
गुरुग्राम–122015 (हरियाणा)
टेलीफोनः + 91–124–2455050
ई–मेलः paritosh@stpi.in
URL: https://gurugram.stpi.in

16. गोवा
प्रभारी अधिकारी
सॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजी पार्क्स ऑफ इंडिया
दूसरी मंजिल, उद्योग भवन, पणजी–403001 (गोवा)
टेलीफोनः +91–832–2226828,
ई–मेलः dinesh.bhagat@stpi.in
URL: https://pune.stpi.in/goa

18. चेन्नई
निदेशक
सॉफ्टवेयर टैक्नोलॉजी पार्क्स ऑफ इंडिया
नं0 5, तीसरी मंजिल, राजीवगांधी सलाई,
तारामणी, चेन्नई–600113 (तमिलनाडु)
टेलीफोनः + 91–44–22541202, 39103525
फैक्सः + 91–44–39103505
ई–मेलः sanjay.tyagi@stpi.in
URL: https://chennai.stpi.in

20. जयपुर
प्रभारी अधिकारी
सॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजी पार्क्स ऑफ इंडिया
आईटी–21, आईटी पार्क, ईपीआईपी,
सीतापुर, इंडस्ट्रीयल एरिया,
जयपुर–302022 (राजस्थान)
टेलीफोनः + 91–141–2770635 / 2770192
फैक्सः + 91–141–2770890
ई–मेलः rajkumar.verma@stpi.in
URL: https://gurugram.stpi.in/jaipur

21. जोधपुर
प्रभारी अधिकारी
सॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजी पार्क्स ऑफ इंडिया
सीवाईबी–1, साईबर पार्क, भारी औद्योगिक क्षेत्र,
सरस डेयरी के निकट, जोधपुर – 342003 (राजस्थान),
टेलीफोन: + 91–141–2770635
फैक्स : + 91–291–2770635
ई–मेल: rajkumar.verma@stpi.in
URL: https://gurugram.stpi.in/jodhpur

22. तरूनेलवेली
प्रभारी अधिकारी
सॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजी पार्क्स ऑफ इंडिया
मनोनमनियम सुदंरनार विश्वविद्यालय कैपंस अभिषेक
पट्टी, तिरूनेलवेली – 627012 (तमिलनाडु)
टेलीफोन: 09994359819
ई–मेल : vganapathi@stpi.in
URL: https://chennai.stpi.in

23. तिरूपति
प्रभारी अधिकारी
सॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजी पार्क्स ऑफ इंडिया
सर्वे सं० 234, अर्बन हाट के पीछे, त्रिचनूर रोड,
तिरूपति – 517503 (आंध्र प्रदेश)
टेलीफोन: + 91–877–2239262
फैक्स: + 91–877–2239262
ई–मेल: varaprasad.y@stpi.in
URL: https://hyderabad.stpi.in/tirupati

24. तिरूवनंतपुरम
निदेशक
सॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजी पार्क्स ऑफ इंडिया
सी–21, तेजस्विनी भवन, टेक्नोपार्क,
तिरूवनंतपुरम – 695581 (केरल)
टेलीफोन: + 91–471–2700404 / 607 / 707 / 807
फैक्स: + 91–471–2700505
ई–मेल: tvpm.do@stpi.in
URL: https://thiruvanantpuram.stpi.in

25. त्रिची
प्रभारी अधिकारी
सॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजी पार्क्स ऑफ इंडिया
बी–9, लाइट इंजिनियरिंग शेड, त्रिची रीजनल
इंजिनियरिंग कॉलेज, साइंस एंड टेक्नोलॉजी इंटरप्रेन्योर्स
पार्क, टीआरईसी–एसटीईपीए एनआईटी कैम्पस,
त्रिची–620015 (तामिलनाडू)
टेलीफोन:–91–431–2501585/86
फैक्स: –91–431 –2501586
ई–मेल: r.pattabi@stpi.in
URL: https://chennai.stpi.in/trichy

26. दुर्गापुर
प्रभारी अधिकारी
सॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजी पार्क्स ऑफ इंडिया
शहीद सुकुमार बनर्जी सरणी, स्पेंसर्स के सामने,
विधान नगर, जिला – पश्चिम बर्धमान
दुर्गापुर – 713212 (पश्चिम बंगाल)
टेलीफोन: + 91–043–2531294 / 95
फैक्स: + 91–033–23673597
ई–मेल: durgapur.oic@stpi.in
URL: https://kolkata.stpi.in/durgapur

27. देहरादून
प्रभारी अधिकारी
सॉफ्टवेयंर टेक्नोलॉजी पार्क्स ऑफ इंडिया
प्लॉट न0 आई टी–01, इंटीग्रेटिड इंडस्ट्रियल इस्टेट
(आईआईई), आई.टी.पार्क, सहस्त्रधारा रोड़
देहरादून –248013 (उत्तराखंड)
टेलीफोन: + 91–135–2608003 / 2608202
फैक्स: + 91–135–2608940
ई–मेल: ddn.oic@stpi.in
URL: https://www.noida.stpi.in/dehradun

28. देवघर
प्रभारी अधिकारी
सॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजी पार्क्स ऑफ इंडिया
प्लॉट न0 15 (पार्ट), इंडस्ट्रियल एरिया, फेस–I
जसीडीह, देवघर–814142, (झारखंड)
टेलीफोन: + 91–651–2462270
फैक्स: + 91–651–2462280
ई–मेल: ran.info@stpi.in
URL: https://bhubaneshwar.stpi.in/deoghar

29. नागपुर
प्रभारी अधिकारी
सॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजी पार्क्स ऑफ इंडिया
प्लाट नं0 3, आईटी पार्क, पारसोडी, वीआरसीई टेलीफोन
एक्सचेंज के पास, नागपुर–440022 (महाराष्ट्र)
टेलीफोन: + 91–712–2227774,
फैक्स: + 91–712–2234960
ई–मेल: sanjay.darne@stpi.in
URL: https://pune.stpi.in/Nagpur

30. नोएडा
निदेशक
सॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजी पार्क्स ऑफ इंडिया
गंगा सॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजी कॉम्पलेक्स,
ब्लॉक–IV, सैक्टर–29, नोएडा –201303 (उत्तरप्रदेश)
टेलीफोन: + 91–120–2470400
फैक्स: + 91–120–2470403
ई–मेल: rajneesh@stpi.in
URL: https://noida.stpi.in

31. नासिक
प्रभारी अधिकारी
सॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजी पार्क्स ऑफ इंडिया
प्लाट नं0 आईटी–1, आईटी पार्क,
ई–2 ब्लॉक के निकट, एमआईडीसी,
अम्बाद, नासिक–422010 (महाराष्ट्र)
टेलीफोनः + 91–253–2382835
फैक्स : + 91–253–2382835
ई–मेलः sachin.purnale@stpi.in
URL: https://pune.stpi.in/nasik

32. पटना
प्रभारी अधिकारी
सॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजी पार्क्स ऑफ इंडिया
13वीं मंजिल, बिस्कोमान टावर, माड्यूल ए–5, एसटीपी कॉम्प्लेक्स, पश्चिम गांधी मैदान, पटना–800001 (बिहार)
टेलीफोनः 91–612–2205627
फैक्सः 91–612–2205627
ई–मेलः patna.info@stpi.in
URL: https://bhubaneshwar.stpi.in/patna

33. पुदुच्चेरी
प्रभारी अधिकारी
सॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजी पार्क्स ऑफ इंडिया,
पांडिचेरी इंजीनियरिंग कॉलेज कैम्पस, टेक्नो पोलिस
बिल्डिंग–I, पिल्लचावड़ी, पुदुच्चेरी – 605014
टेलीफोनः + 91–413–2656317/18
फैक्स : + 91–413–2656318
ई मेल : senthilv@stpi.in
URL:https://chennai.stpi.in/pudducherry

34. पुणे
निदेशक
सॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजी पार्क्स ऑफ इंडिया
प्लॉट सं०. पी–1, फेज – 1, राजीव गांधी इन्फोटेक पार्क,
एमआईडीसी, हिंजावडी., पुणे – 411057 (महाराष्ट्र)
टेलीफोन : + 91–20–22981000/22934475
फैक्स : + 91–20–/22981010/22932639
ई–मेलः sanjay.gupta@stpi.in
URL: https://pune.stpi.in

35. प्रयागराज
प्रभारी अधिकारी
सॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजी पार्क्स ऑफ इंडिया
एमएनएनआईटी कैम्पस, लखनऊ रोड,
प्रयागराज–211 004 (उत्तरप्रदेश)
टेलीफोनः + 91–532–6500130
फैक्स : + 91–532–2545628
ई–मेलः albd.info@stpi.in
URL: http://noida.stpi.in/prayagraj

36. बेरहामपुर
प्रभारी अधिकारी,
सॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजी पार्क्स ऑफ इंडिया
प्लॉट नं0. 860/4562, आयकर कार्यालय के नजदीक,
अम्बापुआ, बेरहामपुर–760011 (ओडिसा)
टेलीफोन : 91–680–2404300
फैक्स : 91–680–2404232
ई मेल : berhampur@stpi.in
URL: https://bhubaneshwar.stpi.in/ berhampur

37. बेंगलुरू
निदेशक
सॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजी पार्क्स ऑफ इंडिया
साईबर पार्क, 6वीं मंजिल, सं० 76 और 77, इलेक्ट्रॉनिक्स सिटी, होसुर रोड, बेंगलूरू–560100 (कर्नाटक)
टेलीफोनः + 91–080–66186049, 66186109
फैक्सः + 91–080–28521161
ई–मेलः shailendra.tyagi@stpi.in
URL: https://bengaluru.stpi.in

38. भिलाई
प्रभारी अधिकारी
सॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजी पार्क्स ऑफ इंडिया
मंगल भवन, नेहरू नगर (पूर्व),
भिलाई, –490020 (छत्तीसगढ़)
टेलीफोन : +91–788–4040330
फैक्सः +91–788–4040326
ई–मेलः dhiren.behera@stpi.in
URL: http://noida.stpi.in/bhilai

39. भुवनेश्वर
निदेशक
सॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजी पार्क्स ऑफ इंडिया
इलीट बिल्डिंग, आईडीसीओ प्लॉट नंबर 2/ए,
गोठपटना, पोस्ट – मालीपाड़ा,
जिला–खुर्दा, भुवनेश्वर –751003(ओडिशा)
टेलीफोनः + 91–674–2623000
फैक्सः + 91–674–2302307
ई–मेलः director.bbioffice@stpi.in
URL: https://bhubaneswar.stpi.in

40. भोपाल
प्रभारी अधिकारी
सॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजीपार्क्स ऑफ इंडिया,
प्लाट न.सी–11, आईटीपार्क, आरजीपीवी के निकट,
नया जेल रोड, गाँधी नगर,
भोपाल, मध्य प्रदेश–462038
टेलीफोनः + 91–0755–2986688
फैक्सः + 91–0755–2986688
ई–मेलः sanjaykumar.verma@stpi.in
URL: https://noida.stpi.in/bhopal

41. मदुरै
प्रभारी अधिकारी
सॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजी पार्क्स ऑफ इंडिया,
थ्यागराज कालेज ऑफ इंजीनियरिंग कैंपस,
मदुरै – 625015 (तामिलनाडु)
टेलीफोन :. 91–452–2482294
फैक्स :. 91–452–2482025
ई–मेल : chennai.madurai@stpi.in
URL: https://chennai.stpi.in/madurai

42. मणिपाल
प्रभारी अधिकारी
सॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजी पार्क्स ऑफ इंडिया
दूसरी मंजिल, कार्मिक भवन,
राजीव नगर, न0. 80, बडागुबेट्टु, अलेवूर रोड,
पोस्ट मणिपाल पारकला,
जिला उडुपी–567107 (कर्नाटक)
टेलीफोन: + 91–820–2575752
ई–मेल : mgl.support@stpi.in
URL: https://bengaluru.stpi.in/manipal

43. मैंगलूरू
प्रभारी अधिकारी
सॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजी पार्क्स ऑफ इंडिया
सर्वे नं0 129/1 ए, ब्लूबेरी हिल,
हरिपडावु रोड, डेरेबेल,
मैंगलूरू – 575008 (कर्नाटक)
टेलीफोन: + 91–824–2212189/139
फैक्स: + 91–824–2216555
ई–मेल: ravindra.aroor@stpi.in
URL: https://bengaluru.stpi.in/mangaluru

44. मुम्बई
प्रभारी अधिकारी
सॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजी पार्क्स ऑफ इंडिया
चौथी मंजिल, समृद्धि वेन्चर पार्क,
गाला, नं0 4, एमआईडीसी, सेन्ट्रल रोड,
अंधेरी (पूर्व), मुम्बई–400 093(महाराष्ट्र)
टेलीफोन: + 91–22–28343742/28384907
फैक्स: + 91–22–28395384
ई–मेल: ashok.yadav@stpi.in
URL: https://pune.stpi.in/mumbai

45. मोहाली
प्रभारी अधिकारी
सॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजी पार्क्स ऑफ इंडिया
प्लॉट सी–184, औद्योगिक क्षेत्र, फेज–8 ए,
सेक्टर – 75, मोहाली (पंजाब)–160071
टेलीफोन: + 91–172–2237067/1
फैक्स: +91–172.2237066
ई–मेल: ajay.shrivastava@stpi.in
URL: https://gurugram.stpi.in/mohali

46. मैसूरू
प्रभारी अधिकारी
सॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजी पार्क्स ऑफ इंडिया
एसजेसीई – एसटीईपी कैम्पस, मानस गंगोत्री
मैसूरू – 570006 (कर्नाटक)
टेलीफोन: +91–821–2412090, 2517780/90
फैक्स: + 91–821–2412080
ई–मेल: jayaprakash@stpi.in
URL: https://bengaluru.stpi.in/mysuru

47. रांची
प्रभारी अधिकारी
सॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजी पार्क्स ऑफ इंडिया
प्लॉट सं० 8 पार्ट, नामकुम औद्योगिक क्षेत्र,
नामकुम, रांची – 834011 (झारखण्ड),
टेलीफोन: + 91–651–2462270
फैक्स: + 91–651–2462280
ई–मेल: ranchi.info@stpi.in
URL: https://bhubaneswar.stpi.in/ranchi

48. राउरकेला
प्रभारी अधिकारी
सॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजी पार्क्स ऑफ इंडिया
सेक्टर–5, औद्योगिक म्यूजियम,
पंथ निवास के पास,
राउरकेला–769002 (ओडिसा)
टेलीफोन: + 91–661–2643745
फैक्स: + 91–661–2643295
ई–मेल: ashok.yadav@stpi.in
URL: : https://bhubaneswar.stpi.in/rourkela

49. लखनऊ
प्रभारी अधिकारी
सॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजी पार्क्स ऑफ इंडिया
एसटीपी कॉम्पलेक्स, गोमती बैराज के पास,
गोमती नगर, लखनऊ –226010 (उत्तर प्रदेश)
टेलीफोन: + 91–522–2307913/15
फैक्स: + 91–522–2307930
ई–मेल: lko.info@stpi.in
URL: https://noida.stpi.in/lucknow

50. वारंगल
प्रभारी अधिकारी
सॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजी पार्क्स ऑफ इंडिया,
काकतिया आईटी पार्क,
एच नं0 2–5–906/1, 2 सर्किट हाऊस रोड,
हनमकोंडा, वारंगल–506001(तेलंगाना)
टेलीफोन : + 91–870–2446944
फैक्स : + 91–870–2446944
ई–मेल: ramakishore.babu@stpi.in
URL: https://hyderabad.stpi.in/warangal

51. **विजयवाडा**
प्रभारी अधिकारी
सॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजी पार्क्स ऑफ इंडिया
राजकीय पोलिटेकनिक कॉलेज कैम्पस,
स्टेला कॉलेज के सामने, बेंज सर्कल के पास,
विजयवाडा – 520008 (आंध्र प्रदेश)
टेलीफोन : + 91–866–2494243
ई–मेलः sanjeev.v@stpi.in
URL: https://hyderabad.stpi.in/vijayada

52. **विशाखापट्टनम**
प्रभारी अधिकारी
सॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजी पार्क्स ऑफ इंडिया
यूनिट नं0 9,एसडीएफ–1, बिल्डिंग, विशाखापट्टनम
स्पेशल इकनॉमीक ज़ोन, दुवादा रेलवे स्टेशन के पास
विशाखापट्टनम–530049 (आंध्र प्रदेश)
टेलीफोन : + 91–741–6452474
फैक्सः + 91–891–2587226
URL: www.hyd.stpi.in

53. **शिलांग**
प्रभारी अधिकारी
सॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजी पार्क्स ऑफ इंडिया
लमजिंगशाई, छोटा गोलचक्कर मार्ग के पास
शिलांग – 793001 (मेघालय)
टेलीफोनः +91–364–2591022
फैक्सः +91–364–2591022
ई–मेलः slg.info@stpi.in
URL: https://guwahati.stpi.in/shillong

54. **शिमला**
प्रभारी अधिकारी
सॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजी पार्क्स ऑफ इंडिया
इन्क्यूबेशन सेंटर, ब्लाक न–24
एसडीए काम्प्लेक्स,
कुसुम्पटी, शिमला–171009 (हिमाचल प्रदेश)
टेलीफोनः +. 91–177–2627858
फैक्सः +. 91–177–2627858
ई–मेलः ajay.shrivastava@stpi.in
URL: https://gurugram.stpi.in/shimla

55. **श्रीनगर**
प्रभारी अधिकारी
सॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजी पार्क्स ऑफ इंडिया
6 सीआईडीसीओ, इलेक्ट्रॉनिक्स कॉम्पलेक्स,
पुराना एयर पोर्ट रोड, रंगरेठ,
श्रीनगर – 191132(जम्मू व कश्मीर)
टेलीफोनः + 91–194–2300520/381
फैक्सः + 91–194–2300500
ई–मेल : asim.khan@stpi.in
URL: https://gurugram.stpi.in/srinagar

56. **सिलीगुड़ी**
प्रभारी अधिकारी
सॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजी पार्क्स ऑफ इंडिया
प्लॉट सं० जेआई 86, मतीगरा, उत्तरायन के सामने,
जिला – दार्जिलिंग, सिलीगुडी–734010 (पश्चिम बंगाल)
टेलीफोनः + 91– 353–2571986/87
फैक्स : + 91–033–23673597
ई–मेलः siliguri.oic@stpi.in
URL: https://kolkata.stpi.in/siliguri

57. **सूरत**
प्रभारी अधिकारी
सॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजी पार्क्स ऑफ इंडिया
एफ पी 27, टीपी 22, जियाव बुदिया रोड़
सोमेश्वर सोसॉयटी के नजदीक, बेस्तान,
सूरत– 395023 (गुजरात)
टेलीफोनः + 91–7405003029
ई–मेल : surat.info@stpi.in
URL: https://gandhinagar.stpi.in/surat

58. **हल्दिया**
प्रभारी अधिकारी
सॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजी पार्क्स ऑफ इंडिया
प्लॉट न० 149, देभोग, भवानीपुर, जिला पूर्व मेदिनीपुर,
हल्दिया – 721657 (पश्चिम बंगाल)
टेलीफोनः + 91–3224–255062/92
फैक्सः+ 91–033–23673597
ई–मेलः haldia.oic@stpi.in
URL: https://kolkata.stpi.in/haldia

59. **हैदराबाद**
निदेशक
सॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजी पार्क्स ऑफ इंडिया
6 क्यू 3, 6ठी मंजिल, साइबर टावरस,
हाइटेक सिटी, माधापुर, हैदराबाद – 500081(तेलंगाना)
टेलीफोनः +91–40–66415600/11
फैक्सः +91–40–23100501
ई–मेलः ram@stpi.in
URL: https://hyderabad.stpi.in

60. **हुबली**
प्रभारी अधिकारी
सॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजी पार्क्स ऑफ इंडिया,
चौथी मंजिल, आईटी पार्क, इंदिरा ग्लास हाऊस के
सामने, हुबली – 580029 (कर्नाटक)
टेलीफोनः + 91–836–2257090/92/93
फैक्सः + 91–836–2257091
ई–मेलः v.sasikumar@stpi.in
URL: : https://bengaluru.stpi.in/hubali

पहली मंजिल, प्लेट–बी, कार्यालय ब्लॉक – 1, पूर्वी किदवई नगर, नई दिल्ली – 110023

फ़ोन नंबर: +91-11-24628081 | ईमेल: info@stpi.in | वेबसाइट: www.stpi.in